दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 25 ▸ अंक : 302 रायपुर, सोमवार, 8 दिसम्बर 2025 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ` 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 डीएमएफ से एक दिन ...

'मस्ती 4' में अपनी छवि को ... 4

सूचना - जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गोवा में आग से 25 पर्यटकों की मौत

गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना में 25 लोगों की मौत हुई है। इस मामले में अरपोरा-नागोआ पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा पुलिस ने नाइटक्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफप्राथमिकी दर्ज की है। बता दें कि नाइट क्लब एक अस्थायी निर्माण पर चल रहा था और इसके निर्माण में बड़े पैमाने पर ताड़ की पत्तियों का इस्तेमाल हुआ था, जिसके चलते आग तेजी से भड़की।

एजेंसी, पणजी

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है। शुरुआती जांच में नाइट क्लब में कई खामियों की बात सामने आ रही है, जिनमें कहा जा रहा है कि नाइट क्लब में आग से बचाव के नियमों का उल्लंघन किया गया और लोगों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया गया। गोवा पुलिस के प्रमुख आलोक कुमार ने बताया कि सिलेंडर में धमाके की वजह से आग लगी, लेकिन कई प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि नाइट क्लब की पहली मंजिल पर आग लगी, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक डांस कर रहे थे।

वहीं इस मामले में गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने अरपोरा में आग लगने की घटना में 25 लोगों की मौत पर कहा, 'गोवा मेडिकल कॉलेज में 25 शव लाए गए, जिनमें से सात का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। 12 की पहचान हो गई है, पांच लोगों का इलाज चल रहा है और उन्हें अच्छे से अच्छा इलाज दिया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, नाइट क्लब पानी में स्थित था और एक पतले रास्ते से जमीन से जुड़ा था। जिसके चलते आग पर काबू पाने में मुश्किल हुई और नुकसान ज्यादा हुआ। वीकेंड की वजह से नाइट क्लब में भारी भीड़ थी और डांस फ्लोर पर ही 100 के करीब लोग डांस कर रहे थे। इस हादसे में मरने वालों में 14 नाइट क्लब के स्टाफ, चार पर्यटक शामिल हैं। बाकी लोगों की पहचान की जा रही है।

हादसे पर पीएम और राष्ट्रपति ने जताया दुख, मुआवजे का किया एलान

गोवा के नाइट क्लब में 25 लोगों की मौत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पोस्ट शेयर करते हुए हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने लिखा, उत्तरी गोवा में हुई आग की घटना से अत्यंत दुखी हूं। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। पीड़ित परिवार के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर उन्हें इस दुख की घड़ी में शक्ति दे। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, गोवा के अरपोरा में आग लगने की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, उनके साथ मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ्य होने की प्रार्थना करता हूं। सरकार पीड़ित परिवारों की हर संभव मदद करेगी।

गोवा हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का एलान किया है। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है।

इंडिगो संकट : एयरलाइन ने अब तक 610 करोड़ रिफंड किए

रविवार को 650 से अधिक फ्लाइट कैंसिल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत में इंडिगो ऑपरेशन संकट के बीच रविवार शाम तक एयरलाइन ने यात्रियों को 610 करोड़ रुपये का रिफंड कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने देशभर में यात्रियों के 3 हजार से ज्यादा बैगेज भी लौटाए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार शाम इसकी जानकारी दी।

मंत्रालय ने बताया कि रिफंड या री-बुकिंग पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की मदद के लिए स्पेशल सपोर्ट सेल बनाए गए हैं। इसके साथ ही इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशन में भी तेजी आई है। डोमेस्टिक फ्लाइट फुल कैपेसिटी के साथ उड़ान भर रही हैं।

इंडिगो के CEO ने पीटर एल्बर्स ने बताया कि आज हम 138 में से 137 डेस्टिनेशंस पर 1650 फ्लाइट ऑपरेट कर रहे हैं। ऑन टाइम परफॉर्मेंस (OTP) 75% रहने का अनुमान है। शनिवार को यह आंकड़ा 1500 था। आमतौर पर एयरलाइन रोजाना करीब 2300 उड़ानें ऑपरेट करती है। हमारी सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं।

आज भी इंडिगो की 650 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। इनमें दिल्ली, चेन्नई, जयपुर, हैदराबाद, भोपाल, मुंबई, त्रिची से जाने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं। इससे पहले एयरलाइन ने शुक्रवार को लगभग 1600 फ्लाइट और शनिवार को लगभग 800 फ्लाइट कैंसिल की थीं।

रायपुर की उड़ानें भी रही प्रभावित

इंडिगो विमान परिचालन में रुकावट का असर रायपुर के स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी देखने को मिल रहा है। आज इस रुकावट का पांचवा दिन है और आज भी रायपुर के माना एयरपोर्ट से दीगर शहरों के लिए उड़ान भरने वाली और आने वाली फ्लाइट कैंसिल है। जानकारी के अनुसार आज भी रायपुर में फ्लाइट शेड्यूल पूरी तरह गड़बड़ाया हुआ है। यहाँ से नीचे दी गई फ्लाइट कैंसिल है।

फ्लाइट नंबर	रूट (From–To)	स्थिति
6E 649	रायपुर – मुंबई	कैंसल
6E 261	अहमदाबाद – रायपुर	कैंसल
6E 183	इंदौर – रायपुर	कैंसल
6E 6586	मुंबई – रायपुर	रद्द
6E 139	कोलकाता – रायपुर	रद्द
6E 405	बेंगलुरु – रायपुर	कैंसल
6E 192	हैदराबाद – रायपुर	रद्द
6E 6521	लखनऊ – रायपुर	कैंसल
6E 6522	भुवनेश्वर – रायपुर	रद्द

संसद में 'वंदे मातरम' और चुनावी सुधारों पर आज होगी चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद में इस सप्ताह 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ और चुनावी सुधारों पर विशेष बहस होगी। प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी समेत कई बड़े नेता हिस्सा लेंगे। विपक्ष 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाएगा, जबकि 'वंदे मातरम' के इस्तेमाल पर भी तीखी बहस के आसार हैं। कानून मंत्री दोनों विषयों पर जवाब देंगे।

इस हफ्ते संसद में सत्ताधारी बीजेपी और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच बड़ा टकराव देखने को मिलेगा। सोमवार से, संसद में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और चुनावी सुधारों जैसे दो महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा होगी, जिसमें सभी पार्टियों के सांसद हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बीजेपी की ओर से बहस में शामिल होंगे। वहीं, विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, अखिलेश यादव, और कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता इन बहसों में अपनी बात रखेंगे।

'वंदे मातरम' पर चर्चा

सोमवार दोपहर को यह चर्चा लोकसभा में शुरू होगी, जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। कांग्रेस की ओर से उपनेता गौरव गोगोई और वरिष्ठ सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल होंगी। राज्यसभा में यह बहस मंगलवार को होगी, जिसकी शुरुआत गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।

तेज रफ्तार कार खड़े ट्रेलर में घुसी, पांच की मौत

जशपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में कटनी-गुमला नेशनल हाईवे नंबर 43 पर देर रात हुए भीषण हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहलाकर रख दिया है। दुलदुला थाना क्षेत्र के पतराटोली में एक तेज रफ्तार कार खड़े ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी पांच युवकों की मौके पर मौत हो गई।

घटना में शामिल कार तेज रफ्तार में थी और सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से सीधे टकरा गई। हादसे का मंजर इतना भयावह था कि आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। दुलदुला थाना प्रभारी केके साहू ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक सभी खटंगा गांव (दुलदुला क्षेत्र) के निवासी थे। मृतकों की पहचान राधेश्याम यादव 26 वर्ष पिता रामप्रसाद यादव, उदय कुमार चौहान 18 वर्ष पिता कृष्ण चौहान, सागर तिर्की 22 वर्ष पिता रफेल तिर्की अंकित तिग्गा 17 वर्ष पिता दिलीप तिग्गा और दीपक प्रधान 19 वर्ष पिता अमर प्रधान के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, सभी युवक आस्ता थाना क्षेत्र के एक मेले से वापस लौट रहे थे। रास्ते में अचानक यह दर्दनाक हादसा हो गया। मृतक राधेश्याम यादव के बड़े भाई महेश्वर यादव ने बताया कि सभी दोस्त देर रात तक साथ थे और घर की ओर लौटते समय यह दुर्घटना हुई। वहीं मृतक दीपक प्रधान अपने परिवार का इकलौता सहारा था, जिसकी मौत से घर पर मातम पसर गया है। पोस्टमार्टम और कानूनी प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंपे जाने की तैयारी की जा रही है। हादसे की वजह कार चालक की तेज रफ्तार मानी जा रही है, हालांकि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

भारत का रक्षा उत्पादन 46 हजार करोड़ से बढ़कर 1.51 लाख करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत रक्षा निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बन रहा है। देश अब आयात-निर्भर राष्ट्र से उभरते हुए रक्षा उत्पादक और निर्यातक के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि 2014 में जहां देश का रक्षा उत्पादन मात्र 46,000 करोड़ रुपये था, वह आज बढ़कर 1.51 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसी अवधि में रक्षा निर्यात भी 1,000 करोड़ से बढ़कर लगभग 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

राजनाथ सिंह लेह में बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन की 125 महत्वपूर्ण परियोजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इन परियोजनाओं में 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य कार्य शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 5,000 करोड़ रुपये बताई गई है। ये परियोजनाएं लद्दाख, जम्मू-कश्मीर तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम जैसे राज्यों में फैली हुई हैं।

BRO की तकनीकी प्रगति की सराहना

रक्षा मंत्री ने बीआरओ की तकनीकी क्षमता, तेज निर्माण और नवाचार की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों के इस्तेमाल से सीमा क्षेत्रों में परियोजनाओं की गति पहले से कहीं अधिक तेज हुई है। उन्होंने विशेष रूप से क्लास-70 मॉड्यूलर ब्रिज का जिक्र किया, जिन्हें भारतीय जहाज निर्माता गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स के सहयोग से पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से बनाया गया है। राजनाथ सिंह के अनुसार ये पुल भारत की इंजीनियरिंग आत्मनिर्भरता का मजबूत उदाहरण हैं, जो कई अग्रिम इलाकों में सफलता के साथ स्थापित किए गए हैं।

पर्दे पर विभाजन की त्रासदी का मंचन देख नम हुई सिंधी समाज की आंखे

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रविवार की संध्या जैसे-जैसे गहराती गई, मेकाहारा स्थित अटल सभागृह में सिंधी समाज की भीड़ उमड़ने लगी। ठीक शाम 4 बजे से लोग आने शुरू हुए और देखते-ही-देखते सभागृह खचाखच भर गया। मौका था 1947 के विस्थापन की उस दर्दनाक याद को फिर से जीने का, जब सदियों से सिंध में बसे सिंधी समाज को अपनी जान और सनातन धर्म की अस्मिता बचाने के लिए रातोंरात सब कुछ छोड़कर भारत आना पड़ा था। मुंबई से विशेष रूप से आए 23 कलाकारों के दल ने जर्नी ऑफ सिंधीज नाटक का भावपूर्ण मंचन किया।

नाटक शुरू होते ही दर्शक 1947 के उस काले दौर में पहुंच गए। मंच पर मां का अपने बच्चों से बिछड़ना, बच्चे का मां को पुकारना, बूढ़ों का लाचार होकर घर-बार छोड़ना। हर दृश्य इतनी सच्चाई से दिखाया गया कि सभागृह में बैठा हर शख्स सिसक-सिसक कर रोने लगा। कई जगह तो दर्शक दीर्घा से भी रोने की आवाजें आने लगीं। नाटक का एक संवाद- सहसा किसी को किसी पर विश्वास ही नहीं हो रहा था... मां अलग रो रही थी, बच्चे अलग कलप रहे थे। सुनकर पूरे हॉल में सन्नाटा छा गया और फिर आंसुओं की बाढ़ आ गई।

प्रवक्ता दिनेश अठवानी ने बताया कि यह नाटक सिर्फ एक नाट्य प्रस्तुति नहीं, बल्कि सिंधी समाज के उस अथाह दर्द की अभिव्यक्ति था जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। नाटक के अंत में जब सभी कलाकार मंच पर खड़े होकर जेको चवंडो थो सिंधी, सो चवंडो थो हिंदुस्तानी गा रहे थे, तब पूरा सभागृह तालियों और आंसुओं से एक साथ गूंज उठा।

आयोजन को यादगार बनाने में सिंधी समाज के अग्रणियों ने दिन-रात एक कर दिया। संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी, सतीष थौरानी, अध्यक्ष अमर गिदवानी, चेयरमैन चेतन तारवानी, वाइस चेयरमैन अशोक मलानी, विनोद तलरेजा, चन्दर विधानी, मुख्य सलाहकार अमीत जीवन, महामंत्री जीतू बडवानी व राधाकिशन सुदरानी, कोषाध्यक्ष रवि ग्वालानी, सह कोषाध्यक्ष सुदेश मध्यान, कार्यकारी अध्यक्ष इंदर डोडवानी व राजेश वासवानी, वाईस प्रेसिडेंट दौलत परियानी, अरुण कुकरेजा, अमरदास खट्टर, मुरलीधर सादीजा, राजेश गुरनानी, संजय जयसिंग, अमर परचानी, जतिन नचरानी, डॉ. गजवानी, युवा अध्यक्ष महेश आहूजा, प्रवक्ता दिनेश अठवानी, महिला विंग के अध्यक्ष भावना कुकरेजा, राशि बलवानी, राधा राजपाल, बढ़ते कदम टीम के इंदर डोडवानी, सुदेश मंध्यानी, राधाकिशन सुंदरानी, दल्ली राजहरा से गोविंद वाधवानी, तिल्दा से किशोर सेतपाल, संजय मंधानी सहित सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अथक परिश्रम किया।

रायपुर में आज का यह आयोजन निश्चित रूप से आने वाली कई पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। एक शाम थी जो सिंधी समाज के जख्मों को फिर से कुरेद गई, लेकिन साथ ही यह भी याद दिला गई कि उन जख्मों पर मरहम लगाकर सिंधियों ने भारत में नई जिंदगी बसाई और देश की तरक्की में अपना योगदान दिया।

इस अवसर पर अमां मीरा देवी की आशीर्वाद रूपी उपस्थिति में आनंद कुकरेजा, अजीत कुकरेजा, रवि ग्वालानी और अशोक नैनवानी, मुखी मनूमल पृथवानी, दीपक कृपलानी, बलराम मंधानी, जय गोलू केसवानी, मनीष वाधवानी, भाई अमरलाल, सागर दुल्हानी, अशोक माखीजा, मुखी मुरलीधर केवलानी, मुखी मुरलीधर कोरबा, विनोद बजाज, प्रीति बजाज, मनीषा तारवानी, मोहित मध्यानी, दानेश मटलानी, रितेश वाधवा, मनीष थरानी , अंकित जीवन, जितेन्द्र शादीजा, लखी सुंदरानी, दिनेश सुंदरानी और राजू वासवानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26347/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 06/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26347
वार्ड का नाम - 7 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR226A00704 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHIKHA GARG पिता/पति श्री/श्रीमती PAWAN GARG के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती खुशबु खटवानी पिता/पति श्री/श्रीमती आदर्श पाहुजा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26429/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 06/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26429
वार्ड का नाम - 11 - डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR227K00110 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ARCHNA KASHYAP पिता/पति श्री/श्रीमती BHISM KASHYAP के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. मनीष नागवानी 2. विशाल नागवानी पिता/पति श्री/श्रीमती लखमीचंद नागवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26354/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 06/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26354
वार्ड का नाम - 7 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR226I0955A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती JAMUNA BAI PRITHYANI पिता/पति श्री/श्रीमती MOHANDAS PRITHYANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. नवीन कुमार वर्मा 2. यामिनी वर्मा पिता/पति श्री/श्रीमती 1. राजेन्द्र कुमार वर्मा 2. नवीन कुमार वर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ:– जिला– रायपुर तहसील–रायपुर प.ह.न.–00047 पंडरीतराई ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक– RD202526440724100012

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.नं. 00047 के अंतर्गत ग्राम पंडरीतराई के वर्तमान भूमिस्वामी रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा मुख्य कार्यपालिका अधिकारी रायपुर पिता/पति–रायपुर पता–रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 2/12(0.0139) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्रीमती हंसा अग्रवाल पिता/पति–रमेश अग्रवाल पता–देवेन्द्र नगर रायपुर छग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 26/12/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/12/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार:
मुहर रामभूर्ति दीवान

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में गौरवपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि सैनिक निस्वार्थ भाव से हमेशा देश की रक्षा के लिए तैयार रहते है और अपना जीवन देश सेवा के लिए लगाते है। उनके कारण ही हमारा जीवन और संपत्ति सुरक्षित है। इस अवसर पर राज्यपाल ने सशस्त्र झण्डा दिवस निधि के लिए 2 लाख रूपए की सहयोग राशि राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड को प्रदान की। कार्यक्रम में राज्यपाल ने सभी शहीदों की वीर नारियों एवं माताओं, आश्रितों को सम्मान राशि और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। वीरता अलंकरण प्राप्त सैनिकों और झण्डा दिवस के अवसर पर विशेष योगदान देने वाले दानदाताओं का सम्मान भी किया। राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन के दौरान इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि झण्डा दिवस निधि से लगभग 27 महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है जिनके माध्यम से पूर्व सैनिकों और आश्रित परिवारों को निरंतर सहायता मिल रही है। छत्तीसगढ़ सैनिक कल्याण बोर्ड और गृह विभाग के सहयोग से हमारे वेटरन्स की उत्कृष्ट देखभाग सुनिश्चित की जा रही है।

श्री डेका ने कहा कि हमारे सैनिक कठिन परिस्थितियों में अपना कार्य करते हैं। माइनस डिग्री के तापमान में भी अपनी जिम्मेदारी कुशलता से निभाते है। उन्होंने शहीद हुए सैनिकों के परिवारों को नमन किया और कहा कि आप लोगों का त्याग अमूल्य है। लोकभवन और छत्तीसगढ़ सरकार आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध है। समारोह की शुरूआत में शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का प्रतीक बैज लगाकर श्री डेका को सम्मानित किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार शर्मा ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु के संदेश का वाचन किया। राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक ब्रिगेडियर श्री विवेक शर्मा ने झण्डा दिवस निधि के महत्व पर एवं इस निधि से भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी।

पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था के लिए प्रशासन सख्त

बलरामपुर। कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशन में जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने सभी अंतरराज्यीय सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर चौकसी को और मजबूत करते हुए 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इसके तहत संदिग्ध वाहनों, परिवहन गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पारदर्शी एवं निष्पक्ष धान खरीदी नीति के तहत अब तक जिले में कुल 76 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें 10654.10 क्विंटल अवैध धान एवं 29 चार पहिया वाहन व 10 दोपहिया कुल 39 वाहनों को जब्त किया गया है, जो कि प्रशासन की सतत निगरानी तथा संयुक्त दलों की सक्रियता का परिणाम है। कलेक्टर कटारा के मार्गदर्शन में सभी अंतरराज्यीय एवं आंतरिक चेक पोस्टों पर भी टीमों को तैनात किया गया है। साथ ही प्रत्येक अनुविभाग में गठित निगरानी दल रात्रि कालीन गश्त के साथ ही आने–जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही हैं और मंडी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री कटारा ने आम नागरिकों एवं किसानों से अपील की है कि यदि अवैध धान परिवहन या भंडारण से संबंधित कोई भी संदिग्ध गतिविधि या सूचना मिले तो तुरंत सूचित करें। जिसमें सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बलरामपुर जिले में 376410.40 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में बलरामपुर–रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो गया है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। जिले में अब तक 49 समितियों में किसानों से कुल 376410.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, जिसमें धान खरीदी केन्द्र कपिलदेवपुर में 3559.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 3822, कुसमी में 4980.40, जवाहरनगर में 2600.80, कामेश्वरनगर में 17982.40, कोदवा में 1730.40, गोपालपुर में 4877.20, भेंडरी में 3647.60, चांदों में 12230, जमड़ी में 16372.40, जिगड़ी में 2980.80, जोकापाट में 1089.20, डूमरपान में 8957.60, डिण्डों में 11829.20, डीपाडीह में 4172.40, डोंगरो में 4054, गांजर में 3741.20, त्रिकुण्डा में 11152, बगरा में 6184, तातापानी में 9479.60, धंधापुर में 9458.40, डौरा में 5622, पस्ता में 3680.80, बड़कागांव में 13934.80, बरतीकला में 9408.80, बरदर में 7547.20, आरा में 2352, बरियो में 9859.20, बलंगी में 7616, बलरामपुर में 9512, बसंतपुर में 10998, भुलसीकला में 1804, भंवरमाल में 15844.40, रामानुजगंज 8639.60, महाराजगंज में 14977.20, महावीरगंज में 7620.40, विजयनगर में 13462.80, रघुनाथनगर में 8020.80, रनहत में 3094, राजपुर में 12208.40, दोलंगी में 6158.40, रामचन्द्रपुर में 2814, रामनगर में 10670.80, वाड्रफनगर में 5408.80, स्याही में 7548, विरेन्द्रनगर में 14695.60, सरना में 8751.60, सेवारी में 8064.40 एवं सामरी में 1195.60 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

विजय शर्मा के प्रयासों से कवर्धा में सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के कृषक हितैषी पहल और कृषि उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से बीते दो वर्षों में कवर्धा विधानसभा में सिंचाई सुविधा में तेजी से विस्तार हुआ है। उनके प्रयासों से इन दो सालों में 11 कार्यों के लिए 40.44 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली है। विभिन्न प्रगतिशील सिंचाई परियोजनाओं के पूरे होने से 8762 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में सिंचाई के लिहाज से महत्वपूर्ण कई परियोजनाओं के कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। ताकि किसानों तक इन सुविधाओं का लाभ पहुंच सके। गत दो वर्षों में सिंचाई क्षमता विस्तार को देखें तो अलग अलग प्रोजेक्ट्स से 2834 हेक्टेयर क्षेत्र की वृद्धि दर्ज की गई है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने लगातार कवर्धा में सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने के लिए प्रयास किए। उन्होंने सूखेग्रस्त क्षेत्रों का स्वयं दौरा कर किसानों से संवाद भी किया है। साथ ही लगातार बैठकों में भू–अर्जन और वन स्वीकृति जैसे महत्वपूर्ण प्रकरणों की समीक्षा कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इन परियोजनाओं से जिले में सिंचाई क्षमता में व्यापक वृद्धि होगी। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का लक्ष्य है कि कवर्धा जिला सिंचाई सुविधाओं के मामले में प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल हो।

40.44 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से दिनांक 1 दिसंबर 2025 तक जिले में सिंचाई विस्तार के 11 महत्वपूर्ण कार्यों के लिए 40.44 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिससे 1977 हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता का विस्तार होगा।

प्रमुख और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मिली गति

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के सतत प्रयासों से कवर्धा के प्रमुख महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, इनसे संबंधित भू–अर्जन प्रकरणों, वन प्रकरणों की स्वीकृति आदि को गति प्रदान की जा रही है। जिनमें बरोदा खुर्द जलाशय, जगमडवा जलाशय, घटोला परियोजना और सुतियापाट नहर विस्तारीकरण योजना शामिल है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सुतियापाट नहर विस्तारीकरण कार्य को प्राथमिकता देते हुए इसे तेजी से प्रारंभ करवाया। किसानों की मांग के अनुरूप नहरों का समावेश योजना में किया गया है। इन प्रगतिशील परियोजनाओं के पूर्ण होने पर जिले में कुल 8,762 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी, जिससे कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी होगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26455/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 07/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26455
वार्ड का नाम - 11 - डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR227K00616 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ARAMBH INFRAVENCHARS DWARA -VICKY SHERWANI, CHANDRABHAN SHERWANI, JITENDRA KUMAR SHARMA पिता/पति श्री/श्रीमती R. P. SHARMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. अलका अग्रवाल 2. प्रणय अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती 1. प्रणय अग्रवाल 2. स्व. हेमंत अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेल:– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26434/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 07/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26434
वार्ड का नाम - 11 - डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR227T00348 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AYESHA BEGAM पिता/पति श्री/श्रीमती MOHAMMAD ISRAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती नूपुर अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती तरंग अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वाटरशेड महोत्सव आयोजित

प्रभात फेरी, करमा नृत्य और श्रमदान के साथ जल संरक्षण का संदेश

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम देवीगंज में वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थाई समिति के द्वारा जल संरक्षण विषय पर विस्तृत जानकारी दिया गया परियोजना अधिकारी श्री रॉबिंसन सुधीर कुजूर के द्वारा वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम के बारे में जल और मृदा की उपयोगिता पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में स्कूली छात्र–छात्राओं के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई साथ ही अमृत सरोवर और सिंचाई नाली के साफ सफ़ाई में श्रमदान किया गया। इस दौरान करमा नृत्य के साथ साथ स्कूली छात्र–छात्राओं के लिए जल संरक्षण पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थाई समिति के सभापति श्री बद्री यादव, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती सूरजमुनिया उइके, वाटरशेड समिति के अध्यक्ष श्री उदय भान मरकाम, अन्य जनप्रतिनिधिगण, वाटरशेड परियोजना के सभी अधिकारी–कर्मचारी, ग्रामीण एवं स्कूली छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने धनवार व चूना पत्थर चेक पोस्ट का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने आज अलसुबह विकासखण्ड वाड्रफनगर से लगे अंतरराज्यीय चेक पोस्ट धनवार का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री कटारा ने चेक पोस्ट में तैनात कर्मचारियों से जांच प्रक्रिया तथा सुरक्षा की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने धान के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अवैध परिवहन पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेक पोस्ट पर वाहनों की जांच प्रक्रिया, सीसीटीवी, वाहनों के प्रवेश–निकास पंजी तथा कर्मचारियों की ड्यूटी सूची का भी अवलोकन किया। उन्होंने चेक पोस्ट में संबंधितों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे हर स्थिति में सतर्क रहें और आने–जाने वाले सभी वाहनों की सघन जांच सुनिश्चित करें। उन्होंने कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का गंभीरता से पालन करने और ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतने को कहा। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि यदि किसी वाहन में धान या अन्य कृषि उपज परिवहन का संदेह हो, तो उसकी पूरी जांच करे। उन्होंने संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच कार्यवाही पारदर्शी, त्वरित और निर्धारित नियमों के अनुरूप हो। इस दौरान कलेक्टर ने चुना पाथर चेक पोस्ट का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश भी दिए।

कबीरधाम जिला अस्पताल में मातृ–शिशु चिकित्सा सुविधाएं हुई सुदृढ़

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

कवर्धा में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के नेतृत्व में तीव्र गति से विस्तार हो जा रहा है। जिसका परिणाम है कि जिला अस्पताल में लगातार प्रसवों की संख्या में इजाफ़ा हुआ है। लोगों का विश्वास भी जिला अस्पताल कवर्धा पर बढ़ा है, जिसका अनुमान इससे लगाया जाता है कि कवर्धा में आस पास के जिलों खैरागढ़–छुईखदान–गंडई, बेमेतरा, मुंगेली के साथ साथ मध्यप्रदेश के मंडला और बालाघाट जिले से भी मरीज उपचार के लिए कवर्धा आ रहे हैं। जिससे लगातार जिला अस्पताल में प्रसवों की संख्या में इजाफ़ा हुआ है, हर माह में विगत वर्षों में हुए प्रसवों की संख्या से तुलना की जाए तो हर माह के औसत में 50 प्रतिशत तक इजाफ़ा देखा गया है। हर माह जहां औसत प्रसवों की संख्या जहां 230 से 240 के आस पास रहा करती थी, वह बढ़कर 380 से 390 पहुंच गई है और इसमें अक्टूबर 2025 में सर्वाधिक इजाफ़ा देखा गया था जहां अस्पताल खुलने से अब तक एक माह में सर्वाधिक 413 प्रसव दर्ज किए, वहीं नबम्बर 2025 में भी 400 प्रसव हुए हैं।

इस संदर्भ में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ केशव ध्रुव ने बताया कि उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में लगातार सुविधाओं का विस्तार किया गया है। यहां चिकित्सकों की नियुक्ति से लेकर नवीन उपकरण, लैब, भवन की सुविधा प्रदान की गई है। जिससे लोगों को लाभ प्राप्त हो रहा है। जिला अस्पताल में प्रसवों की बढ़ती संख्या मुख्य रूप से लोगों के बढ़ते हुए विश्वास को दर्शाता है। यहां लगातार आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, नवीन अत्याधुनिक सुविधाएं, महिला रोग विशेषज्ञों की उपलब्धता से यह संभव हो पाया है। विभाग प्रमुख डॉ जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में लगातार प्रसव कराया जा रहा है। इसमें जिला अस्पताल में जनवरी 2025 से अब तक रात्रि कालीन सिजेरियन ऑपरेशन में राज्य में प्रथम स्थान जिला चिकित्सालय कबीरधाम को प्राप्त हुआ है जहां अब तक कुल 1331 सफ़ल ऑपरेशन किए गए हैं। जिला अस्पताल कवर्धा में खैरागढ़–छुईखदान–गंडई जिले से प्रसव हेतु आई रवीना के पति राजकुमार टंडन ने बताया कि गंडई में जब वे उपचार करा रहे थे तो चिकित्सकों ने बताया की उनका प्रसव सामान्य रूप से करना संभव नहीं है तो हमने उनसे पूछा कि क्या हम किसी बड़े शहर में उपचार के लिए जाएं तो चिकित्सकों ने ही उन्हें कवर्धा में बेहतर उपचार के संबंध में जानकारी दी।

राजनांदगांव बायपास से नवीन बाजार तक बनेगा गौरव पथ

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

कवर्धा शहर के विकास को नई ऊँचाई देते हुए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज 10 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से बनने वाले बहुप्रतिक्षित राजनांदगांव बायपास (पिलारी नहर) से नवीन बाजार तक गौरव पथ निर्माण कार्य का विधिवत पूजा–अर्चना कर भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में सांसद श्री संतोष पाण्डेय भी उपस्थित रहे। इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना के साथ कवर्धा के विकास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में शहर अब तेज़ी से उस दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहां आधुनिक सुविधाएं, सुदृढ़ सड़कें, बेहतर यातायात और सुनियोजित शहरी विकास कवर्धा की पहचान होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि गौरव पथ केवल एक सड़क नहीं, बल्कि कवर्धा शहर के भविष्य को गति देने वाला विकास का मार्ग है। लोहारा रोड बायपास से नवीन बाजार तक बनने वाला यह मार्ग शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाएगा, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाएगा और शहर की सुंदरता को नई चमक देगा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और सांसद संतोष पाण्डेय के प्रयासों से कवर्धा को मिली यह सौगात आने वाले वर्षों में शहर के समग्र विकास की सबसे मजबूत नींव साबित होगी।

यह परियोजना कवर्धा को एक विकसित, सुव्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस अवसर पर अध्यक्ष कृषक कल्याण बोर्ड श्री सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, श्री राजेन्द्र चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, श्री अशोक साहू, पूर्व विधायक सियाराम साहू, श्री मोतीराम चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुष्मा बघेल, श्री अनिल सिंह ठाकुर एवं श्रीमती सतविंदर पाहुजा, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सांसद श्री संतोष पाण्डेय के अथक प्रयासों से गौरव पथ निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि कवर्धा शहर में दो आधुनिक चौपाटियों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही भारत माता चौक से समनापुर तक 2 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि रायपुर, बिलासपुर एवं राजनांदगांव से कवर्धा आने वाले प्रवेश मार्ग का चौड़ीकरण तथा इसे फ़ोर–लेन डिवाइडर युक्त सड़क के रूप में विकसित करने हेतु 54 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

डीएमएफ से एक दिन मॉडल जिला बनेगा कोरबा -मंत्री लखनलाल देवांगन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान स्वीकृत कार्यों की प्रगति, किए गए कार्यों की कार्योत्तर स्वीकृति तथा आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधायक पाली-तानाखार क्षेत्र तुलेश्वर सिंह मरकाम, विधायक रामपुर के प्रतिनिधि, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जबकि पदेन अध्यक्ष कलेक्टर अजीत वसंत, वनमंडलाधिकारी कोरबा श्रीमती प्रेमलता यादव,

शहर के सड़कों के डामरीकरण और बेलगरी बस्ती क्षेत्र में पुल-सड़क निर्माण कर यातायात को बेहतर बनाने मंत्री ने दिये निर्देश

कटघोरा के डीएफओ कुमार निशांत, आयुक्त नगर निगम आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग, सांसद-विधायक प्रतिनिधि, अपर कलेक्टर देवेन्द्र पटेल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती माधुरी सोम, एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे सहित अन्य विभागीय अधिकारी बैठक में सम्मिलित हुए।

बैठक में डीएमएफ अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के दौरान मंत्री देवांगन ने कहा कि जिले के समग्र विकास में डीएमएफ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग एवं जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास के कार्य तेजी से संचालित किए जा रहे हैं और यदि यही गति बनी रही, तो कोरबा शीघ्र ही एक मॉडल जिले के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि डीएमएफ के माध्यम से जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पौष्टिक आहार, पीवीटीजी समुदाय को रोजगार, नीट की कोचिंग जैसी जनहितैषी योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे आमजन की आवश्यकताओं का समाधान भी होगा और क्षेत्र के समग्र विकास को मजबूती भी मिलेगी। उन्होंने डीएमएफ के माध्यम से शहर के सड़कों में डामरीकरण करने, बेलगरी बस्ती क्षेत्र में पुल और सड़क का निर्माण कर यातायात को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

मंत्री देवांगन ने यह भी कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास के लिए डीएमएफ राशि का प्रावधान सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भी मंशा है कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो और जनता को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध हों। कलेक्टर एवं जिला प्रशासन इस दिशा में कार्य कर रहा है तथा डीएमएफ का उपयोग उच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए, निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों और गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न हो। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष के लिए विभागीय कार्यों का प्राक्कलन तैयार कर समय पर शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय के निर्देशन में बुका-सतरेंगा एवं झोराघाट क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे कोरबा जिले की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की छात्रा निहारिका नाग बनी राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शंकरगढ़ की होनहार छात्रा निहारिका नाग ने वह कर दिखाया है, जिसका सपना हर विद्यार्थी देखता है। साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली यह बाल प्रतिभा आज अपने हुनर से न सिर्फ जिले का, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय मानचित्र पर रोशन किया है। राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कला उत्सव उद्भव 2025 में छत्तीसगढ़ राज्य का किया नाम रोशन मिट्टीकला में निहारिका ने बढ़ाया प्रदेश का मान

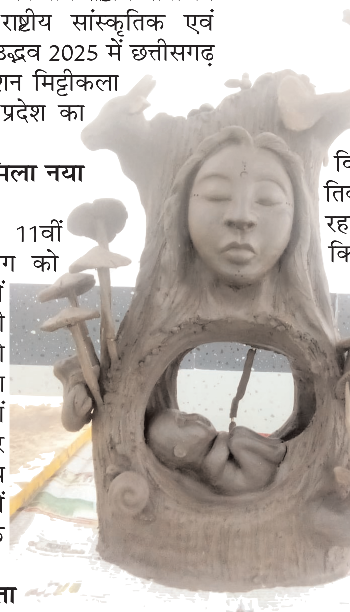

मिट्टीकला में मिला नया आयाम

शंकरगढ़ की कक्षा 11वीं की छात्रा निहारिका नाग को एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के बाद अपनी मिट्टी कला सामर्थ्य को निखारने का सुनहरा अवसर मिला, जहां विद्यालय के बेहतर माहौल, उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञों के प्रशिक्षण ने उनके सपनों को मजबूती दी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहला स्वर्ण पदक से मिली नई उड़ान

निहारिका ने पहले जगदलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। यह जीत उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देने में सहायक साबित हुई।

उद्भव 2025 में राष्ट्रीय स्वर्ण पदक से हुई दोहरी जीत

इसके बाद निहारिका ने आंध्र प्रदेश में आयोजित 6 वीं ईएमआरएस राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कला उत्सव उद्भव 2025 में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। लगातार दोहरा स्वर्ण पदक जीतकर निहारिका ने अपने विद्यालय और छत्तीसगढ़ राज्य का मान बढ़ाया है।

शिक्षकों का मार्गदर्शन बना सफलता की नींव

निहारिका के इस सफलता के पीछे उनके कला शिक्षक श्री राहुल जंघेल की प्रेरणा और विद्यालय के प्राचार्य श्री संजय कुमार तिर्की का सतत सहयोग और मार्गदर्शन रहा। निहारिका ने साबित कर दिखाया कि प्रतिभा को बस सही मंच की जरूरत होती है। निहारिका की बचपन से ही मिट्टी कला के प्रति गंभीर रुझान रखती थीं और विद्यालय ने उनकी इस प्रतिभा को ऊंचाई तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मेहनत और मार्गदर्शन से बनती है नई पहचान

निहारिका की इस उपलब्धि से बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में उत्साह का माहौल है। निहारिका की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद ऊंचे सपने देखते हैं। निहारिका नाग की तरह मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी विद्यार्थी राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकता है।

नव दायित्ववान नेताओं का भाजपा पुरानी बस्ती मंडल ने किया अभिनंदन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) भाजपा पुरानी बस्ती मंडल के नेतृत्व में मंडल में निवासरत नव दायित्ववान नेताओ का अभिनंदन कार्यक्रम रखा गया जिसके तहत विकास मरकाम (अध्यक्ष औषधि एवं पादप बोर्ड राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) को भाजपा संगठन की ओर से धमतरी जिला प्रभारी, अमित साहू (प्रदेशमंत्री, भाजपा छत्तीसगढ़) को बलौदाबाजार जिला प्रभारी, बृजेश पांडेय को प्रदेश संयोजक विधि प्रकोष्ठ, संजू नारायण ठाकुर जी को प्रदेश संयोजक झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ, आशीष तांडी एवं परेश्वर बाग को प्रदेश सह संयोजक झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ का अभिनंदन किया गया, कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन मंडल अध्यक्ष केदार धनगर ने किया, कार्यक्रम में विकास मरकाम, अमित साहू, बृजेश पांडेय, संजू नारायण ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, कार्यक्रम के संयोजक राज गायकवाड़ एवं संचालन आशीष धनगर के द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष केदार धनगर, वरिष्ठ नेता मत्स्य महासंघ के पूर्व अध्यक्ष रामकृष्ण धीवर, एम आई सी सदस्य एवं वरिष्ठ पार्षद मनोज वर्मा, जोन अध्यक्ष एवं पार्षद अंबर अग्रवाल, जोन अध्यक्ष एवं पार्षद बद्री गुप्ता, पार्षद प्रमोद साहू, पूर्व ज़ोन अध्यक्ष अध्यक्ष सालिक सिंह ठाकुर, पूर्व पार्षद चंद्रपाल धनगर, सरिता वर्मा, पूर्व महामंत्री आशीष धनगर, राकेश यादव, भाजयुमो अध्यक्ष राज

गायकवाड, महामंत्री अमिर कोषे, उपाध्यक्ष सुधीर यादव, मनोज साहू, मंत्री कौशल श्रीवास, पुनीत देवांगन, कविता साहू, अविनाश देवांगन, राजेश प्रजापति, संजय धनगर, सुरेश शर्मा, चंदू साहू, कृष्ण देवांगन, शंकर धीवर, नितिन शर्मा, अभिमन्यु धनगर, मुकेश यदु, मनीष खरे, रोहित सिंह, श्लोक शर्मा, अजय वंशी, गुड्डू साहू, शांतनु सोनी, चंदन नायक, गोपी पटेल, ज्ञानेश्वर यदु, मलेंद्र यदु, हबीब अली, वीरेंद्र वर्मा, अभय अग्रवाल, प्रतीक देवांगन, धीरज धनगर, वीरेंद्र सिंह पाल, संतोष धनगर, बलराम पाल, दीपक धनगर, मालती धनगर, सीमा सिंह, नंदिनी साहू, गीता ठाकुर, पिंकी शर्मा, लता त्रिवेदी, अनीता जॉन, पिंकी निर्मलकर, भारत लाल जैन ,मोंटू साहू, भोले शंकर सोनकर, उत्तम पटेल, कमलेश साहू, राजू सोना समेत भाजपा पुरानी बस्ती मंडल के ऊर्जावान कार्यकर्तागण उपस्थित रहे

यात्रियों को भुवनेश्वर - एलटीटी एवं एलटीटी - संबलपुर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) यात्रियों की सुविधा के लिए 7 दिसंबर 2025 गाड़ी संख्या 08401को भुवनेश्वर से एलटीटी के लिए 23:00 बजे छूटेगी यह गाड़ी संबलपुर, टिटलागढ़ कांटाबाजी , महासमुंद होते हुए अगले दिन रायपुर स्टेशन पर 9:26 बजे, दुर्ग 10.16 बजे, नागपुर 14:04 बजे होते हुए अगले दिन 5:00 बजे एलटीटी (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) पहुंचेगी।

वापसी में यह गाड़ी संख्या 08402 एलटीटी (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) से संबलपुर के लिए दिनांक 9 दिसंबर 2025 को 6:30 बजे रवाना होगी। यह गाड़ी भुसावल,नागपुर गोंदिया होते हुए दुर्ग स्टेशन पर 01:40 बजे रायपुर स्टेशन पर 02:10 बजे, महासमुंद,कांटाबाजी के रास्ते होते हुए संबलपुर अगले दिन 8:00 बजे पहुंचेगी।

इसकी समय सारणी निम्न अनुसार है-

08401 BBS-LTT SPL	STATION	08402 LTT-SBP SPL
SUN-ARR/DEP		ARR/DEP
DEP-2300	BBS	--
2324/2329	CTC	--
0016/0018	DNKL	--
0120/0122	TLHD	--
0135/0137	ANGL	--
0320/0330	SBP	WED-ARR-0800
0402/0404	BRGA	0650/0652
0453/0458	BLGR	0600/0602
0545/0605	TIG	0455/0515
0622/0628	KBJ	0430/0432
0716/0718	KRAR	0350/0352
0751/0753	MSMD	0310/0312
THROPUGH	LAE	THROUGH
0926/0936	R	0210/0220
1016/1021	DURG	0140/0142
1154/1156	G	0010/0012
1404/1409	NGP	2155/2200
1632/1634	BD	1720/1722
1735/1737	AK	1600/1602
2009/2014	BSL	1328/1330
2256/2301	NK	0920/0922
0055/0057	IGP	0830/0832
0212/0218	KYN	0715/0717
TUE-ARR-0500	LTT	DEP-TUE-0630

``यात्रियों के लिए दुर्ग एवं हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन के मध्य स्पेशल ट्रेन की सुविधा``

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन दुर्ग एवं हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन के मध्य किया जा रहा है यह ट्रेन दुर्ग से गाड़ी संख्या 08760 तथा हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन से गाड़ी संख्या 08761 के साथ चलेगी । ये गाड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, उसलापुर, पेंडरा रोड, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी मुरवारा, दमोह, सागर, झाँसी, आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, पलवल स्टेशनों पर ठहरकर हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन तक जाएगी।

इस गाड़ी की विस्तृत समय सारणी इस प्रकार है -

(1) गाड़ी संख्या 08760 दुर्ग-हज़रत निज़ामुद्दीन स्पेशल ट्रेन 07 दिसंबर, 2025 को दुर्ग से 10.45 बजे रवाना होगी जो कि रायपुर स्टेशन आगमन 11.20 बजे, प्रस्थान 11.25 बजे, उसलापुर स्टेशन आगमन 13.20 बजे, प्रस्थान 13.30 बजे, पेंड्रा रोड स्टेशन आगमन 14.55 बजे प्रस्थान 14.57 बजे , अनूपपुर आगमन 15.35 बजे प्रस्थान 15.40 बजे, शहडोल स्टेशन आगमन 16.15 बजे प्रस्थान 16.17 बजे, उमरिया स्टेशन आगमन 17.09 बजे प्रस्थान 17.11 बजे, कटनी मुरवारा स्टेशन आगमन 18.40 बजे प्रस्थान 18.50 बजे ,दमोह स्टेशन आगमन 20.20 बजे प्रस्थान 20.22 बजे, सागर स्टेशन आगमन 21.25 बजे प्रस्थान 21.30 बजे , झाँसी स्टेशन आगमन 01.55 बजे प्रस्थान 02.05 बजे, आगरा कैंट स्टेशन आगमन 06.35 बजे प्रस्थान 06.40 बजे एवं हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन दिनांक 8 दिसंबर 2025 को 11.10 बजे पहुचेंगी । (2) गाड़ी संख्या 08761 हज़रत निज़ामुद्दीनङ्कदुर्ग पूजा स्पेशल ट्रेन दिनाँक 8 दिसंबर 2025 को हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन से 12.30 बजे रवाना होगी जो कि आगरा कैंट स्टेशन आगमन 15.40 बजे प्रस्थान 15.45 बजे, झाँसी स्टेशन आगमन 21.30 बजे प्रस्थान 21.40 बजे, सागर स्टेशन आगमन 02.10 बजे प्रस्थान 02.15 बजे, दमोह स्टेशन आगमन 03.25 बजे प्रस्थान 03.27 बजे, कटनी मुरवारा स्टेशन आगमन 06.10 बजे प्रस्थान 06.20 बजे, उमरिया स्टेशन आगमन 73.36 बजे प्रस्थान 07.38 बजे, शहडोल स्टेशन आगमन 08.35 बजे प्रस्थान 08.37 बजे, अनूपपुर आगमन 09.15 बजे प्रस्थान 09. 20 बजे, पेंड्रा रोड स्टेशन आगमन 09.57 बजे प्रस्थान 09.59 बजे, उसलापुर स्टेशन आगमन 11.50 बजे प्रस्थान 12.00 बजे, रायपुर स्टेशन आगमन 13.50 बजे, प्रस्थान 13.55 बजे एवं दुर्ग स्टेशन पर दिनांक 9 दिसंबर 2025 को 15.00 बजे पहुचेंगी ।

इस ट्रेन में विभिन्न श्रेणी के कुल 18 कोच की सुविधा उपलब्ध है ।

ब्रह्माकुमारी कमला दीदी की तीसरी पुण्यतिथि मनाई गई...

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनायी गई। शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आयोजित इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्थान के बाल कलाकारों ने कमला दीदी की जीवनगाथा और सेवाओं को नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत कर सभी को भावुक कर दिया। नृत्य नाटिका के संवाद, कहानी, नृत्य और गीत संगीत आदि सब कुछ अत्यन्त दर्शनीय और आकर्षक था। बच्चों ने बहुत ही सधे हुए अन्दाज में नृत्य नाटिका विजयपथ का मंचन कर कमला दीदी के जीवन वृत्तान्त को मंच पर जीवन्त कर दिया।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स ने रायपुर रेलवे स्टेशन को सर्वसुविधा युक्त बनाने पर दिया ज़ोर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के कुशल मार्गदर्शन में व्यापारिक हितों एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई । चेम्बर के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने आज रायपुर रेलवे स्टेशन के प्रमुख प्रबंधक माननीय आर.पी मंडल जी से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में डीआरयूसीसी रायपुर संभाग के सदस्य एवं चेम्बर के

उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन और जितेंद्र शादीजा शामिल थे। चेम्बर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन ने कहा, रेलवे स्टेशन शहर का प्रवेश द्वार होता है, और रायपुर स्टेशन का आधुनिकीकरण प्रदेश के व्यापार और अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। उपाध्यक्ष जितेंद्र शादीजा ने आश्वासन दिया कि, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स रेलवे के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि सभी व्यापारिक और लॉजिस्टिक समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

लोकेश चंद्रकांत जैन ने यह भी बताया कि विभिन्न सुझावों पर चर्चा कर उन्हें संकलित किया गया जिसे आगामी डीआरयूसीसी रायपुर संभाग के द्वितीय बैठक में प्रमुखता से रखे जायेंगे।

जनप्रतिनिधि सिर्फ योजनाएँ नहीं, समाज का भरोसा संभालते हैं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) जनप्रतिनिधि सिर्फ योजनाएँ लागू नहीं करते, वे समाज का भरोसा भी संभालते हैं। सही नैरेटिव स्पष्ट कम्युनिकेशन और प्रभावी मीडिया हैंडलिंग से ही विकास कार्यों का वास्तविक प्रभाव जनता तक पहुँचता है। यह महत्वपूर्ण वक्तव्य धरसीवा विधायक अनुज शर्मा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर में पंचायत विभाग के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए आयोजित एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान दिया। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे शर्मा ने आधुनिक राजनीति में सफल होने के लिए आवश्यक नैरेटिव बिल्डिंग और पब्लिक रिलेशनङ्कगवर्नमेंट मैसेजिंग के गुर सिखाए।

विधायक अनुज शर्मा ने कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि आज के दौर में किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि के लिए अपना सकारात्मक नैरेटिव तैयार करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित करना जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है कि जनता तक उनकी कहानी सही तरीके से पहुँचे। इसके लिए विकास कार्यों को सरल और सहज भाषा में प्रस्तुत करने तथा नकारात्मक वातावरण को सकारात्मक संवाद में बदलने की कला में पारंगत होना ज़रूरी है। बता दे कि प्रशिक्षण के दौरान, कठिन सवालों का सामना करने की तैयारी के लिए भूमिका-अभिनय तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे जनप्रतिनिधियों को संकट की स्थिति में भी संयमित और आत्मविश्वासपूर्ण उत्तर देने का अभ्यास कराया जा सके। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने गवर्नमेंट मैसेजिंग की सफलता के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सरकारी योजनाओं के संदेश को सही भाषा, सही प्लेटफ़ॉर्म और सही समय पर पहुँचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बेस्ट लोकेशन पर सृष्टि ग्रुप का अत्याधुनिक सुविधाओं सहित ग्रीनरी वाला प्रोजेक्ट

सृष्टि इम्पोरिया आधुनिक डिजाइन वाले फ्लैट्स का अनोखा आकर्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी) बेस्ट प्रापर्टी की पहचान है संसार बिल्डकॉन, हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग खूबियां रही हैं। इसीलिए लोगों ने हाथों हाथ खरीदा। जो बताया वहीं बनाया और सबसे बड़ी बात अपने निर्धारित समय पर पजेशन भी दिया। सृष्टि ग्रुप के छठवें प्रोजेक्ट सृष्टि इम्पीरिया की काफी चर्चित रही है जो कि 14 एकड़ बना हुआ है। सृष्टि इम्पीरिया के फ्लैट्स का डिज़ाइन इस तरह तैयार किया गया है कि नैचुरल लाइट सीधी फ्लैट के अंदर तक पहुँचती है, जिससे प्रत्येक यूनिट में खुलापन और ताजगी का एहसास बना रहता है। फ्लैट्स की बनावट बंगलो जैसी

फीलिंग देती है और इन्हें पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाया गया है।प्रोजेक्ट में डिजिटल लॉक, मॉडर्न सुरक्षा व्यवस्थाएँ, और सभी हाई-क्लास सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। फ्लैट्स का स्ट्रक्चर वर्क लगभग पूरा हो चुका है। कॉलोनी में एक ही बिल्डिंग होने से चारों तरफ से खुला माहौल मिलता है, जो रहने के अनुभव को और बेहतर बनाता है। मॉडल फ्लैट भी तैयार किया जा चुका है।इसी वजह से प्रॉपर्टी बायर्स इस प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी दिखा रहे हैं, क्योंकि इसकी आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिज़ाइन को बेहद आकर्षक और संतुलित ढंग से तैयार किया गया है। सृष्टि इम्पीरिया शंकरनगर इलाके के बेस्ट लोकेशन पर स्थित है यह प्रोजेक्ट। आवागमन के दृष्टिकोण से और भी शानदार है। यहां अलग-अलग साइज के प्लाट्स व बंगले फ्लेट, शॉप एवं आफिस एवं उपलब्ध हैं। सृष्टि इम्पीरिया में वह सारी सुविधाएं उपलब्ध है जो कि एक मेट्रो सिटी के आवासीय प्रोजेक्ट में चाहिए। इसकी पूरी बनावट व बसाहट फ्यूचर को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। आज लोग कम्यूनिटी लिविंग वाले सुरक्षित व ग्रीनरी इलाके में स्वास्थ्य के अनुकूल माहौल देने वाला आवासीय प्रोजेक्ट चाहते हैं और यह सारी खूबियां सृष्टि इम्पीरिया में उन्हे मिलेगी।

सृष्टि ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर सतेन्द्र अग्रवाल और डायरेक्टर नवनीत अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि सृष्टि इम्पीरिया प्रोजेक्ट में ग्रीनरी का सबसे ज्यादा ध्यान रखा गया है। खुली हवा के बीच हरियाली आपको पूरी तरह से सुकून देगा। प्रवेश द्वार पर ही खुबसूरत झरने से स्वागत होगा। पूरी कालोनी सुरक्षा घेरे में हैं, सिक्योरिटी चेकिंग के बाद ही कालोनी में प्रवेश मिलेगा। प्रोजेक्ट के भीतर मुख्य मार्ग पर दोनों तरफगार्डन, झरना, जेन गार्डन, गजीबो भी काफी सुंदर ढंग से तैयार किए गए हैं जो यहां के रहवासियों को सुखद अनुभूति देगा। क्लब हाउस, जिम, पूल टेबल, स्कैवश, मल्टीपरपस हाल, स्वीमिंग पूल विशेष तौर पर तैयार किए गए हैं। इन सबकी इंटीरियर ऐसे किया गया जो आपको आनंदित करेगा। कालोनी में ओपन जिम, बैडमिंटन पोल, लॉन टेनिस कोर्ट, नेटेड क्रिकेट पिच, बास्केटबाल, जागिंग ट्रैक, प्रे एरिया, ओपन एम्फीथिएटर, बच्चों का प्ले एरिया भी है। आर्किटेक्चर प्लानिंग के साथ हरियाली व सुरक्षा का पूरा ध्यान दिया जाता है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 08 दिसम्बर 2025

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था।

बंगाल की मुस्लिम राजनीति पर हुमायूं कबीर का प्रहार

बंगाल में लंबे समय से मुस्लिम वोट काफी हद तक एकजुट होकर टीएमसी को मिलता रहा है, जिससे पार्टी को एक मजबूत चुनावी आधार हासिल था। लेकिन कबीर का यह कदम इस एकजुटता को चुनौती दे सकता है। मुस्लिम वोट का आंशिक कटाव भी उन जिलों में निर्णायक प्रभाव डाल सकता है, जहाँ सीटें बेहद कम अंतर से तय होती हैंमुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर व दक्षिण 24 परगना जैसे जिले इसके केंद्र बन सकते हैं। इस प्रकार यह घटना मुस्लिम समाज के भीतर एक आंतरिक ध्रुवीकरण को जन्म देती है एक ओर वे जो पहचान के सवाल को प्राथमिक मानते हैं और दूसरी ओर वे जो मानते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर इसका नकारात्मक असर मुसलमानों को और अधिक असुरक्षित बनाता है।

महेन्द्र तिवारी।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 6 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमांयू कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी। यह सिर्फ एक धार्मिक ढांचे का निर्माण नहीं, बल्कि कई स्तरों पर पहचान, भावनाओं और सत्ता-राजनीति के प्रतीकों को एक साथ सक्रिय करने वाला क्षण है। जिस तारीख को बाबरी विध्वंस हुआ था, उस दिन यह कार्यक्रम आयोजित करना और बाहरी धर्मगुरुओं तथा हजारों की भीड़ को जुटाना इसे महज स्थानीय आयोजन के दायरे से बाहर ले जाता है। यह एक खुला राजनीतिक संकेत है कि बंगाल का अल्पसंख्यक परिदृश्य अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है जहाँ धार्मिक पहचान और राजनीतिक महत्वाकांक्षा एक-दूसरे का पूरक बनकर उभर रही हैं। टीएमसी ने मस्जिद-निर्माण को लेकर फैले तेज राजनीतिक संकेतों को भाँपते हुए कबीर को 4 दिसंबर को ही निलंबित कर दिया, ताकि उसके ऊपर लगने वाले 'तुष्टिकरण 'के आरोपों को कम किया जा सके। पार्टीकातर्क है कि मस्जिद बनाना किसी व्यक्तिया समूह का अधिकार है, लेकिन बाबरी से जुड़ा नामकरण और तारीख का चयन ऐसी अनावश्यक उत्तेजना है जो बंगाल की दशकों पुरानी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक धारा को मुश्किल में डाल देता है। टीएमसी को यह भी भली-भाँति पता है कि भाजपा इस प्रतीकात्मक राजनीति का उपयोग एक व्यापक नैरेटिव बनाने में करेगी कि राज्य सरकार का रवैया वर्षों से इस तरह के कदमों को प्रोत्साहन देता रहा है। निलंबन इसलिए पार्टी की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया थी, ताकि वह आधिकारिक रूप से खुद को इस पूरे आयोजन से अलग दिखा सके और यह संदेश दे कि यह उसका एजेंडा नहीं है। लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है, क्योंकि यही कार्रवाई मुस्लिम समाज के भीतर एक संदेह भी पैदा कर सकती है कि पार्टी अब उन मुद्दों से दूरी बनाने लगी है जिन्हें एक बड़ा वर्ग 'सम्मान 'और 'हक़ 'केसवाल से जोड़कर देखता है।

हुमायूं कबीर जिस तरह इस मस्जिद को मुसलमानों की 'इज़्ज़तकी लड़ाई 'बतारहेहैं, वह इस पूरे घटनाक्रम को धार्मिक पहचान से सीधे जोड़ देता है। उनका यह दावा कि 25 बीघा जमीन पर मस्जिद के साथ अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, होटल और हेलिपैड भी बनेगा, इसे एक विशाल सामुदायिक-राजनीतिक परियोजना का रूप देता है। 22 दिसंबर को नया दल बनाने और लगभग 130-135 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की उनकी घोषणा यह साफ़ करती है कि यह केवल धार्मिक आस्था या भावनाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि एक नया, अलग मुस्लिम वोट-बैंक खड़ा करने की महत्वाकांक्षा है। यह बंगाल के राजनीतिक मानचित्र में मुस्लिम राजनीति के भीतर एक नए प्रतिस्पर्धी मॉडल का उदय है, जो पहली बार इतनी स्पष्टता से सामने आया है।

कांग्रेस और कई स्थानीय मुस्लिम नेताओं ने इसी आशंका का इज़हार किया है कि मस्जिद को 'बाबरी 'के प्रतीक से जोड़ना एक बड़ा राजनीतिक-धार्मिक उबाल पैदा करेगा, जिसके परिणाम व्यापक होंगे और जिनका बोझ छोटे इलाकों के आम मुसलमानों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना पड़ेगा। भाजपा इस समय को एक अवसर के रूप में देख रही है। उसके लिए यह एक राजनीतिक स्वर्ण-क्षण है जहाँ वह मुस्लिम पहचान-आधारित लामबंदी को

टीएमसी के दीर्घकालीन 'तुष्टिकरण' के परिणाम के रूप में पेशकर सकती है।भाजपा का संदेश बहुत सीधा और चुनावी दृष्टि से प्रभावी है कि यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई, बल्कि राज्य सरकार के वर्षों तक की गई नीतियों और रुख ने ऐसे अवसरों को जन्म दिया है। भले ही टीएमसी ने अब कबीर को बाहर का रास्ता दिखा दिया हो, लेकिन भाजपा जिस तरह इस पूरे प्रकरण को टीएमसी की राजनीतिक विरासत से जोड़ रही है, वह चुनावी मानस को लगातार प्रभावित करेगा।

इस परिदृश्य का सबसे संवेदनशील पहलू कानून-व्यवस्था है। हाई कोर्ट ने कार्यक्रम को रोकने से इंकार करते हुए राज्य सरकार को पूरी जिम्मेदारी सौंपी। इसका सीधा अर्थ है कि आने वाले महीनों में इस स्थल से जुड़ा कोई भी तनावचाहे प्रशासनिक चूक हो या सामाजिक तनावसीधे सरकार की जवाबदेही का प्रश्न बनेगा। चुनावी समय में यह सबसे जोखिमभरा क्षेत्र है, क्योंकि किसी भी छोटे विवाद को राजनीतिक विमर्श में बड़े संकट के रूप में पेश किया जा सकता है। इन समग्र परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट है कि यह घटना महज़ एक धार्मिक ढांचे की नींव रखने की नहीं है। यह बंगाल के 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए एक 'ट्रिगरइवेंट 'बनचुकीहै, जिसने एक साथ तीन प्रमुख प्रवृत्तियों को उजागर कर दिया है: मुस्लिम राजनीति का संभावित विखंडन, ममता बनर्जी के लिए दोतरफ़ा दबावजहाँ उन्हें भाजपा के आरोपों को निष्प्रभावी रखना है और साथ ही मुस्लिम वोट को भी अपने से दूर नहीं जाने देना हैऔर भाजपा के लिए ध्रुवीकरण आधारित एक नए शक्तिशाली राजनीतिक नैरेटिव का उभार। इन तीनों का सम्मिलित प्रभाव यह सुनिश्चित करता है कि आने वाले महीनों में बंगाल की राजनीति सिर्फ विकास, योजनाओं या प्रशासनिक बहसों तक सीमित नहीं रहेगी। पहचान और भावनात्मक इतिहास से जुड़े सवाल इस चुनाव का केंद्र बनने जा रहे हैं। यह घटना, भले ही प्रतीकात्मक दिखती हो, लेकिन इसके राजनीतिक परिणाम बेहद ठोस और दूरगामी होंगे।

जल-सुरक्षा में जनता की शक्ति : नया भारत, नई संस्कृति!

सोनम लववंशी।

नींव केवल ईंट-गारे से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और राजनीतिक संकल्प से बनती है, तभी वह भविष्य को वहन करने योग्य होती है। मोदी सरकार का सुजलम भारत विजन ऐसा ही एक राष्ट्रीय प्रयत्न है। जहाँ पानी का प्रवाह केवल पाइपों में नहीं, बल्कि नीतियों, प्राथमिकताओं और जनचेतना में बदलता दिखाई देता है। यह वह समय है जब भारत पानी को सिर्फ एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान, स्वास्थ्य, समानता और समृद्धि की साझा धरोहर के रूप में देखना शुरू कर चुका है। भारत मंडपम में 2025 के सुजलम भारत शिखर सम्मेलन ने इस सोच को और स्पष्ट किया। मोदी सरकार के इन प्रयासों की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यह जल को विकास की धुरी से जोड़ता है, न कि महज़ भौतिक सुविधा के रूप में। उदाहरण के लिए, जल जीवन मिशन ने 2019 में जहाँ ग्रामीण घरों में मात्र 3.23 करोड़ परिवारों को ही नल-जल उपलब्ध था, वहीं 2025 तक यह संख्या बढ़कर 15 करोड़ से अधिक हो गया। यह परिवर्तन किसी एक प्रशासनिक आदेश से नहीं, लाखों किलोमीटर पाइप बिछाने, हजारों जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने तथा समुदायों के साथ सक्रिय भागीदारी से संभव हुआ। आँकड़े सिर्फ उपलब्धि नहीं हैं। वे ग्रामीण जीवन की दिशा बदलने का प्रमाण हैं, लेकिन बात केवल संख्या की नहीं है। इस बदलाव का सामाजिक अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। जब एक ग्रामीण परिवार के आँगन में नल से पानी बहता है, तो सबसे पहले मुक्त होती है महिला, जो दशकों से पानी लाने का बोझ

देश जिस तीव्र गति से शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार, भू-जल दोहन और जलवायु अनिश्चितताओं से जूझ रहा है, वह केवल तकनीकी समाधान से नहीं सुलझ सकता। इसे सुलझाने के लिए समाज को, सरकार को और समुदायों को एक साझा भविष्य पर सहमत होना पड़ता है। यही कारण है कि यह शिखर सम्मेलन किसी औपचारिक सरकारी आयोजन की तरह नहीं, जल सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय संकल्प जैसा प्रतीत हुआ।

ढोती रही। जल तक पहुंच, महिलाओं के समय, श्रम, सुरक्षा और अवसरों को दोगुना करती है। यह किसी कल्याणकारी योजना का हिस्सा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम है। बच्चे अधिक समय स्कूल में बिताते हैं, खेतों में फसल चक्रीकरण के नए अवसर खुलते हैं, परिवारों में स्वास्थ्य जोखिम कम होते हैं यानी पानी केवल सुविधा नहीं, परिवर्तन का इंजन है। यही दृष्टि नमामि गंगे कार्यक्रम में भी दिखाई देती है। नदी मात्र जलधारा नहीं, एक पारिस्थितिक और सांस्कृतिक इकाई है। गंगा से लेकर देश की अन्य नदियों तक, यह सरकार पहली बार जल की गुणवत्ता, प्रदूषण नियंत्रण और नदी-आधारित विकास को एकीकृत करने का प्रयास कर रही है। यह सोच बताती है कि भारत अपने जल-संस्कृति को केवल पूजनीय परंपरा नहीं, बल्कि जीवंत पारिस्थितिकी के रूप में पुनर्स्थापित कर रहा है। जल शक्ति अभियान, 'कैच द रेन' पहल और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए चार आर रिड्यूस, रीयूज, रीसाईकल, रिचार्ज आधुनिक भारत के जल प्रबंधन का नया व्याकरण हैं। यह व्याकरण समाज के हर वर्ग को, हर औद्योगिक इकाई को और हर स्थानीय निकाय को यह याद दिलाता है कि पानी कोई शाश्वत संसाधन नहीं। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का दर्पण है। केवल कम उपयोग या पुनर्उपयोग से ही भविष्य सुरक्षित नहीं होगा; हमें जल को पुनर्भरण योग्य बनाना होगा, ताकि हर बूंद कल की तरफ एक निवेश हो सके। सुजलम भारत विशन का सबसे गहरा संदेश यही है कि जल प्रबंधन किसी एक मंत्रालय की सीमित जिम्मेदारी नहीं। यह राष्ट्रीय चरित्र, सामाजिक दायित्व, स्थानीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का सम्मिलित परिणाम है। यही कारण है कि इस दृष्टि में जल संरक्षण तकनीक के साथ-साथ उन पारंपरिक भारतीय बुद्धियों को भी स्थान दिया गया है जिन्होंने सदियों तक जल का संतुलन बनाए रखा। आज जब विज्ञान सेंसर-आधारित वितरण प्रणाली, भू-जल मैपिंग, और ड्रोन सर्वेक्षण दे रहा है, वहीं समुदाय श्रमदान, परंपरागत जल संरचनाएँ और स्थानीय जल-ज्ञान जोड़कर एक स्थायी भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। मोदी सरकार जिस 'बेहतर कल' की बात करती है, वह केवल नए जलस्रोतों या नई पाइपलाइनों पर आधारित नहीं है; वह नागरिकों के मन में जल के प्रति नई संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी के भाव पर आधारित है।

साइबर ठगी के नए मायाजाल पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त चेतावनी

कांतिलाल मांडोत।

डिजिटल युग की तेजी से बदलती दुनिया में भारत जिस रफ्तार से तकनीक को आत्मसात कर रहा है, उसी गति से अपराधियों ने भी अपने मंसूबों को नया रूप दे दिया है। इंटरनेट बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट और मोबाइल आधारित सेवाओं ने जहां जनजीवन को सरल बनाया है, वहीं इसी सुविधा का दुरुपयोग करते हुए साइबर अपराधी अब ऐसे तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं जिनमें आम नागरिक को यह समझ ही नहीं आता कि वह कब जाल में फंस गया। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह मुद्दा तब गंभीर रूप से उभरा जब अक्टूबर में स्वत: संज्ञान लिए गए इस मामले में गतिशील सुनवाई शुरू हुई और सामने आया कि डिजिटल अरेस्ट जैसे स्कैम में भारतीयों से तीन हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की ठगी हो चुकी है। यह आंकड़ा सिर्फ आर्थिक नुकसान का नहीं, बल्कि उस भरोसे के टूटने का भी है जो आम नागरिक देश की साइबर सुरक्षा प्रणाली से रखता है। डिजिटल अरेस्ट स्कैम का तरीका बेहद खतरनाक और मनोवैज्ञानिक दबाव से भरा होता है। इसमें पीड़ित के मोबाइल पर किसी सरकारी अधिकारी, पुलिस,'सीबीआई,ईडी या अदालत के नाम से कॉल आता है। कॉलर द्वारा दावा किया जाता है कि पीड़ित किसी अपराध में शामिल है और उसकी तुरंत डिजिटल गिरफ्तारी की जा रही है। इसके बाद उससे कहा जाता है कि वह अपने मोबाइल का कैमरा चालू रखे, किसी कमरे में बंद हो जाए और किसी से बात न करे। अपराधी इस दौरान पीड़ित पर डर, तनाव और शर्मिंदगी का इतना दबाव बना देते हैं कि वह बिना समझे अपने पैसे उनके खातों में भेज देता है। यह पूरा

हाल के महीनों में सबसे भयावह रूप में उभरा डिजिटल अरेस्ट स्कैम न केवल लोगों की कमाई को चूस रहा है, बल्कि नागरिकों के भीतर कानून, सुरक्षा व्यवस्था और डिजिटल तंत्र के प्रति भय भी पैदा कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी बढ़ते खतरे पर गहरी चिंता जताते हुए इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया है और केंद्र सरकार से इस खतरे की जड़ों तक पहुँचने और इसे खत्म करने का हरसंभव उपाय करने के निर्देश दिए हैं।

घटनाक्रम न केवल अपराधियों की मानसिक तकनीकों को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि किस तरह बुजुर्ग और अकेले रहने वाले नागरिक ऐसे मामलों में आसानी से निशाना बन जाते हैं। 2025 में ही साइबर ठगी की 1.23 लाख शिकायतें दर्ज होना यह संकेत है कि साइबर अपराध अब सीमित दायरे की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक राष्ट्रीय चुनौती का रूप ले चुकी है। इनमें से 17,718 मामले केवल डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े पाए गए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन ठगी मामलों में सबसे ज्यादा निशाना 60 वर्ष से ऊपर के नागरिक बने हैं। आंकड़े बता रहे हैं कि लगभग 82 प्रतिशत पीड़ित बुजुर्ग वर्ग से संबंधित हैं, जिनमें से अधिकांश तकनीक के उपयोग में अपेक्षाकृत कम सहज होते हैं और डिजिटल धमकियों या सरकारी नाम के पीछे छिपी धूर्तता को तुरंत समझ नहीं पाते। युवाओं को लेकर चल रहे साइबर जागरूकता अभियानों के बीच यह वर्ग अभी भी सुरक्षा कवच से बुरी तरह वंचित दिखाई देता है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ,जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची शामिल हैं ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई भी नियम भारतीय कानून में अस्तित्व ही नहीं रखता। किसी व्यक्ति को केवल डिजिटल माध्यम से, वह भी बिना किसी विधिक प्रक्रिया के, अरेस्ट करना तो दूर, उसकी गतिविधियों को नियंत्रित करने का अधिकार भी किसी एजेंसी को नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि जिस तरह से अपराधी सरकारी एजेंसियों का नाम लेकर आम जनता को भयभीत कर रहे हैं, वह स्थिति अत्यंत गंभीर है और केंद्र सरकार को दूरसंचार विभाग, गृह मंत्रालय, वित्तीय क्षेत्र नियामकों और आईटी कंपनियों की संयुक्त जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अकेला देश नहीं है जो इस तरह के फिशिंग और धोखाधड़ी नेटवर्क का शिकार हो रहा है। म्यांमार, कम्बोडिया और लाओस जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में मौजूद साइबर ठगी के बड़े गिरोह इस तरह के अपराधों के प्रमुख स्रोत हैं। 2024 में दर्ज मामलों के विश्लेषण से पता चला कि लगभग 46 प्रतिशत डिजिटल ठगी और डिजिटल अरेस्ट स्कैम की कड़ियाँ इन देशों से जुड़ी हुई थीं। ये देश साइबर अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकानों की तरह काम कर रहे हैं जहाँ से वे कॉल सेंटर, सोशल इंजीनियरिंग नेटवर्क और डिजिटल पेमेंट पाइपलाइन के माध्यम से अपने नेटवर्क को संचालित करते हैं।

बॉलीवुड समाचार

फिर छोटे पर्दे पर धूम मचा रही हैं स्मृति ईरानी

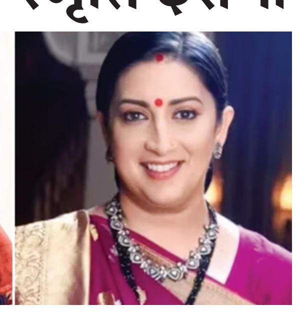

छोटे परदे की अभिनेत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी फिर से छोटे पर्दे पर धूम मचा रही हैं। स्मृति ईरानी के लोकप्रिय शो का दूसरा सीजन 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2' ऑन एयर हो चुका है। शो की सफलता के साथ-साथ स्मृति ईरानी की पारंपरिक साड़ियों का अंदाज भी चर्चा में है, जिसने दर्शकों और फैशन प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया है। इन खूबसूरत और पारंपरिक साड़ियों के पीछे हैं प्रसिद्ध डिजाइनर गौरांग शाह, जिन्हें स्मृति ईरानी ने सोशल मीडिया पर दिल से धन्यवाद दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर गौरांग शाह का पोस्टर रिपोस्ट करते हुए लिखा 'आपकी कला विरासत के प्रति देखभाल और सम्मान के साथ धागों को जीवंत करती है, गौरांग शाह। सपोर्ट के लिए धन्यवाद।' उनकी यह पोस्ट साफ जताती है कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2' में गौरांग द्वारा डिजाइन की गई पारंपरिक साड़ियों का उपयोग हो रहा है। गौरांग शाह भारतीय वस्त्र कला की दुनिया में एक बेहद बड़ा नाम हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी खास पहचान रखते हैं। वे खासतौर पर पारंपरिक भारतीय बुनाई और हैंडलूम कला के प्रोत्साहन के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्ध जामदानी बुनाई की साड़ियां क्लासी और बेहद मेहनत से तैयार की जाती हैं, जिनका जादू बॉलीवुड से लेकर वैश्विक रैंप तक देखने को मिलता है। सोनम कपूर, तापसी पन्नू, राधिका आप्टे और शिल्पा शेट्टी जैसे सितारे उनके डिजाइनों को पसंद करते हैं। डिजाइनर आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम के आसपास के गांवों में आज भी हथकरघा कला को जिंदा रखने का काम कर रहे हैं। यहां पारंपरिक तरीके से हाथ से धागे तैयार किए जाते हैं और कपड़े बुने जाते हैं।

'मस्ती 4' में अपनी छवि को लेकर था डर : एलनाज नोरोजी

भारतीय मनोरंजन जगत में फिल्मों व वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया पहले से कहीं अधिक विभाजित दिखाई देती है। ऐसे माहौल में जब कोई अभिनेता या अभिनेत्री एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में काम करने का निर्णय लेता है, तो यह उनके करियर के लिए एक बड़ा और जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। इसी तरह की स्थिति का सामना अभिनेत्री एलनाज नोरौजी को तब करना पड़ा, जब उन्हें 'मस्ती 4' जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का प्रस्ताव मिला। एक खास बातचीत में एलनाज नोरौजी ने बताया कि शुरुआत में वे इस फिल्म के लिए उत्साहित कम और आशंकित ज्यादा थीं। उन्होंने कहा कि आज की ऑडियंस बोल्ड कॉमेडी को

लेकर बहुत संवेदनशील हो चुकी है और इस तरह की फिल्मों पर लोगों की प्रतिक्रिया काफी तेज़ और कभी-कभी नकारात्मक भी होती है। उनके अनुसार कलाकार पर इस बात का बड़ा दबाव होता है कि ऐसे किरदार से उनकी छवि पर क्या प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें भी डर था कि कहीं 'मस्ती 4' में काम करने से उनके बारे में गलत धारणा न बन जाए। हालांकि, जैसे-जैसे उन्होंने फिल्म की कहानी पढ़ी और उसके कॉन्सेप्ट को समझा, उनका नजरिया धीरे-धीरे बदलता गया। एलनाज ने कहा कि 'मस्ती 4' केवल चुटकुलों और हल्की-फुल्की मजाकिया स्थितियों पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि इसमें नए तत्व और अलग अंदाज का मनोरंजन जोड़ा गया है। उनके मुताबिक, फिल्म पहले के पार्ट्स की तुलना में अधिक आधुनिक और परिपक्व प्रस्तुति की कोशिश करती है। इसी वजह से उन्होंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का निर्णय लिया। उनका कहना है कि इस फिल्म ने उन्हें अपने अभिनय के एक नए पहलू को दर्शकों के सामने लाने का मौका दिया। उन्होंने बताया कि वे हमेशा चाहती हैं कि दर्शक उन्हें केवल एक ही प्रकार के रोल में न देखें और उनकी एक्टिंग रेंज को समझें। 'मस्ती 4' में बिंदिया का किरदार उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है।

यही वजह है कि उन्होंने अपनी प्रारंभिक झिझक के बावजूद इसे स्वीकार किया। 'मस्ती 4' एक एडल्ट-कॉमेडी फिल्म है, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने निर्देशित किया है और यह सुपरहिट 'मस्ती' फ्रैंचाइज़ी का चौथा भाग है। फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी एक बार फिर मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 'धुरंधर' का बवंडर, 2 दिन में 50 करोड़ पार

बॉक्स ऑफिस पर फिलहाल एक ही नाम गूंज रहा है 'धुरंधर'। रणवीर सिंह की ये मेगा-मसाला एंटरटेनर रिलीज होते ही सिनेमाघरों में ऐसा बवंडर लेकर आई कि 2 दिन में ही कमाई आसमान छू गई। रणवीर के गुस्से, स्टाइल और जोरदार एक्शन ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि रणवीर अपने धांसू अवतार के साथ पर्दे पर लौट आए हैं। धमाकेदार ओपनिंग लेने के बाद दूसरे दिन भी फिल्म ने कमाल कर दिया है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन 31 करोड़ की कमाई की है और इसी के साथ इसने भारत में 58 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। धुरंधर ने पहले दिन 27 करोड़ कमाए थे। ये रणवीर के करियर की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर उभरी है। फिल्म देखने के लिए बड़ी तादाद में लोग सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। इसकी कमाई इस बात की गवाही है कि फिल्म लोगों को पसंद आ रही है।

100 करोड़ की ओर 'धुरंधर' : आदित्य धर इस फिल्म के निर्देशक हैं और उनकी इस फिल्म ने रिलीज के साथ ही धमाल मचा दिया है। फिल्म ने 2 दिन में 50 करोड़ क्लब में एंट्री कर ली है। इसी हिसाब से फिल्म कमाई करती रही

तो जल्द ही 100 करोड़ क्लब में एंट्री ले लेगी। इसका बजट 280 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त, अक्षय खन्ना और अभिनेत्री सारा अर्जुन ने भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाई है।

आदित्य ने इससे पहले 'उरी' से किया था धमाका : बता दें कि आदित्य को 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। 'उरी' में विक्की कौशल लीड रोल में थे। फिल्म ने रिकॉर्डतोड़ कमाई की थी। इसके अलावा आदित्य ने 'आर्टिकल 370' का निर्माण किया था। इस फिल्म में उनकी पत्नी और अभिनेत्री यामी गौतम नजर आई थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ने उनकी इस फिल्म की सराहना की थी। 20 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने 110 करोड़ रुपये कमाए थे।

'धुरंधर' के सामने 100 करोड़ी बनने जा रही 'तेरे इश्क में' : सिनेमाघरों में इन दिनों फिल्म 'तेरे इश्क में' भी लगी है, जिसमें धनुष और कृति सैनन लीड रोल में हैं। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 9वें दिन 5.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया और इसी के साथ इसने देशभर में 92.90 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। 85 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म अब मुनाफे की ओर है और 'धुरंधर' के सामने भी सीना ताने खड़ी है।

प्रतिदिन राजधानी

https://epaper.pratidinrajdhani.in

आईडीटीआर के संचालन, प्रशिक्षण व्यवस्था, ऑटोमोबाइल लैब और वाहन सिमुलेटर के माध्यम से दिए जा रहे प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने आईडीटीआर का किया निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने आज नवा रायपुर स्थित आईडीटीआर (इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च) तेंदुआ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिवहन सचिव एस. प्रकाश, संयुक्त परिवहन आयुक्त यू.बी.एस. चौहान और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री कश्यप को आईडीटीआर के संचालन, प्रशिक्षण व्यवस्था, ऑटोमोबाइल लैब और वाहन सिमुलेटर के माध्यम से दिए जा रहे प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने क्लासरूम एवं लैब प्रशिक्षण के साथ ही ड्राइविंग ई-ट्रैक में चालकों के कौशल परीक्षण की प्रक्रिया का भी अवलोकन कराया। इस दौरान मोटरसाइकिल और भारी वाहनों के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट का प्रदर्शन किया गया।

मंत्री कश्यप ने राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षण के लिए आए वाहन चालकों से चर्चा की। चालकों ने बताया कि यहां उन्हें वाहन संचालन के साथ-साथ बुनियादी तकनीकी ज्ञान, ड्राइविंग कौशल में सुधार और मोटरयान अधिनियम एवं नियमों की महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है।

मंत्री ने परिवहन अधिकारियों को निर्देशित किया कि रायपुर और आसपास के जिलों के अधिक से अधिक वाहन चालकों को प्रशिक्षण और रिफ्रेशर कोर्स के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि मोटरयान अधिनियम के उल्लंघन के कारण जिन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जा रहे हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से आईडीटीआर में प्रशिक्षण दिलाया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इसके साथ ही कश्यप ने स्कूल बस चालकों के नियमित प्रशिक्षण और रिफ्रेशर कोर्स को अनिवार्य रूप से निरंतर संचालित करने के निर्देश दिए।

मंत्री कश्यप ने आगे कहा कि राज्य शासन के विभिन्न विभागों में ड्राइवर भर्ती प्रक्रिया के दौरान ड्राइविंग परीक्षण आईडीटीआर के माध्यम से कराए जाएं, ताकि उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग करते हुए कुशल वाहन चालकों का चयन सुनिश्चित किया जा सके।

डॉ. भीम राव अम्बेडकर का पुण्यतिथि पर सुनील सोनी सहित अध्यक्ष अमर गिदवानी, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं ने किया सादर नमन

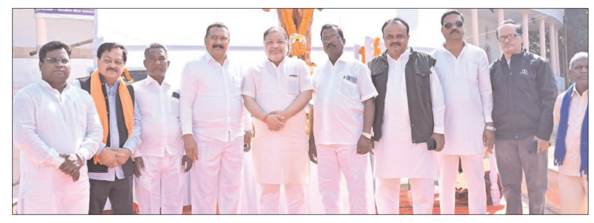

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ बी. आर. अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर राजधानी शहर रायपुर के जी. ई. मार्ग के किनारे जिलाधीश कार्यालय रायपुर के सामने स्थित उनके प्रतिमा स्थल के समक्ष उन्हें सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 4 के सहयोग से संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन रखा गया. रायपुर नगर पालिक निगम के तत्वावधान में रखे गए संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर प्रमुख रूप से रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन किया. नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, रायपुर नगर निगम के पूर्व पार्षद सुनील वान्द्रे, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि प्रकाश रामटेके, सामाजिक कार्यकर्त्ता भोजराज गौरखेड़े, अनूप खेलकर, रतन डोंगरे सहित भारतीय बौद्ध महासभा जिला रायपुर के पदाधिकारियों सहित राजधानी शहर रायपुर के गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों, बच्चों ने बड़ी संख्या में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ बी. आर. अम्बेडकर का पुण्यतिथि पर उनके प्रतिमा स्थल के समक्ष पहुंचकर सादर नमन किया.

नगर निगम द्वारा 25 से अधिक सार्वजनिक स्थानों पर शीतलहर से सुरक्षा और त्वरित राहत दिलवाने अलाव जलाने की दी जा रही नियमित व्यबस्था

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश की राजधानी रायपुर शहर में शीतलहर से आमजनों को सुरक्षा और त्वरित राहत देने नगर निगम के जोन के माध्यम से विभिन्न लगभग 25 से अधिक सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था दी जा रही है. रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से महादेवघाट रायपुरा और महोबा बाजार, चंगोराभाठा बाजार, ब्रम्हदेईपारा,शिक्षक कॉलोनी डंगनिया, खमतराई चौक के पास, जयस्तम्भ चौक के पास, कलेक्टर ऑफिस के सामने डॉ भीम राव अम्बेडकर चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम, मोतीबाग, डंगनिया पानी टंकी स्कूल के समीप, शंकर नगर चौपाटी, तेलीबाँधा तालाब मरीन ड्राइव, अंतर राज्यीय बस स्टैण्ड भाठागांव,नगर निगम जोन 9 कार्यालय परिसर के समीप मोवा और अन्य विभिन्न मुख्य सार्वजनिक स्थानों में आम जनों को शीतलहर से रायपुर शहर क्षेत्र में सुरक्षा और त्वरित राहत देने सार्वजनिक अलाव जलाने की व्यवस्था दी गयी है. शीतलहर की सम्पूर्ण अवधि के दौरान आमजनों को राहत देने जोन कार्यालयों के माध्यम से प्रतिदिन नियमित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की व्यवस्था दी जा रही है.

मंत्री गजेंद्र यादव ने उरला रेलवे फाटक तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने दुर्ग विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ओम परिसर से उरला रेलवे फाटक तक तथा परेतिन चौक से उरला रेलवे फाटक तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ स्थल निरीक्षण किया।

शहर में निरंतर बढ़ रहे यातायात दबाव को नियंत्रित कर आवागमन को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 10 एवं 12 को जोड़ने हेतु प्रस्तावित एप्रोच रोड के निर्माण का भौतिक निरीक्षण एवं तकनीकी आकलन किया गया। मौके पर सभी संभावित पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक कार्ययोजना तैयार की गई तथा अनुमानित लागत (इस्टीमेट) बनाकर इसे आगामी बजट में सम्मिलित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शिवेन्द्र, पार्षद नरेन्द्र बंजारे, ज्ञानेश ताम्रकार, शेखर चंद्राकर, अजीत वैद्य, युवराज कुंजाम, कमल देवांगन, गोविन्द देवांगन, रेशमा सोनकर, मंडल अध्यक्ष बंटी चौहान, कमलेश फेकर, दिनेश देवांगन, अमित पटेल और महेश देवांगन उपस्थित रहे।

राहुल भारद्वाज ने विधायक गुरुखुशवंत साहेब से सौजन्य मुलाक़ात की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

गुरु घासीदास बाबा जी की जयंती पर 18 दिसंबर को भव्य शोभायात्रा, राहुल भारद्वाज ने की तैयारियों पर चर्चा

छत्तीसगढ़। सतनामी समाज छत्तीसगढ़ युवा प्रकोष्ठ के जिला महामंत्री एवं भाजपा युवा मोर्चा के युवा नेता राहुल भारद्वाज ने छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं आरंग विधायक गुरुखुशवंत साहेब से सौजन्य मुलाक़ात की। मुलाक़ात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जिसमें सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुलाक़ात के दौरान राहुल भारद्वाज ने दिसंबर माह के प्रमुख पर्वों की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। दोनों नेताओं के बीच आगामी दिनों में होने वाले धार्मिक एवं सामुदायिक आयोजनों पर सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। विशेष रूप से गुरु घासीदास बाबा जी के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा, सामाजिक सद्भाव पर आधारित विशेष कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और समाज के युवाओं की सक्रिय भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने आयोजन को सफल, शांतिपूर्ण और भव्य बनाने हेतु तैयारी कार्यों पर गहन विचार-विमर्श किया।

राहुल भारद्वाज ने कहा, गुरु पर्व केवल उत्सव का समय नहीं है, बल्कि गुरु की शिक्षाओं को जीवन में उतारने का संकल्प लेने का अवसर है। सत्य, अहिंसा, समानता और सदाचार—ये वे मूल तत्व हैं जिनके आधार पर गुरु घासीदास बाबा ने समाज को नई दिशा दी। आज की पीढ़ी को इन शिक्षाओं को अपनाकर समाज, प्रदेश और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। गुरु बाबा का उपदेश 'मनखे-मनखे एक समान' समाज में समरसता और भाईचारा स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। यदि हम भेदभाव, कुरीतियों और सामाजिक बुराइयों से मुक्त होकर सत्य व सदाचार पर आधारित जीवन जीएँ, तो समाज स्वतः सशक्त बनेगा। गुरु पर्व माह आत्मचिंतन व आत्मसुधार का समय है। युवाओं को चाहिए कि वे नशा, हिंसा और कुप्रथाओं से दूर रहकर सकारात्मकता और सद्भाव अपनाएँ। गुरु घासीदास बाबा के मार्ग पर चलना ही समाज व राज्य के विकास की दिशा में सबसे बड़ा कदम है।

मंत्री गुरुखुशवंत साहेब ने समाज की एकता और सांस्कृतिक धरोहर को सशक्त करने में युवाओं की भूमिका की सराहना करते हुए सभी कार्यक्रमों में आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करने का आश्वासन दिया।

सुषमा के स्नेहिल सृजन
शुभ भोर

अरुण किरण जब झाँकती,
जग फैले आलोक।
तमस हटे चहुँओर से, मिटे
अँधेरा शोक।।

भोर सजाए दृश्य नव, शुभ
संदेश अनूप।
'सुषमा' जीवन शुभ खिले,
परमानंद स्वरूप।।

नभ मंडल अति शोभता, लगे
सुनहरे छोर।

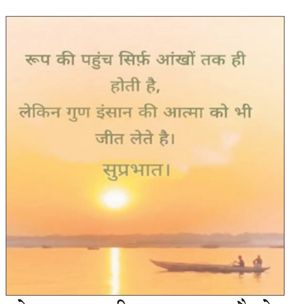

भोर सुनाए गीत मृदु, जग फैले
शुचि शोर।

सुषमा प्रेम पटेल ,
रायपुर छ ग

महापौर मीनल चौबे ने नियमनुकूल कड़ाई के साथ नो फ्लेक्स जोन व्यवस्था कायम करने किया निर्देशित

उड़न दस्ता ने नो फ्लेक्स जोन में लगाए गए बैनरों, पोस्टरों को हटाया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर अभियान चलाकर नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता की टीम द्वारा जी. ई. मार्ग पर मार्ग विभाजक के मध्य नो फ्लेक्स जोन क्षेत्र में लगाए गए सभी बैनरों और पोस्टरों को हटाने कार्यवाही की है.

यहां यह उल्लेखनीय है कि रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता और सम्बंधित जोनों की नगर निवेश विभाग की टीमों को प्रतिदिन सतत निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए राजधानी शहर रायपुर में जीईमार्ग में तेलीबांधा चौक से पण्डित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय मुख्य द्वार आमानाका तक मार्ग विभाजक के मध्य क्षेत्र में कोई भी बैनर और पोस्टर नहीं लगने दिया जाना प्रक्रिया के अंतर्गत नियमानुकूल कड़ाई के साथ जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने स्पष्ट निर्देश दिए हैं, ताकि आमजनों को राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में जी. ई मार्ग में मार्गविभाजक के मध्य किये गए लोककल्याणकारी सौंदर्यीकरण कार्य की सुन्दर अनुभूति निरन्तरता से प्राप्त होती रहे.

बसव राजू एस ने आयुक्त विश्वदीप,सूडा निगम के वरिष्ठ अधिकारियों सहित गजराजबाँधा तालाब का किया प्रत्यक्ष निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगरीय प्रशासन एवं विकास सचिव बसव राजू एस ने नगर निगम आयुक्त विश्वदीप और सूडा और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सरोना डंपिंग यार्ड, चंदनडीह एसटीपी, गजराजबाँधा तालाब का किया प्रत्यक्ष निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश0सरोना डंपिंग यार्ड से कचरा तेज गति के साथ उठवाने, एसटीपी चंदनडीह को और अधिक बेहतर बनाने, गजराजबांधा तालाब को सुन्दर तरीके से विकसित कर संरक्षित करने दिए निर्देश प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव बसव राजू एस ने रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप, छत्तीसगढ़ राज्य शहरी विकास अभिकरण सूडा के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुष्यंत रायस्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के अतिरिक्त संचालक पुलक भट्टाचार्य, मुख्य अभियंता राजेश शर्मा, अधीक्षण अभियंता सुनील सिंह, नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, अधीक्षण अभियंता संजय बागड़े, पी. राजेश नायडू, इमरान खान, जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल, जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, अंशुल शर्मा जूनियर,आशीष शुक्ला, सहायक अभियंता योगेश कडु और छत्तीसगढ़ राज्य शहरी विकास अभिकरण सूडा, नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय, रायपुर नगर पालिक निगम के अन्य सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में सरोना डंपिंग यार्ड, चन्दनडीह एसटीपी और गजराजबांधा तालाब बोरियाखुर्द का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और स्थल समीक्षा कर आवश्यक निर्देश अधिकारियो को दिए.

नगरीय प्रशासन एवं विकास सचिव ने सरोना डंपिंग यार्ड में प्रगतिरत पुराने कूड़े के प्रसंस्करण कार्य को तत्काल गतिमान करते हुए तेजी से भूमि रिक्त करवाकर उसका समुचित उपयोग करना सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया. नगरीय प्रशासन एवं विकास सचिव ने 75 एमएलडी क्षमता वाले चंदनडीह सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी का निरीक्षण कर उसका संचालन और अधिक बेहतर तरीके से करवाने के निर्देश दिए हैं. बोरियाखुर्द में गजराजबाँधा तालाब के निरीक्षण के दौरान नगरीय प्रशासन एवं विकास सचिव ने अधिकारियों को तालाब को सुन्दर तरीके से विकसित कर उसका समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से संरक्षण और संवर्धन करवाने के निर्देश दिए.

ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करने दिए निर्देश

महापौर मीनल ऐतिहासिक बूढ़ातालाब में पूर्व वर्ती सरकार द्वारा लगवाए गए फाउंटेन की जानकारी लेने पहुंचीं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारियों को ऐतिहासिक बूढ़ातालाब स्वामी विवेकानंद सरोवर में स्मार्ट सिटी द्वारा 5 करोड़ रूपये की लागत से लगवाए गए फाउंटेन के विगत अत्यंत लम्बी अवधि से बन्द होने का कारण पूछा..वहाँ प्रतिदिन नियमित मार्निंग और इवनिंग वाक के लिए जाने वाले आमजनों से जानकारी मिलने पर तत्काल स्थल पर पहुंचीं और फाउंटेन को बन्द देखकर तत्काल स्थल से रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारियों को वहाँ बुलवाया और उप् अभियंता श्री शुभम तिवारी और श्री योगेन्द्र साहू को फाउंटेन लम्बे समय से बन्द होने और इसे नागरिकों की सुविधा हेतु दोबारा चालू नहीं किये जाने पर गहन नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल सम्बंधित ठेकेदार को नोटिस देकर उनके रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के पास जमा 5 प्रतिशत 25 लाख रूपये की अमानती राशि को अविलम्ब राजसात करने की कड़ी कार्यवाही करवाने निर्देशित किया है. ठेकेदार की ठेका अनुबंध अवधि का एक माह शेष बचा है. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने तत्काल कार्यवाही कर जनहित में जनसुविधा हेतु 5 करोड़ रूपये की लागत का फाउंटेन चालू करवाने निर्देश दिए हैं.

फ़ाउंटेन चालू करें अन्यथा हटाये महापौर ने कहा सभी लोकहितकारी योजनाओं में सम्पूर्ण शासकीय राशि का पूर्ण सदुपयोग होना चाहिये महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि सभी लोक हितकारी योजनाओं में लगी सम्पूर्ण शासकीय राशि का शत - प्रतिशत पूर्ण सदुपयोग प्राथमिकता से करवाया जाना जनहित में जनसुविधा हेतु सुनिश्चित करवाया जायेगा.

अबूझमाड़-ओरछा की बेटियां संभाग स्तरीय खो-खो स्पर्धा में नारायणपुर का करेंगी प्रतिनिधित्व

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी
बस्तर के सुदूर अंचलों में दबी पड़ी खेल प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच देने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रारंभ किए गए बस्तर ओलंपिक ने अबूझमाड़ के युवाओं के जीवन में नई उमंग और नई दिशा जगाई है।

2024 में पहली बार आयोजित हुए इस महोत्सव की अभूतपूर्व सफलता के बाद, इस वर्ष पुनः भव्य रूप में बस्तर ओलंपिक 2025 का आयोजन किया जा रहा है। 11 से 13 दिसंबर तक जगदलपुर में होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश भर की नजरें अबूझमाड़-ओरछा की बेटियों पर टिकी हैं।

जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रबिना पोटाई के नेतृत्व वाली नारायणपुर की जूनियर खो-खो टीम ने संभाग स्तरीय

प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया है। ओरछा की शांत-पहाड़ी गलियों से निकलकर प्रदेश स्तर के मंच तक पहुंची यह टीम अब अपने जिले के लिए नए कीर्तिमान बनाने को तैयार है। बस्तर ओलंपिक ने हमें बड़ा मंच दिया, अब संभाग स्तर पर पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे — रबिना

अबूझमाड़ ओरछा की रबिना पोटाई ने बताया कि बचपन से ही उसका मन खेल में लगता था। मेरे माता-पिता नहीं और हम लोग 4 भाई-बहन हैं वे हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते हैं।

पहले हमारे क्षेत्र में न तो अच्छे अभ्यास के साधन थे और न ही बड़े प्रतियोगिताओं का अनुभव मिल पाता था इसलिए हमारी प्रतिभा अक्सर दिख नहीं पाती थी। जब से बस्तर ओलंपिक शुरू हुआ है तब से हमें वह मंच मिला जिसकी हमें वर्षों से आवश्यकता थी। मैंने पिछले साल भी इसमें भाग लिया था और संभाग स्तर तक पहुँचकर दूसरा स्थान प्राप्त किया था। उस अनुभव

ने मुझे और मजबूत किया। इस बार हमने और कड़ी मेहनत की है। हमारा एक ही लक्ष्य है कि नारायणपुर जिले को खो-खो में प्रथम स्थान दिलाना है। मैं चाहती हूँ कि मेरा गाँव, मेरा स्कूल और मेरा जिला मुझ पर और मेरे पुरे टीम के ऊपर गर्व महसूस करे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का इस पहल के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। यह आयोजन हमें बड़े मंचों तक पहुँचने का मौका दे रहा है और हम सभी अपनी पूरी क्षमता दिखाएँगे।

ये है खिलाड़ी

रबिना के साथ खेलने वाली खिलाड़ी हैं सलोनी कोवाची, सुंदरी पोटाई, रोशनी कुमेटी, सनिता, सरीता मंडावी, शिवानी कचलाम, अंजु रावल, कविता पद्दा, ममता वड्डे, मनिषा पोटाई और सुनिता उसेंडी।

इन खिलाड़ियों ने सीमित संसाधनों के बावजूद अनुशासन और निरंतर अभ्यास से जिला स्तर पर श्रेष्ठता साबित की है।

एक लाख टन से अधिक धान खरीदी

5214 किसानों से किया 90.22 हेक्टेयर रकबा समर्पण

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी
जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतर्गत 87 सहकारी समितियों के 102 उपार्जन केन्द्रों में अब तक 21896 किसानों से 1,15,550.48 मे. टन धान खरीदी हुई है जिसकी लागत राशि 27,4050.48 लाख रुपए है।

शासन की पारदर्शी व्यवस्था और तुंहर टोकन के अंतर्गत किसानों को सहुलियतें मिल रही है और वे निर्धारित तिथि अनुसार धान बेचने उपार्जन केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। उपार्जन केन्द्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों के लिए समुचित प्रबंध की गई है। धान खरीदी हेतु केन्द्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था है। अब तक 5,214 किसानों ने 90.22 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया है। खरीफ वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में 6,16,435 मे. टन धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य निर्धारित है।

प्रतिबंधित काष्ठों का अवैध परिवहन पकड़ाया, जब्ती

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी
जिले के धमधा एवं पाटन वृत्त में वन विभाग की विभागीय टीम/विभागीय अधिकारियों द्वारा 4 दिसम्बर को निर्धारित रोस्टर एवं रात्रि गश्त के दौरान

प्रतिबंधित काष्ठों का अवैध परिवहन किए जा रहे 5 वाहनों को पकड़कर जब्ती की कार्रवाई करते हुए वन अपराध क्रमांक 76/22, 76/23, 76/24, 76/25, 53/24 दिनांक 5 दिसम्बर पंजीबद्ध किया गया। 4 वाहनों, वाहन क्रमांक सी.जी. 04 जे.सी. 8048, सी.जी. 06 एम. 0463, सी.जी. 07 सी.ए. 1055, सी.जी. 07 सी. 7985 को जब्ती कर पाटन डिपो में रखा गया। एक वाहन सी.जी. 04 जे.डी. 7725 कुम्हारी डिपो में रखा गया है। डीएफओ दिपेश कपिल के अनुसार नियमानुसार अभियुक्तों से मुआवजा की राशि अधिरोपित करते हुए प्रतिबंधित काष्ठों को राजसात की कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकार वन संरक्षण प्रणाली को मजबूत करने के लिए विभाग द्वारा सघन/सतत निरीक्षण कर आरामिलों एवं अवैध परिवहन पर कड़ी कार्रवाई करते हुए नियमानुसार वन अपराध पंजीबद्ध किया जा रहा है।

जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत पर कार्यशाला

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी
शासकीय आदर्श आवासीय कन्या महाविद्यालय कोण्डागांव में बुधवार को जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य तिलक चंद्र देवांगन के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के संयोजक देव नारायण सिंह नेताम, सह संयोजक शारदा मरकाम के दिशानिर्देशन में किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य तिलक चंद्र देवांगन द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया गया और जनजाति समाज की परंपरा, संस्कृति और आध्यात्मिक शक्ति के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के संयोजक देव नारायण सिंह नेताम ने कार्यक्रम की प्रस्तावना के साथ जनजाति समुदाय के इतिहास एवं विभिन्न जनजाति समाज के जननायकों के द्वारा दिये गये बलिदान एवं योगदान के बारे में बताया गया।

मुख्य अतिथि भगवती महेश नेताम जिला पंचायत सदस्य, जिला कोण्डागांव ने बताया कि जननायकों द्वारा दिये गये बलिदान को याद रख कर उनका अनुसरण करना चाहिए साथ ही प्रकृति की रक्षा का दायित्व लेते हुए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष लगाना चाहिए और इसी तरह जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत कार्यक्रम होते रहने चाहिए, जिससे जनजाति समाज की संस्कृति, जननायकों के योगदान को सम्मान दिया जा सके। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बलीराम नेताम सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि जनजाति समाज के जननायकों के द्वारा दिये गये योगदानों के लिए सिर्फ जनजाति समाज को ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण देश वासियों को गर्व होना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि जनजाति समाज पिछड़ा हुआ और असभ्य थी इस मान्यता को तोड़ने की बात कही साथ ही जनजाति समुदाय के सामाजिक व्यवस्था और की रक्षा की बात कही और महाविद्यालय की छात्राओं को जनजाति समाज की परंपरा, संस्कृति, रीति-रिवाज, अध्यात्म ज्ञान एवं औषधीय ज्ञान आदि को लिखने एवं दस्तावेजीकरण के लिए प्रेरित किया।

नशीली टैबलेट बेचने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी
रेलवे स्टेशन के पीछे सूर्या होटल के पास अवैध रूप से नशीली प्रतिबंधित टैबलेट बेचते तीन आरोपियों को मोहन नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने नशीली दवाईयों को जब्त किया।

तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेलवे के माल धक्का के पास रेलवे स्टेशन के पीछे दो लोग अवैध रूप से नशीली दवाई रखे हुए हैं और उसे बेच रहे हैं। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी सुमित जाटव निवासी पंचशील नगर तथा फागू उर्फ लक्की उर्फ फग्गू यादव निवासी सिकोला भाटा थाना मोहन नगर को पकड़ा। पुलिस ने आरोपी सुमित जाटव की जेब से नशीली टैबलेट अल्फाजोलम की कुल 6 पेट जिसमें 79 टैबलेट थी एवं बिक्री की रकम 200 रुपए एवं आरोपी फग्गू यादव के जेब से स्पास्मो प्लस कैप्सूल के चार पत्ते जिसमें 21 कैप्सूल थी एवं बिक्री की रकम को बरामद किया गया। आरोपियों ने टैबलेट बेचना एवं आरोपी सुनील तांडी से उन दवाइयों को खरीदना स्वीकार किया। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8,22,27 (क) के तहत कार्रवाई की गई है।

धमधा-पाटन डिविजन में वन विभाग की सतत निगरानी

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी
वन संरक्षण को लेकर वन विभाग के सभी अमले द्वारा सतत प्रयास किया जा रहा है। धमधा और पाटन डिविजन में वन संरक्षण प्रणाली मज़बूत है तथा विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में सघन निरीक्षण कर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगा रही है। सभी आरा मशीनों और बीट क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण रोस्टर के अनुसार किया जा रहा है। मुख्य वन संरक्षक द्वारा निर्धारित रोस्टर अनुसार आरामिलों का प्रति माह उप वन मंडलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी और सहायक परिक्षेत्र अधिकारी आरामिलों का निरीक्षण करते हैं, जिससे पारदर्शिता और नियंत्रण व्यवस्था बेहतर हुई है। वन विभाग द्वारा किए गए सक्रिय प्रयासों का परिणाम यह रहा कि जनवरी 2025 से अब तक 39 वन अपराध प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिसमें लगभग 4 लाख रुपये का मुआवजा आरोपित किया गया है। इसके साथ ही अनुमानित 1028 नग (67.548 घन मीटर) व 15 जलाऊ चट्टा काष्ठ शासन के हित में जमा कराया गया है। विभाग ने 04 आरामिलों को सीलबंद किया है, जिनमें से 01 अवैध आरा मशीन को राजसात भी किया गया है। वन विभाग क्षेत्र में अवैध कटाई और परिवहन को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। अवैध परिवहन के तहत अपराध पाए जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर संबंधित अभियुक्त से मुआवजा की राशि वसूल कर प्रतिबंधित काष्ठों की जप्ती की जाती है एवं छूट प्रजाति के काष्ठों को निर्मुक्त किया जाता है। वन संरक्षण के लिए वन विभाग के सभी अमले मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। वन संरक्षण को लेकर वन विभाग के सभी अमले द्वारा सतत प्रयास किया जा रहा है। धमधा और पाटन डिविजन में वन संरक्षण प्रणाली मज़बूत है तथा विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में सघन निरीक्षण कर अवैध मशीनों रोस्टर अनुसार आरामिलों का प्रति माह उप वन मंडलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी और सहायक परिक्षेत्र अधिकारी आरामिलों का निरीक्षण करते हैं, जिससे पारदर्शिता और नियंत्रण व्यवस्था बेहतर हुई है।

वरिष्ठता सूची जारी करने डीईओ को ज्ञापन

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी
छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के जिला एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के द्वारा प्राथमिक शाला प्रधान अध्यापक के शेष पदों में पदोन्नति हेतु जिला

शिक्षा अधिकारी को कार्यालय में आवेदन दिया गया।

फेडरेशन के जिलाध्यक्ष मदन राठौर के अनुसार कोंडागांव जिले में यथाशीघ्र 01/04/2025 की स्थिति में वरिष्ठता सूची जारी करने और पदोन्नति प्रक्रिया पांच दिवस के अंदर शुरू करने जिला शिक्षा अधिकारी से निवेदन किया गया। इसी तारतम्य में आवेदन की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोण्डागांव को प्रेषित की गई।

इस अवसर पर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह ठाकुर, प्रदेश महामंत्री रोशन सहारे, प्रदेश प्रवक्ता नेमी सिन्हा, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दीपिका मसराम, जिला कोषाध्यक्ष रामू राम सिन्हा, नीलम मेश्राम ब्लाक अध्यक्ष केशकाल, ललित साहू, निपेन्द्र सेठिया, हितेन्द्र पोंगरा, चमन वर्मा एवं जिला सचिव गुलेन्द्र कुमार पटेल उपस्थित रहे।

राज्य स्तर एथलेटिक्स स्पर्धा के लिए गुंडाधुर कॉलेज के 7 विद्यार्थियों का चयन

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी
शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव के छात्रा सनमती, प्रमिला, सरस्वती और छात्र सोनू मरकाम, प्रेमराज, रतेन उसेंडी और बामन का चयन छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स पुरुष महिला प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह सभी खिलाड़ी विद्यार्थी उत्तर बस्तर सेक्टर की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह चयन शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर में आयोजित सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 7 दिसंबर तक शासकीय स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय बिलासपुर में होगा, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से कुल 11 सेक्टरों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता पूर्व खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण हेतु 3 से 4 दिसम्बर को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी एच.आर. यदु ने बताया कि प्राचार्या डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से महाविद्यालय में जुलाई माह से ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित सभी खेलों का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। इसी सतत परिश्रम का परिणाम है कि छात्र-छात्राएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

सनमति, प्रमिला, सरस्वती, सोनू मरकाम, प्रेमराज, रतेन उसेंडी, बामन के एथलेटिक्स राज्य स्तरीय प्रतियोगिता चयन पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा आशा व्यक्त की कि वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेंगी।

प्रमिला की रॉट आयरन कला को बिहान से मिली नई दिशा

सालाना 5 लाख से अधिक की हो रही आमदनी

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत महिलाओं एवं युवतियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने हेतु स्व-सहायता समूहों का गठन किया जाता है। इसके माध्यम से महिलाओं को वित्तीय समावेशन, कौशल उन्नयन और अपनी आजीविका को सुदृढ़ करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस पहल से जिले की कई महिलाएं आज सफलता की नई कहानी लिख रही हैं। ऐसी ही प्रेरक कहानी है विकासखण्ड बड़ेराजपुर के ग्राम छोटेराजपुर की रहने वाली प्रमिला मरकाम की, जिन्होंने अपने परिवार की पारंपरिक रॉट आयरन कला को 'बिहान' के सहयोग से नई पहचान दिलाई और आज सालाना लगभग 5 लाख 40 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। कोण्डागांव जिले के दूरस्थ विकासखण्ड बड़ेराजपुर मुख्यालय से 15 किमी की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत छोटेराजपुर के पवित्रा स्व-सहायता समूह से

जुड़ी प्रमिला का परिवार पहले मुख्य रूप से मजदूरी तथा कृषि आधारित कार्यों पर निर्भर थीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने रॉट आयरन से 80 प्रकार की विभिन्न कलाकृतियां तैयार करनी शुरू कीं। अपनी कला को राज्य तथा देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने के लिए बिहान ने उन्हें नया मंच दिया और उन्होंने गुजरात, गोवा, दिल्ली, असम, नोएडा सहित कई स्थानों पर आयोजित आजीविका सरस मेलों में हिस्सा लिया, जहां से अब तक वे लगभग 12 लाख रुपये की आय अर्जित कर चुकी हैं।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष: तेंदूपत्ता संग्रहण व किसान वृक्ष मित्र योजना पर बैठक

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी
छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर वनमंडल कोंडागांव में तेंदूपत्ता संग्रहण, किसान वृक्ष मित्र योजना हितग्राही चयन तथा औषधीय पौधों के रोपण को लेकर महत्वपूर्ण बैठक नीलामी हॉल में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के पारंपरिक वेद, वैद्य, ग्रामीण प्रतिनिधि, वैज्ञानिक तथा डीएफओ सहित वन विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान कोंडागांव क्षेत्र के परंपरागत जड़ी-बूटी वैद्यराज निषाद और ग्रामीणों ने अपनी समस्याएँ एवं मांगें रखीं। ग्रामीणों ने कहा कि पारंपरिक जड़ी-बूटियों के प्रमाणीकरण के लिए पैसे देना ग्रामीणों के लिए संभव नहीं, इसलिए उनके लिए सरल एवं निःशुल्क व्यवस्था बनाई जाए।

बैठक में कई महत्वपूर्ण वन-औषधियों की जानकारी साझा की गई, जिनमें प्रमुख रूप से रसना की जड़, भेलवा की जड़, उग्रगंडा का छल, दहीमन (औषधीय जड़ी), सिवना आदि जड़ी-बूटियों के संरक्षण व उपयोग पर विस्तार से चर्चा हुई। वन अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्रीय वन संपदा को संरक्षित करते हुए पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना चलाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। डीएफओ ने कहा कि किसान वृक्ष मित्र योजना के तहत अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जाएगा और औषधीय पौधों का रोपण बड़े स्तर पर किया जाएगा। वैज्ञानिकों ने जड़ी-बूटियों के वैज्ञानिक महत्व और संरक्षण पर सलाह दी।

चिकपाल-प्रतापगिरी सड़क निर्माण करें तेज-कलेक्टर

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी
दंतेवाड़ा प्रशासन द्वारा बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता को विशेष तवज्जो दी जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने दंतेवाड़ा के विकासखंड कटेकल्याण के दूरस्थ ग्राम चिकपाल से प्रतापगिरी तक निर्माणाधीन पहुंच मार्ग का जायजा शनिवार को लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना - 1 के अंतर्गत बनाए जा रहे इस मार्ग की प्रगति की जानकारी ली। ज्ञात हो कि इस मार्ग के पूर्ण होने से सुकमा जिले के तोंगपाल राष्ट्रीय राजमार्ग से इससे जुड़ जायेगा। जिससे क्षेत्र में आवागमन में सहूलियत होगी। इसी मार्ग पर पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण मुनगा जलप्रपात भी स्थित है जिससे पर्यटकों की अधिक आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी।

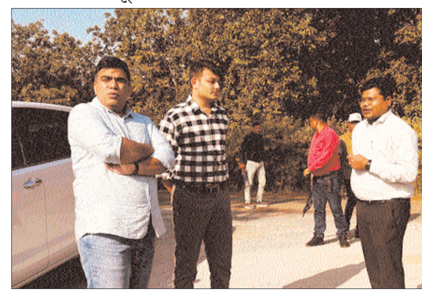

इस दौरान कलेक्टर नें संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने मजदूरों की संख्या बढ़ाकर कार्य की गति तेज करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पीएमजीएसवाय विभाग द्वारा निर्धारित रोड की पूर्ण की जाये। तत्पश्चात बाकी बचे रोड़ निर्माण कार्य को डीएमएफ मद पूर्ण करने हेतु प्रस्ताव जल्द ही प्रेषित करें। इस मार्ग आवागमन सुचारू रूप से संचालित हो सके। इसी क्रम में कलेक्टर द्वारा चिकपाल से मारजूम (6 किलोमीटर) निर्माणाधीन मार्ग का जायजा लिया। इस मार्ग पर निर्माणाधीन पुलिया निर्माण कार्यों को उन्होंने फरवरी - मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित ने बनाएं 20 हजार रन

कोहली के एक सीरीज में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज

विशाखापट्टनम।

भारत ने तीसरे वनडे में साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से जीत ली। विशाखापट्टनम में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 270 रन बनाए, जिसके जवाब में टीम इंडिया ने सिर्फ एक विकेट गंवाकर 40वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक जमाया, जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अर्धशतक लगाए। रोहित शर्मा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे किए और साथ ही भारत में खेलते हुए 5 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। उधर, विराट कोहली ने इस सीरीज में 12 छक्के लगाकर एक नया रिकॉर्ड भी बना दिया।

रोहित शर्मा ने गेल को पीछे छोड़ा

रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर वनडे में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में वेस्टइंडीज के क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। रोहित ने सिर्फ 190 इनिंग्स में 79 बार 50+ स्कोर बनाया है, जबकि गेल ने 274 इनिंग्स में 78 बार यह उपलब्धि हासिल की थी। इस सूची में सबसे ऊपर भारत के ही सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके नाम 120 बार 50+ स्कोर दर्ज हैं।

कोहली के नाम सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड : विराट कोहली क्रिकेट की इंटरनेशनल सीरीज में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट ट्रॉफी जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। कोहली के नाम 20 प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर के नाम 19 ट्रॉफियां है। इस रिकॉर्ड में आईसीसी के टूर्नामेंट्स को शामिल नहीं किया गया है। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के ओवरऑल रिकॉर्ड में विराट कोहली पहले ही सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ चुके हैं। उनके नाम 22 ट्रॉफियां हैं, जबकि सचिन के नाम 20 ट्रॉफियां हैं।

रोहित के 20 हजार इंटरनेशनल रन

रोहित शर्मा के इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे हो गए हैं। वे ऐसा करने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज बने। उनसे पहले सिर्फ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ इस उपलब्धि को हासिल कर पाए थे।

रोहित के घर में 5 हजार वनडे रन पूरे

रोहित शर्मा ने भारत में खेलते हुए अपने 5000 वनडे रन पूरे कर लिए। इस माइलस्टोन के साथ वे घरेलू सरजमीं पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब टॉप-5 में शामिल हो गए हैं।

रोहित ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 64 सिक्स लगाए

रोहित शर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अब तक 64 छक्के जड़े हैं और इस तरह उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली है। अब दोनों के नाम इस मामले में सबसे ज्यादा छक्के दर्ज हो चुके हैं।

कोहली के एक सीरीज में सबसे ज्यादा सिक्स

विराट कोहली ने एक सीरीज में सबसे ज्यादा 12 सिक्स लगाकर रिकॉर्ड बना दिया। इससे पहले 2023 वर्ल्ड कप और श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 9-9 सिक्स लगाए थे। लेकिन इस बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई 3-मैच की सीरीज में कोहली ने 12 सिक्स लगाए। यह भारत की ओर से किसी सीरीज में अब तक का तीसरा सबसे बड़ा सिक्स-स्कोर है। केवल शुभमन गिल (14 vs न्यूजीलैंड 2023) और रोहित शर्मा (13 vs श्रीलंका 2017) ही उनसे ऊपर हैं।

यशस्वी तीनों फॉर्मेट में सेंचुरी लगाने वाले छठे भारतीय

यशस्वी जायसवाल तीनों फॉर्मेट (टेस्ट+वनडे+टी-20) में शतक लगाने वाले छठे भारतीय बने। इस एलीट सूची में सुरेश रैना, रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली और शुभमन गिल के नाम शामिल हैं।

शक्ति और संकल्प का खेल वेटलिफ्टिंग में भारत की बढ़ती ताकत

नई दिल्ली।

वेटलिफ्टिंग सिर्फ वजन उठाने का खेल नहीं, बल्कि यह ताकत, संतुलन और मानसिक दृढ़ता की गहरी परीक्षा है। इसमें मुख्य रूप से स्नैच और क्लीन एंड जर्क दो तकनीकें शामिल होती हैं, जिनके लिए मजबूत मांसपेशियां, लचीला शरीर और आत्मविश्वास जरूरी होता है। आज यह खेल ओलंपिक का एक प्रतिष्ठित हिस्सा है, लेकिन इसकी शुरुआत प्राचीन काल में ताकत मापने की परंपरा से हुई थी। पुराने समय में योद्धा और सैनिक अपनी क्षमता साबित करने के लिए भारी पत्थरों और वस्तुओं को उठाते थे। धीरे-धीरे यह प्रतियोगिता का रूप लेकर ग्रीस, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया सहित कई देशों में लोकप्रिय हो गई। 19वीं शताब्दी के अंत तक यह एक अंतरराष्ट्रीय खेल के रूप में स्थापित हो चुका था। 1896 के एथेंस ओलंपिक में पहली बार वेटलिफ्टिंग को शामिल किया गया। हालांकि कुछ वर्षों 1900, 1908 और 1912 के दौरान इसे जगह नहीं मिली, लेकिन बाकी सभी ओलंपिक में यह लगातार खेला जाता रहा है। भारत ने इस खेल में आधिकारिक रूप से 1936 बर्लिन ओलंपिक में कदम रखा, जब एक साल पहले 1935 में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ की स्थापना हुई थी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने इस खेल में अपनी पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए। महिलाओं ने वेटलिफ्टिंग में 2000 सिडनी ओलंपिक के बाद हिस्सा लेना शुरू किया, और इसी ओलंपिक में भारत की कर्णम मल्लेश्वरी ने

54 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रच दिया। उनके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में मीराबाई चानू ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया और वेटलिफ्टिंग के प्रति नई प्रेरणा जगाई। ओलंपिक में वेटलिफ्टर्स अलग-अलग बॉडीवेट कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हैं और स्नैच तथा क्लीन एंड जर्क दोनों में तीन-तीन प्रयास मिलते हैं। दोनों में किए गए सर्वश्रेष्ठ वजन को जोड़कर विजेता तय होता है। स्नैच में बारबेल को एक ही मोशन में सिर के ऊपर उठाना होता है, जबकि क्लीन एंड जर्क में पहले इसे छाती तक लाया जाता है और फिर रुककर सिर के ऊपर ले जाया जाता है, जहां कोहनियां पूरी तरह सीधी होनी चाहिए। भारत में अब यह खेल सिर्फ सीनियर स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि युवा और जूनियर स्तर पर भी तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय वेटलिफ्टर्स अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं।

शुभमन गिल फिट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जहां उनकी गर्दन में अचानक तेज अकड़न आ गई थी।

चोट के बाद उन्हें दो दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और उपचार के दौरान इंजेक्शन भी दिया गया। इसी कारण वह मौजूदा वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए। गिल को टी20 टीम में फिटनेस के आधार पर चुना गया था और इसके लिए उन्हें लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। उन्होंने सीओई में निर्धारित सभी रिकवरी प्रोटोकॉल पूरे किए, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, फिजियोथैरेपी, फंक्शनल फिटनेस टेस्ट और प्रदर्शन मूल्यांकन शामिल थे। इन सभी चरणों में सफल होने के बाद

विशेषज्ञों ने उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए पूरी तरह उपयुक्त पाया। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन को भेजे पत्र में कहा गया है कि शुभमन गिल ने रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं। गिल की फिटनेस बहाली में फिजियो कमलेश जैन, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ और खेल चिकित्सक डॉ. चार्ल्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ये सभी विशेषज्ञ उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए थे। गिल के उपलब्ध होने से भारतीय टीम मजबूत संयोजन के साथ टी20 श्रृंखला की शुरुआत कर सकेगी। टी20 स्क्वॉड के खिलाड़ी रविवार से कटक में अभ्यास शुरू करेंगे, जहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मुकाबले की तैयारी तेज होगी। गिल की वापसी न केवल बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देगी, बल्कि नेतृत्व में भी टीम को अतिरिक्त समर्थन मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह,कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह।

एशेज का रोमांच और बॉक्सिंग डे टेस्ट की परंपरा 26 दिसंबर को क्यों होता है दुनिया का सबसे खास मुकाबला

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट मुकाबला ब्रिस्बेन में पिंक बॉल के साथ खेला जा रहा है, और मैच का रोमांच चरम पर है। पर्थ में हुआ पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीतकर पांच मैचों की इस प्रतिष्ठित सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की थी। दोनों टीमों के बीच यह ऐतिहासिक मुकाबला अब मेलबर्न की ओर बढ़ रहा है, जहां 26 दिसंबर से चौथा टेस्ट मैच खेला जाएगा, जिसे क्रिकेट जगत में 'बॉक्सिंग डे टेस्ट' के नाम से जाना जाता है। क्रिकेट प्रेमियों के बीच यह मुकाबला केवल एक टेस्ट मैच नहीं, बल्कि एक परंपरा, एक उत्सव और खेल संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। हालांकि नाम सुनकर कई लोगों के मन में आता है कि इसका संबंध मुक्केबाजी से है, लेकिन बॉक्सिंग डे का संबंध बिल्कुल अलग और भावनात्मक परंपरा से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि क्रिसमस के अगले दिन यानी 26 दिसंबर को ब्रिटेन में उन लोगों को छुट्टी दी जाती थी जो पूरे

त्योहारी दिन काम करते थे जैसे घरेलू सहायक, पोस्टमैन, डिलीवरी कर्मचारी या जरूरतमंद कामगार। उन्हें एक बॉक्स में गिफ्ट या बोनस दिया जाता था, इसलिए इसे 'बॉक्सिंग डे' कहा गया। वहीं दूसरी मान्यता यह बताती है कि क्रिसमस पर चर्च में गरीबों के लिए दान का एक बॉक्स रखा जाता था जिसे अगले दिन खोला जाता था और इसकी सामग्री जरूरतमंदों में वितरित की जाती थी। इस परंपरा में 'गिफ्ट बॉक्स' का भाव महत्वपूर्ण था मुक्केबाजी का कोई संबंध नहीं। यही कारण है कि जब 26 दिसंबर से शुरू होने वाले टेस्ट मैच खेले जाने लगे तो उन्हें 'बॉक्सिंग डे टेस्ट' का नाम दिया गया। बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरुआत 1892 में मेलबर्न में खेले गए शेफील्ड शील्ड मुकाबले से हुई थी। बाद में ऑस्ट्रेलिया ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाया और यूके, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने भी इस तारीख को टेस्ट मैच आयोजित करने की परंपरा अपनाई। हालांकि नियमित रूप से हर साल बॉक्सिंग डे टेस्ट आयोजित करने की परंपरा आज भी सबसे दृढ़ता से ऑस्ट्रेलिया ही निभा रहा है। बॉक्सिंग डे टेस्ट की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हर साल मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में रिकॉर्ड दर्शक जुटते हैं। पिछले वर्ष भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए बॉक्सिंग डे टेस्ट में दर्शकों की उपस्थिति ने नया रिकॉर्ड बनाया था। पांच दिनों में कुल 3,73,691 से अधिक दर्शक स्टेडियम में आए, जिसने 1937 के 3,50,534 दर्शकों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। केवल पांचवें दिन ही 74,000 से ज्यादा प्रशंसक एमसीजी पहुंच गए थे। एशेज के इस खास मुकाबले में इस बार भी भारी भीड़ की उम्मीद है। दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमी 26 दिसंबर का इंतजार कर रहे हैं, जब फिर से इतिहास, परंपरा और रोमांच एक ही मैदान पर नजर आएंगे।

गंभीर ने टेस्ट में अलग कोच की मांग खारिज की:बोले- दूसरे के काम में दखलअंदाजी न करें, हर फॉर्मेट में अलग कोच की चर्चा

नई दिल्ली।

भारत ने विशाखापट्टनम में खेले गए तीसरे वनडे में साउथ अफ्रीका को हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम किया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में 2-0 से हारी टेस्ट सीरीज के बाद उठी आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी। गंभीर ने कहा कि टेस्ट हार के बाद कई तरह की बातें कही गईं, जिनमें कुछ ऐसे लोग भी शामिल थे जिनका क्रिकेट से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने स्प्लिट कोचिंग (अलग-अलग फॉर्मेट के लिए अलग कोच) की उठी मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी को अपने-अपने क्षेत्र में ही रहना चाहिए और बिना समझे दूसरों के

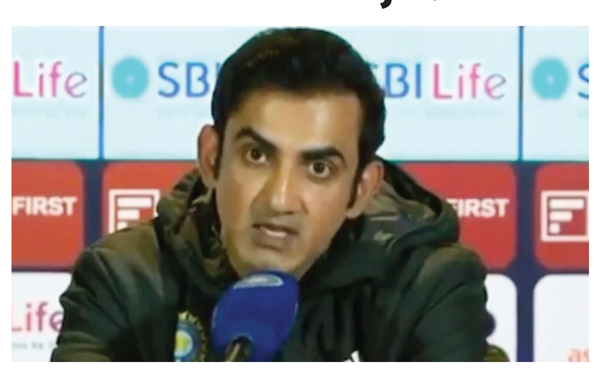

काम में दखल नहीं देना चाहिए। दरअसल, भारत की टेस्ट सीरीज हार के बाद ढ्ढक्कफ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर पार्थ जिंदल ने टेस्ट टीम के चयन पर सवाल उठाए थे और सुझाव दिया था कि भारत को रेड-बॉल क्रिकेट के लिए अलग कोच नियुक्त करना चाहिए।

पहले टेस्ट में गिल के चोट को हार की वजह बताई : गंभीर ने कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम मुश्किल हालात में खेली थी। पहले टेस्ट में हम बिना अपने कप्तान के खेले। शुभमन गिल पहले ही दिन चोट के कारण बाहर हो गए और दोनों पारियों में बल्लेबाजी नहीं कर पाए। हम यह मैच सिर्फ 30 रन से हारे। इस बात का जिक्र किसी ने नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि टीम बदलाव के दौर से गुजर रही हो और उसी समय कप्तान जैसा फॉर्म में चल रहा बल्लेबाज बाहर हो जाए, तो यह किसी भी टीम के लिए बड़ा नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि टीम में अभी अनुभव की कमी साफ दिखती है, लेकिन इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। सबका ध्यान सिर्फ विकेटों और बाहर से दिखने वाली बातों पर ही रहा।

रोहित-विराट की तारीफ

प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने रोहित-विराट के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा, 'वो दोनों भारत के लिए लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते आ रहे हैं और उम्मीद है कि दोनों ही सफेद गेंद के फॉर्मेट में आने वाले भविष्य में और भी ज्यादा ऐसा ही करते रहेंगे।' करीब 9 महीने तक इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहने के बाद विराट और रोहित ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज से वापसी की थी। वहां 3 मैच की सीरीज में रोहित ने सबसे ज्यादा 203 रन बनाते हुए प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता था, जबकि कोहली ने लगातार 2 मैच में शून्य पर आउट होने के बाद आखिरी मैच में 74 रन बनाए थे। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा 302 रन बनाकर विराट ने ये सीरीज के बेस्ट प्लेयर का अवॉर्ड जीता।

2026 विश्व कप में खेल पाना मुश्किल, मेसी के बयान से फैंस निराश

नई दिल्ली।

फीफा फुटबॉल विश्व कप 2026 को लेकर दुनिया भर के प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के हालिया बयान ने उनके फैंस को बड़ा झटका दिया है। मेसी ने संकेत दिया है कि संभव है वह अगला विश्व कप न खेल पाएं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि वह जरूर विश्व कप खेलना चाहेंगे, लेकिन यह भी हो सकता है कि वह टीम का हिस्सा न हों। मेसी ने कहा कि यदि वह मैदान पर नहीं उतर सके, तो वह एक दर्शक के रूप में स्टेडियम में मौजूद रहकर मैच देखना चाहेंगे और यह अनुभव उनके लिए खास होगा। मेसी ने बताया कि विश्व कप उनके और उनकी टीम के लिए बेहद खास टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना ने वर्षों में अपनी टीम को मजबूत बनाया है और कोच लियोनेल स्कालोनी के आने के बाद पूरी टीम की सोच और प्रदर्शन में बड़ा बदलाव आया है। मेसी के अनुसार, टीम में ऐसे खिलाड़ी हैं जो हमेशा जीत के लिए खेलते हैं और प्रशिक्षण के दौरान हर खिलाड़ी पूरी ताकत झोंक देता है। यही मानसिकता और एकजुटता अर्जेंटीना की सबसे बड़ी ताकत है। मैसी ने यह भी कहा कि पिछला विश्व कप जीतने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब खिलाड़ी खिताब की रक्षा के इरादे के साथ उतरने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि फुटबॉल अनिश्चितताओं का खेल है।

मंधाना-पलाश मुछाल की शादी कैंसिल

स्मृति ने लिखा- मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं, अब आगे बढ़ने का वक्त

नई दिल्ली।

भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और सिंगर पलाश मुछाल की शादी कैंसिल हो गई है। स्मृति और पलाश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर इसकी जानकारी दी। दोनों की शादी 23 नवंबर को होनी थी। संगीत से लेकर हल्दी के कार्यक्रम हो चुके थे। बारात की तैयारियां चल रही थीं। ऐसे में 23 नवंबर की सुबह स्मृति के पिता को हार्ट अटैक आने के बाद शादी पोस्टपोन कर दी गई थी। शादी टलने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगीं। दावा किया गया कि पलाश ने स्मृति के साथ धोखा किया है और उनका नाम वेडिंग कोरियोग्राफर से जोड़ा गया। इसी बीच, स्मृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शादी से जुड़ी सभी तस्वीरें हटा दी थीं। स्मृति ने पोस्ट में लिखा- पिछले कुछ हफ्तों से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, इसलिए मुझे लगा कि इस समय मुझे खुद इस बारे में बात कर देनी चाहिए। मैं बहुत निजी स्वभाव की इंसान हूं और अपनी प्राइवेसी बनाए रखना चाहती हूं, लेकिन यह साफ करना जरूरी है कि शादी अब कैंसिल हो गई है। मैं चाहती हूं कि यहीं इस मामले को खत्म कर दिया जाए और आप सभी से भी यही अनुरोध है कि इस विषय को आगे न बढ़ाएं।

रिटेंशन पर्स की वजह से केकेआर ने आंद्रे रसेल को किया रिलीज, रिटायरमेंट और कोचिंग भूमिका पर हुई चर्चा

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मिनी नीलामी से ठीक पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने सबसे बड़े मैच-विजेताओं में से एक आंद्रे रसेल को रिलीज करने का बड़ा फैसला किया। इस निर्णय ने क्रिकेट जगत और फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि रसेल सालों से केकेआर के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाते रहे हैं। फ्रैंचाइज़ी के सीईओ वेंकी मैसूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे की पूरी कहानी और उससे जुड़े भावनात्मक पल साझा किए। मैसूर ने बताया कि रसेल को रिलीज करने की सबसे बड़ी वजह रिटेंशन स्लैब्स से जुड़ा वित्तीय ढांचा था। भले ही रसेल

का कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 12 करोड़ रुपये था, लेकिन 2025 सीजन के लिए उन्हें रिटेन करने पर केकेआर के पर्स से 18 करोड़ रुपये कटने थे। उन्होंने कहा कि यह राशि नीलामी रणनीति के लिहाज से बेहद भारी थी और टीम को बाकी संयोजन मजबूत करने में मुश्किल पैदा कर सकती थी। उन्होंने कहा, 'कई लोग समझ नहीं पाए कि असल कटौती 18 करोड़ की थी, 12 करोड़ की नहीं। लोग सोच रहे थे कि केकेआर 12 करोड़ के खिलाड़ी को क्यों छोड़ेगी, लेकिन नीलामी के संदर्भ में 18 करोड़ बहुत बड़ी रकम है। यही मुख्य कारण था।' मैसूर ने आगे बताया कि जब यह निर्णय रसेल के साथ साझा किया गया, तो वह भावुक हो गए। 2014 में केकेआर से जुड़ने के बाद रसेल कभी भी नीलामी पूल में नहीं गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि अचानक नीलामी का हिस्सा बनने का विचार उनके लिए मानसिक रूप से बहुत भारी था। मैसूर के अनुसार, रसेल ने उनसे कहा, 'मैंने कई रातें बिना सोए बिताईं, सोचता रहा कि आगे क्या होगा। मैं पर्पल-गोल्ड जर्सी और नाइटराइडर्स परिवार से बहुत जुड़ गया हूं।' बातचीत के दौरान एक और अहम मुद्दा सामने आया रसेल के आईपीएल से रिटायरमेंट का विकल्प। मैसूर के अनुसार, यह विचार गंभीरता से उठा जब फ्रैंचाइज़ी के को-ओनर शाहरुख खान ने रसेल के लिए केकेआर सेटअप में कोचिंग भूमिका का सुझाव दिया। कई कारणों से रसेल को यह विकल्प व्यवहारिक लगा और उन्होंने कहा कि भविष्य में इस दिशा में सोच संभव है।

इंटर मियामी ने अपना पहला मेजर लीग सॉकर खिताब जीता

वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराया, मेसी ने दो असिस्ट किए

नई दिल्ली।

इंटर मियामी ने अपना पहला मेजर लीग सॉकर खिताब जीत लिया। टीम ने शनिवार रात खेले फाइनल में वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराया। मैच की शुरुआत इंटर मियामी के लिए अच्छी रही, क्योंकि शुरुआती मिनटों (8वें मिनट) में ही वैंकूवर की गलती से एक ओन-गोल मिला और मियामी 1-0 से आगे हो गई। दूसरे हाफ में वैंकूवर ने वापसी की कोशिश की और 60वें मिनट में बराबरी का गोल कर दिया। लेकिन इसके बाद मैच पूरी तरह इंटर मियामी और मेसी के कंट्रोल में चला गया। मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए दो बेहतरीन असिस्ट किए। पहला 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल के गोल में और दूसरा स्टॉपेज टाइम (90+6) में अलेनडे के गोल में। इन दो मौकों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मेसी को मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर चुना गया। मेसी के करियर की यह 48वीं ट्रॉफी है। उन्होंने अर्जेंटीना के साथ 6 खिताब, बार्सिलोना के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 35 टाइटल, पीएसजी के साथ 3 खिताब, और अब इंटर मियामी के साथ 4 ट्रॉफियां अपने नाम की हैं। इंटर मियामी के को-ओनर डेविड बेकहम टीम की जीत के बाद मैदान पर जश्न मनाते दिखे। उन्होंने कहा, वैंकूवर ने बेहतरीन खेल दिखाया और कई मौकों पर मियामी पर दबाव भी बनाया। बराबरी का गोल करने के बाद वे मैच में हावी होते दिख रहे थे।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार बीते दूसरे सप्ताह गिरावट सोने के भंडार में बढ़ोतरी...

नई दिल्ली।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते एक हफ्ते में गिरावट आई है। देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक 28 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.88 अरब डॉलर की गिरावट आई है और अब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 686 अरब डॉलर रह गया है। 21 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी और यह 4.4 अरब डॉलर घटकर 688 अरब डॉलर रह गया था। अब लगातार दूसरे सप्ताह भी इसमें कमी दर्ज की गई है।

सोने के भंडार में तेजी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) का है, जो 557 अरब डॉलर है। इसमें 3.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। हालांकि सोने के भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें 1.6 अरब डॉलर की तेजी आई है और यह 105 अरब डॉलर पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 billion के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

एसडीआर में बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बीते सप्ताह के दौरान एसडीआर में 6.3 करोड़ डॉलर की मामूली बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 18 अरब डॉलर का हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी 1.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना आईएमएफ रिजर्व बढ़ कर4.7 अरब डॉलर का हो गया है।

स्पोर्ट्स कम्यूटर बाइक पल्सर एन 160 का नया वैरिएंट लॉन्च

नई दिल्ली।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र की स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने अपनी लोकप्रिय स्पोर्ट्स कम्यूटर बाइक पल्सर एन 160 का नया वैरिएंट लॉन्च किया है। इस वैरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 1,23,983 रुपये रखी गई है। यह बाइक देशभर में बाजाज के सभी डीलरशिप पर उपलब्ध होगी। नया मॉडल गोल्ड यूएसडी फोर्क्स और सिंगल-सीट सेटअप के साथ पेश किया गया है, जो राइडर्स को बेहतर कम्फर्ट और स्टेबिलिटी देता है। कंपनी ने यह मॉडल उन राइडर्स के लिए तैयार किया है जो रोजमर्रा की राइडिंग में प्रीमियम अनुभव और बेहतर कंट्रोल चाहते हैं। नया सिंगल-सीट सेटअप बाइक की स्पोर्टी पोजिशन बनाए रखता है और इसे देखने में भी अधिक आकर्षक बनाता है। गोल्डन यूएसडी फोर्क्स बाइक को बेहतर स्टेबिलिटी, क्विक हैंडलिंग और दमदार रोड प्रेजेंस प्रदान करते हैं। डिजाइन के मोर्चे पर, नई पल्सर एन 160 चार कलर ऑप्शन - पर्ल मेटालिक व्हाइट, रेसिंग रेड, पोलर स्काय ब्ल्यू और ब्लेक - में उपलब्ध है। बाइक का मस्कुलर टैंक और शार्प पैनल्स इसके प्रीमियम लुक को बढ़ाते हैं। सिंगल-सीट लेआउट इसे साफ-सुथरा और स्पोर्टी स्टांस देता है। इस बाइक को लेकर बजाज ऑटो के प्रेसिडेंट सरंग कनाडे ने कहा, 'नया पल्सर एन160 वैरिएंट राइडर्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हमारा उद्देश्य युवाओं को प्रीमियम राइडिंग अनुभव देना है।'

क्विक डिलीवरी एप्स पर जंक-फूड का ऑप्शन आधे से ज्यादा, 10 में से 4 घर के बच्चे मंगवा रहे नूडल्स, चिप्स और चॉकलेट

नई दिल्ली।

भारत के शहरी इलाकों में जंक फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। लोकलसर्कल्स के सर्वे के अनुसार, क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर बिकने वाले पैकेज्ड फूड आइटम्स में आधे से ज्यादा हाई फैट, शुगर, सॉल्ट वाले या अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड हैं। सर्वे में 39% घरों ने बताया कि वे सॉफ्ट ड्रिंक्स, बिस्किट, चिप्स, नूडल्स जैसे आइटम रेगुलर खरीदते हैं, यानी हर 10 में 4 घर से जंक फूड ऑर्डर किया जा रहा है। खास बात ये है कि ऑर्डर करने वालों में बच्चे और यूवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। कोविड के बाद अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की सेल वैल्यू 10% से ऊपर पहुंच गई है, जो हेल्थ प्रॉब्लम्स जैसे मोटापा, डायबिटीज और हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ा रही है। रिपोर्ट में बताया कि हर 10 में से 9 पैरेंट्स ने जंक फूड पर रेड कोडिंग लगाने की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, इन प्लेटफॉर्म्स पर हर दो में से एक आइटम जंक या हाई-फैट, हाई-शुगर, हाई-सॉल्ट वाला है। ये वही चीजें हैं जो बच्चे सबसे ज्यादा ऑर्डर करते हैं। इसमें बिस्किट, कोल्ड ड्रिंक, चिप्स, नूडल्स, चॉकलेट और आइसक्रीम शामिल है।

वैश्विक खाद्य कीमतों में गिरावट, दूध-तेल चीनी सस्ता लगातार तीसरे माह कीमतों में गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली।

वैश्विक महंगाई के दबाव के बीच नवंबर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा महीना साबित हुआ। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुताबिक लगातार तीसरे महीने विश्व स्तर पर खाद्य कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दूध, तेल, चीनी और मीट जैसी प्रमुख वस्तुएं सस्ती हुईं, जबकि अनाज समूह में बढ़ोतरी देखी गई। एफएओ का वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक नवंबर में 125.1 पॉइंट रहा, जो अक्तूबर 2025 की तुलना में 1.2 फीसदी कम है और मार्च 2022 के रिकॉर्ड स्तर से करीब 22 फीसदी नीचे आ चुका है। एफएओ की सितंबर 2025 की ताजा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में बढ़ती महंगाई के बीच खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नवंबर में बड़ी नरमी दर्ज हुई। सूचकांक अक्टूबर के मुकाबले गिरा और वर्ष दर वर्ष आधार पर भी यह नवंबर 2024 की तुलना में 2.1 फीसदी

नीचे रहा। अनाज को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख श्रेणियों दूध, तेल, चीनी और मीट में कीमतें घटीं, जिसने उपभोक्ताओं को काफी राहत प्रदान की।

गेहूं और मक्के में उछाल

दूसरी ओर अनाज मूल्य सूचकांक नवंबर में 105.5 अंक रहा जो अक्टूबर की तुलना में 1.8 और कुल मिलाकर 1.3 फीसदी ऊपर है। हालांकि यह अभी भी पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 फीसदी नीचे बना हुआ है। गेहूं के दाम वैश्विक स्तर पर 2.5 फीसदी बढ़े।

इसकी वजह चीन द्वारा अमेरिका से बड़े आयात, ब्लैक सी क्षेत्र में तनाव और रूस में अगले वर्ष की फसल के लिए कम बुवाई का अनुमान रहा। मक्के के दाम ब्राजील में मजबूत मांग और अर्जेंटीना-ब्राजील में बारिश से आपूर्ति बाधित होने के कारण बढ़े। जौ और ज्वार के भाव भी ऊपर गए, जिन पर सोयाबीन की बढ़ती वैश्विक कीमतों का सीधा असर दिखा। इसके विपरीत, चावल मूल्य सूचकांक नवंबर में 1.5 फीसदी घटा। उत्तरी गोलार्ध में फसल कटाई की शुरुआत और इंडिका व सुगंधित चावल की कमजोर आयात मांग ने कीमतों को नीचे खींचा।

पाम, सूरजमुखी और डेयरी में गिरावट

खाद्य तेल मूल्य सूचकांक नवंबर में 165 अंक पर रहा और इसमें 2.6 फीसदी की कमी आई। पाम, सूरजमुखी और रेपसीड तेल के दाम घटे, जबकि सोया तेल ब्राजील में बायोडीजल की मांग बढ़ने से थोड़ा महंगा हुआ।मलेशिया में पाम तेल का उत्पादन अपेक्षा से अधिक रहने और क्रूड ऑयल के सस्ते होने का स्पष्ट प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर दिखा।

चीनी में तीखी गिरावट, उत्पादन बढ़ने की उम्मीद

चीनी मूल्य सूचकांक नवंबर में 88.6 अंक रहा जो अक्टूबर से 5.9 और पिछले साल से 29.9 फीसदी कम है। लगातार तीसरे महीने चीनी सस्ती हुई और लगातार दूसरे महीने इंडेक्स दिसंबर 2020 के बाद के सबसे निचले स्तर पर रहा। ब्राजील में गन्ने का बड़ा हिस्सा इस बार इथेनॉल की जगह चीनी उत्पादन में गया, जिससे वैश्विक आपूर्ति मजबूत हुई। भारत में 2025-26 फसल वर्ष की अच्छी शुरुआत और थाईलैंड में अनुकूल मौसम ने भी उत्पादन बढ़ने के अनुमान को मजबूती दी, जिससे कीमतों पर दबाव और बढ़ा।

मिंत्रा की प्रमुख फैशन ईवेंट एंड ऑफ रीजन सेल का 23वां संस्करण शुरू

नई दिल्ली।

भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल डेस्टिनेशन, मिंत्रा की प्रमुख फैशन ईवेंट, एंड ऑफ रीजन सेल का 23वां संस्करण 5 दिसंबर से शुरू हो गया है। इसमें 10,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय, घरेलू और स्वदेशी ब्रांड्स के 6 मिलियन से ज्यादा स्टाईल्स उपलब्ध होंगे। इस बार ईओआरएस में ग्राहकों को हाई-क्वालिटी फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल कलेक्शन प्राईस क्रैश अभियान के अंतर्गत बेहतरीन मूल्यों में प्राप्त होगा। 23वें ईओआरएस के बारे में भरत कुमार हेड ऑफ रेवेन्यू एंड ग्रोथ, मिंत्रा ने कहा ईओआरएस भारत के फैशन कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण समय है। हमें खुशी है कि ईओआरएस-23 के दौरान हम ग्राहकों के लिए ट्रेंड-फॉरवर्ड स्टाईल के विस्तृत कलेक्शन असाधारण मूल्यों में लेकर आए हैं।

इस एडिशन में कई नए लॉन्च और बेहतरीन सीजनल कलेक्शन के साथ शॉपिंग का शानदार अनुभव प्राप्त होगा। साथ ही हाईपर-स्पीड डिलीवरी और टेक पर आधारित दिलचस्प फॉर्मेट ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाएंगे। शादियों, ईयर-एंड जश्न, सर्दियों, यात्राओं और गिफ्टिंग की तैयारी करने वाले ग्राहकों को ईओआरएस-23 में उचित मूल्य में बेहतरीन कलेक्शन उपलब्ध होगा, ताकि हर शॉपर को अपनी जरूरत के अनुरूप सबसे बेहतर प्रोडक्ट मिल सके।'' मिंत्रा के विशेष समुदाय को ईओआरएस-23 की आकर्षक डील वीआईपी-ओनली स्पेशल ऑफर, समर्पित वीआईपी वीकेंड बेनेफिट्स और अतिरिक्त लाभों के साथ प्राप्त होंगी। शॉपर्स तेजी से डिलीवरी पाना पसंद करते हैं, इसलिए मिंत्रा इस बार ईओआरएस के दौरान ग्राहकों को उनके ऑर्डर ज्यादा से ज्यादा तेजी से पहुँचाने वाला है। इसके लिए मिंत्रा ने अपनी सप्लाई चेन, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी को मजबूत बनाने में भारी निवेश किया है ताकि फुलफिलमेंट को ऑप्टिमाईज किया जा सके। इससे ग्राहकों को मिंत्रा की सुविधाजनक और भरोसेमंद डिलीवरी स्पीड के साथ ईओआरएस के पूरे फायदे मिल सकेंगे।

भारत में टेस्टिंग के दौरान देखी होंडा की ये दमदार एसयूवी...जल्द हो सकती लांच

नई दिल्ली।

वाहन निर्माता होंडा की ओर से भारतीय बाजार में सेडान से लेकर एसयूवी सेगमेंट के वाहनों की बिक्री होती है। निर्माता की ओर से जल्द ही अपने पोर्टफोलियो में नई कारों को जोड़ने की तैयारी हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक होंडा डब्ल्यूआर-वी आरएस को भारत में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक होंडा की नई एसयूवी को पुणे में एआरएआई के पास देखा गया है। इस दौरान एसयूवी को किसी भी तरह से ढंका नहीं गया था। जिससे यह उम्मीहद है कि इस एसयूवी को भारत में लांच किया जा सकता है। टेस्टिं ग के दौरान देखी गई यूनिट को इंडोनेशिया से लाया गया है क्यों कि इस पर लगी प्लोट पर होंडा जकार्ता सेंटर लिखा था। साथ ही विंडशील्ड पर एक कागज लगाया गया था, जिस पर टेस्टिंग व्हीपकल लिखा हुआ था। होंडा की ओर से इंडोनेशिया में ऑफर की जाने वाली डब्ल्यूआर-वी आरएस में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाता है। इस एसयूवी में एलईडी लाइट, आरएस एयरो किट, 17 इंच अलॉय व्हींल्सह, ब्लैफक इंटीरियर, सात इंच इंफोटेनमेंट सिस्टइम, 4.2 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लआस्टटर, लेनवॉच कैमरा, छह एयरबैग, क्रूज कंट्रोल, होंडा सेंसिंग जैसे फीचर्स मिलते हैं।

टेस्ला की एंट्री उम्मीद के मुताबिक तेज नहीं

नई दिल्ली।

लग्जरी इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टेस्ला की एंट्री उम्मीद के मुताबिक तेज नहीं रही है। सरकार के वाहन पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में टेस्ला की बिक्री सिर्फ 48 यूनिट रही, जो प्रतिस्पर्धी कंपनियों की तुलना में काफी कम है। इस साल सितंबर में डिलीवरी शुरू करने के बाद से कंपनी अब तक केवल 157 यूनिट ही बेच सकी है। लग्जरी ईवी सेगमेंट में पहले से मजबूत उपस्थिति रखने वाली बीएमडब्ल्यू इंडिया ने इसी अवधि में 267 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की, जबकि मर्सिडीज-बेंज भी टेस्ला से आगे रही। इससे स्पष्ट होता है कि भारत के प्रीमियम बाजार में टेस्ला को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी कंपनी ने भारत में अपनी पहली पेशकश के रूप में मॉडल वाई इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च की थी और इसके साथ ही यहां अपना संचालन शुरू किया था। शुरुआती उत्साह के बावजूद बिक्री का धीमा आंकड़ा बताता है कि कंपनी को भारतीय बाजार में मजबूत पकड़ बनाने और स्थापित ब्रांडों का मुकाबला करने में अभी समय लग सकता है। बिक्री कम रहने के बावजूद भी टेस्ला भारत में अपनी मौजूदगी को तेजी से बढ़ा रही है। हाल ही में कंपनी ने गुरुग्राम में अपना पहला ऑल-इन-वन टेस्ला सेंटर शुरू करने की घोषणा की है। सेक्टर 48 स्थित ऑर्किड बिजनेस पार्क में खोला गया यह केंद्र ग्राहकों को रिटेल, आफ्टर-सेल्स सर्विस, डिलीवरी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सभी सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराएगा।

बीते सप्ताह शीर्ष पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ बढ़ा

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ

नई दिल्ली।

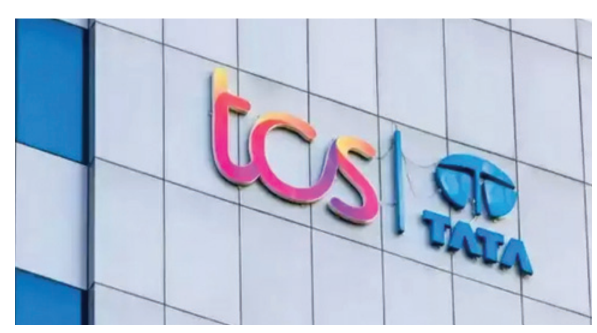

पिछले सप्ताह भारत की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन 72,284.74 करोड़ बढ़ गया। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट रही। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 35,909.52 करोड़ रुपए बढ़कर 11,71,862.37 करोड़ रुपए हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 23,404.55 करोड़ रुपए बढ़कर 6,71,366.53 करोड़ रुपए पहुंचा। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 6,720.28 करोड़ रुपए बढ़कर 6,52,396.39 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल का 3,791.9 करोड़ रुपए बढ़कर 12,01,832.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का भी बाजार मूल्यांकन बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,116.76 करोड़ रुपए घटकर 20,85,218.71 करोड़ रुपए रह गया, बावजूद इसके वह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में भी गिरावट देखने को मिली। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स महज 5.7 अंक बढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 16.5 अंक गिरा।

यह दर्शाता है कि व्यक्तिगत कंपनियों के शेयरों में महत्वपूर्ण बदलाव के बावजूद मुख्य सूचकांक में ज्यादा हलचल नहीं रही। विश्लेषकों के अनुसार आईटी कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस में निवेशक विश्वास मजबूत बना हुआ है, जबकि रिफाइनरी और बैंकिंग क्षेत्रों में कुछ दबाव के चलते गिरावट रही। कुल मिलाकर इस सप्ताह बाजार में कंपनी-विशिष्ट घटनाओं का असर मुख्य सूचकांकों से कहीं अधिक नजर आया।

अमेरिकी फेड के फैसले और एफआईआई की गतिविधियों से इस हफ्ते तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस हफ्ते घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। शेयर बाजार पर नजर रखने वाले विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। विश्लेषकों के मुताबिक निवेशकों का पूरा ध्यान अब 9-10 दिसंबर को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है। इसके अतिरिक्त इस हफ्ते 12 दिसंबर को आने वाले देश के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आंकड़ों पर बाजार बारीकी नजर रखेंगे।

साथ ही वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर भी ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले हफ्ते डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों सेंसेक्स 447.05 अंक उछल कर 85,712.37 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 152.70 अंक की बढ़त के साथ 26,186.45 पर बंद हुआ था।

भारत का मीडिया-मनोरंजन बाजार 2029 तक 47 अरब डॉलर का होगा, डिजिटल खपत और ओटीटी से तेजी को बल

नई दिल्ली।

घरेलू मनोरंजन और मीडिया उद्योग का आकार 2029 तक बढ़कर 47.2 अरब डॉलर होने का अनुमान है। 2024 में 32.2 अरब डॉलर था। आने वाले चार वर्षों में इसके 7.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है जो कि वैश्विक औसत 4.2 प्रतिशत से दोगुना है। पीडब्लूसी इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया कि इस वृद्धि की वजह डिजिटल भागीदारी का बढ़ना और ब्रॉडबैंड की पहुंच में विस्तार होना व ऑनलाइन सामग्री की अधिक खपत होना है। इन कारकों से सभी फॉमेट्स में दर्शकों का व्यवहार बदल रहा है और प्लेटफॉर्म्स, विज्ञापनदाताओं और क्रिएटर्स के लिए अवसर पैदा हो रहे हैं। इंटरनेट विज्ञापन सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट है। 2029 तक इसका आकार 15.9 प्रतिशत की दर से बढ़कर 13.06 अरब डॉलर होने का

अनुमान है। 2024 में 6.25 अरब डॉलर पर था। ओवर-द-टॉप (ओटीटी) आधारित आय 2024 में 2.27 अरब डॉलर के बढ़कर 2029 में 3.47 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। इसे क्षेत्रीय सामग्री, डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर मॉडल और बढ़ते ग्राहकों का सपोर्ट मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां टेक्नोलॉजी खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) असल में यह बदल रही है कि सामग्री कैसे बनाई और खोजी जाती है। उससे पैसे कमाए जाते हैं।

इंटरनेट ग्राहकों की संख्या बढ़कर 101 करोड़ के पार

देश में इंटरनेट का उपयोग बढ़ रहा है। अप्रैल-जून की तिमाही में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या 100.28 करोड़ थी जो सितंबर तिमाही में बढ़कर 101.78 करोड़ हो गई है। यह दिखाता है कि देश में इंटरनेट का उपयोग हर महीने तेजी से बढ़ रहा है और लोग डिजिटल सेवाओं को अपनाते जा रहे हैं। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के अनुसार, इंटरनेट ग्राहकों में वायरलेस यूजर की संख्या सबसे ज्यादा 97.33 करोड़ है। सिर्फ 4.44 करोड़ लोग वायर्ड इंटरनेट (ब्रॉडबैंड फाइबर कनेक्शन) का उपयोग करते हैं। यानी लोग मोबाइल इंटरनेट को अधिक सुविधाजनक मानते हैं और बड़ी आबादी ब्रॉडबैंड की तुलना में मोबाइल डाटा पर निर्भर है।

इलेक्ट्रिक कार ई विटारा ने की शानदार शुरुआत

नई दिल्ली।

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की पहली यात्री इलेक्ट्रिक कार ई विटारा ने शानदार शुरुआत की है। ई विटारा की सफलता के बाद अब अन्य प्रमुख कंपनियाँ भी अपनी नई कारों के लॉन्च की तैयारी तेज कर चुकी हैं, जिनमें टाटा मोटर्स, किआ, एमजी और मिनी प्रमुख हैं। लंबी दूरी, आधुनिक तकनीक और नए डिजाइन की वजह से इस कार को खरीदारों की ओर से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। मजबूत बिक्री संकेतों ने न केवल कंपनी के आत्मविश्वास को बढ़ाया है, बल्कि दिसंबर 2025 को पूरे ऑटो उद्योग के लिए एक सक्रिय और उम्मीदों से भरा महीना बना दिया है। सबसे ज़्यादा चर्चा टाटा मोटर्स की लोकप्रिय एसयूवी हैरियर और सफारी के नए पेट्रोल संस्करणों की हो रही है, जिन्हें महीने के दूसरे सप्ताह तक बाजार में उतारे जाने की उम्मीद है। दोनों मॉडलों में नए उच्च क्षमता वाले पेट्रोल इंजन लगाए जा रहे हैं, जो डीजल विकल्पों की तुलना में अधिक किफायती साबित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि कीमतों में संभावित कमी इन एसयूवी की मांग को और बढ़ा देगी। दिसंबर में वैश्विक स्तर पर पेश होने जा रही नई पीढ़ी की सेल्टोस भी ग्राहक उत्साह का बड़ा कारण बन गई है। किआ ने इसमें पूरी तरह बदला हुआ बाहरी ढांचा, नया फ्रंट डिजाइन और अधिक प्रीमियम इंटीरियर शामिल किया है। भारत में इसके अगले वर्ष आने की संभावना है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अनावरण इसी महीने तय है। दूसरी ओर, एमजी मोटर दिसंबर के मध्य तक अपनी लोकप्रिय हेक्टर के नए संस्करण को लॉन्च करने की तैयारी में है। इसमें अपडेटेड डिजाइन, बदला हुआ फ्रंट प्रोफ़ाइल और आधुनिक इंटीरियर जोड़ा जा रहा है।

दुबेलिया तेली साहू समाज के सम्मान समारोह में पहुँचे विक्रांत सिंह

भुरसाटोला में भवन निर्माण हेतु 5 लाख की घोषणा

खैरागढ़, प्रतिदिन राजधानी

ब्लॉक अंतर्गत ग्राम भुरसाटोला में दुबेलिया तेली साहू समाज द्वारा छात्रङ्कछात्राओं के सम्मान समारोह, युवकङ्कयुवती परिचय सम्मेलन एवं रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह और अध्यक्षता केंद्रीय दुबेलिया तेली साहू समाज के अध्यक्ष शिवकुमार साहू ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार एवं जनपद पंचायत सदस्य हेमकल्यानी तोड़े उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान समाज के मेधावी छात्रङ्कछात्राओं को प्रमाणपत्र व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खम्हन ताम्रकार ने समाज की एकता और नियमित रूप से आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि दुबेलिया साहू समाज शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों में अपनी विशेष पहचान रखता है।

समाज के केंद्रीय अध्यक्ष शिवकुमार साहू ने जानकारी दी कि छुईखदान ब्लॉक के ग्राम श्यामपुर में बोर खनन का कार्य विक्रांत सिंह के सहयोग से कराया गया है। साथ ही सांसद संतोष पांडे द्वारा समाज भवन के लिए 4 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिसके लिए समाज ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के हर कार्यक्रम में विक्रांत सिंह की उपस्थिति सराहनीय रही है। उद्बोधन के दौरान सरपंच प्रतिनिधि मदन साहू ने ग्राम भुरसाटोला में समाज भवन निर्माण की मांग रखी। उन्होंने कहा कि बढ़ती सामाजिक गतिविधियों के लिए एक स्थायी भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि दुबेलिया साहू समाज शिक्षा, रक्तदान तथा सामाजिक आयोजनों में पूरे प्रदेश में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। समाज को एकजुट रूप से आगे ले जाना बड़ी जिम्मेदारी है, जिसके लिए सभी पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। भुरसाटोला की लम्बे समय से लंबित मांग को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ग्राम भुरसाटोला में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 5 लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम में भावेश कोचर, नरेश कुर्रे, रामसुख साहू, धनऊ राम साहू,सतपाल साहू, दुजराम साहू, दुजेराम साहू, रामकुमार जोशी, बृजलाल साहू, खेमचंद साहू, जगतु राम साहू, केशव राम साहू, सी.आर. साहू, संतोषी मदन साहू, अशोक साहू, मनीष साहू, उमेश साहू, डॉ. मोरध्वज साहू, मनोहर साहू, नंदू साहू सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

बकिरमा में महा परीक्षा अभियान को लेकर निकाली गई मशाल रैली, शिक्षा के प्रति दिया जागरूकता का संदेश

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा डॉ. दिनेश कुमार झा के नेतृत्व में अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम बकिरमा में महा परीक्षा अभियान के प्रति जागरूकता और सकारात्मक माहौल तैयार करने हेतु मशाल रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत ले मसाले चल पड़े हैं लोग मेरे गांव के गीत और साक्षरता संबंधी नारों के साथ हुई, जिसने पूरे गांव में शिक्षा के प्रति उत्साह और जागरूकता का वातावरण बना दिया।

इस उत्साहपूर्ण रैली में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती सोनू तिग्गा, पंच गण, गांव के स्वयंसेवी शिक्षक, महिलाएं, स्कूली विद्यार्थी, जिला परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता, विकासखंड परियोजना अधिकारी कमलेश वर्मा, सत्यनारायण भगत, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक एम. सिद्दीकी, डबल राय, सुनिता दास, सचिव, रोजगार सहायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं युवा शामिल हुए। मशाल रैली के दौरान अधिकारियों ने गांववासियों से महा परीक्षा अभियान को सफल बनाने, बच्चों की पढ़ाई में सहयोग देने और शिक्षा के महत्व को समझाने की अपील की।

बिरजमनी को मिला पक्का आवास बारिश में नहीं होगी परेशानी

जशपुरनगर, प्रतिदिन राजधानी

कहते हैं कि अगर संकल्प मजबूत हो और शासन की योजनाएं साथ दें, तो हर सपना साकार किया जा सकता है। मनोरा विकासखंड के ग्राम खरसोटा निवासी श्री राजकुमार महली और उनकी पत्नी श्रीमती बिरजमनी महली की कहानी इसकी जीवंत मिसाल है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इस परिवार को पक्का आवास स्वीकृत हुआ है, और आज उनका पक्के मकान का सपना पूरा हो गया।

श्रीमती बिरजमनी महली बताती हैं कि उनका पुराना कच्चा मकान जर्जर हो चुका था। खासकर बारिश के मौसम में उन्हें और उनके बच्चों को रहने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें जो नया मकान मिला है, वह उनके जीवन को स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करेगा। ऐसा कहती हैं बिरजमनी, जिनकी आंखों में अब भविष्य को लेकर आशा और आत्मविश्वास है।

बिरजमनी बताती हैं कि वह खेती और मजदूरी करके अपने परिवार का भरण–पोषण करती हैं। उनके तीन बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। शासन द्वारा उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह ?1000 की आर्थिक सहायता दी जाती है, जिसे वे भविष्य के उपयोग के लिए सहेज कर रख रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

युवा उत्सव 2025 धूमधाम से संपन्न

सपनों को लक्ष्य बनाओ, देश तुम्हारा इंतज़ार कर रहा है : रेणुका सिंह

एमसीबी, प्रतिदिन राजधानी

जिले में कला, संस्कृति और युवा ऊर्जा का भव्य संगम शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 को झगराखांड़ में देखने को मिला। जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025 का आयोजन अंबेडकर भवन एवं शासकीय हाई स्कूल झगराखांड़ में प्रातः 10 बजे से शुरू हुआ, जिसमें जिलेभर के प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं और युवा प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी कला, प्रतिभा और रचनात्मकता का मनमोहक प्रदर्शन किया। पूरा परिसर ऊर्जा, ताल, उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास से गूंजता रहा। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को एक प्रभावशाली मंच प्रदान करना था, जहां वे अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने ला सकें और संस्कृति, साहित्य, कला व खेल के विभिन्न क्षेत्रों में पहचान बना सकें। कार्यक्रम ने युवाओं में आत्मविश्वास, संकल्प और नई प्रेरणा का संचार किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती रेणुका सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी, मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। स्वागत भाषण के उपरांत उन्होंने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन का खेल विभाग प्रतिवर्ष युवा उत्सव इसलिए आयोजित करता है ताकि आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, ऊर्जा और राष्ट्रभावना विकसित हो। उन्होंने कहा कि जब किसी कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी और आत्मविश्वास दिखाई देता है, तब उसमें एक सशक्त राष्ट्र और उज्ज्वल भविष्य की झलक स्वतः दिखाई देती है। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने कहा कि आज का युग शिक्षा, खेल, संस्कृति और तकनीक का युग है और इन्हीं आधारों पर भविष्य का भारत तैयार होगा। बच्चों को नर्सरी से लेकर उच्च शिक्षा तक पर्याप्त अवसर और प्रतियोगी माहौल प्रदान किया जाना आवश्यक है, ताकि उनमें प्रतिभा और सपनों को उड़ान मिल सके। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आज तेजी से बदल रहा है और आत्मसम्मान व स्वाभिमान के साथ विकास की ओर अग्रसर है। कर्तव्य पथ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल नाम परिवर्तन नहीं बल्कि बदलते युग और बदलती सोच का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए बताया कि अवसरों की कमी कहीं नहीं है, केवल लक्ष्य, संकल्प और सतत प्रयास की जरूरत है। युवाओं से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी ही करियर का अंतिम लक्ष्य न मानें, बल्कि स्टार्टअप, खेल, तकनीक, कला और उद्यमिता में आगे आएं और रोजगार देने वाले बनें क्योंकि यही युवा वास्तविक अर्थों में राष्ट्र निर्माण करते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के ओजस्वी संदेश 卐उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए卐 से युवाओं को प्रेरित किया।

प्रतियोगिताओं में दिखी प्रतिभा की चमक - कला, साहित्य और संस्कृति का बेहतरीन प्रदर्शन

मुख्य अतिथि के प्रेरक संबोधन के बाद प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई और हर प्रतियोगिता में युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। चित्रकला प्रतियोगिता में राजेंद्र प्रसाद ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया, द्वितीय स्थान अनुज और तृतीय स्थान कुमारी साधना को मिला। वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रभावी प्रस्तुति के साथ अनुभव गुप्ता प्रथम रहे और जया शर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं। साहित्यिक प्रतिभा भी पूरी तरह निखरी। कविता लेखन प्रतियोगिता में मनोज कुमार विजेता बने, जबकि मुस्कान सिंह द्वितीय और फातिमा तृतीय स्थान पर रहीं।

संकनपल्ली की भूमि संबंधी शिकायत पर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट जारी

बीजापुर। बीजापुर जिले के अनुभाग उसूर के तहत ग्राम संकनपल्ली में आदिवासियों की पैतृक जमीन गैर आदिवासी के नाम दर्ज होने की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर श्री संबित मिश्रा द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी उसूर जांच के आदेश दिया गया। उपलब्ध अभिलेखों और राजस्व दस्तावेज़ों की विस्तृत जांच में यह तथ्य सामने आया कि जिन किसानों की भूमि के परिवर्तन या नामांतरण की शिकायत दर्ज की गई थी, वास्तव में सभी भूमि मूल भूमिस्वामियों के ही नाम पर ही दर्ज हैं एवं किसी भी प्रकार का अवैध हस्तांतरण या विक्रय नहीं किया गया है। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि विभिन्न खसरा नंबरों में दर्ज समस्त भूमि पूर्व से ही संबंधित कृषकों के नाम पर है तथा कोई भी भूमि किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर दर्ज नहीं पाई गई। राजस्व अभिलेखों के मिलान के बाद यह निष्कर्ष निकला। रिपोर्ट में उल्लेख है कि भूमि स्वामित्व को लेकर अभिलेखों में कहीं भी कोई विसंगति नहीं पाई गई है। अतः अनुविभागीय अधिकारी उसूर ने बताया कि वर्तमान अभिलेख यथावत सही पाए गए हैं और संदिग्ध दस्तावेजों का जांच चल रही है।

सीईओ जिला पंचायत ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा

राजनांदगांव, प्रतिदिन राजधानी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत जिले के सभी सब स्टेशनों में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता विद्युत मंडल के प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने योजना अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शासन की महत्वकांक्षी योजना है। योजना अंतर्गत जिले को आगामी दो माह में लगभग 5000 कनेक्शन का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी–कर्मचारी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिशन मोड में कार्य करते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाना है। सीईओ जिला पंचायत ने विद्युत मंडल के सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संबंधित वेंडर को समिति गठित कर ग्रामीण क्षेत्रों में सौर सभा का आयोजन कर उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देने तथा योजना से लाभान्वित हेतु प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ ले रहे उपभोक्ताओं को भी सौर सभा में आमंत्रित करने कहा। उन्होंने कहा कि योजना के तहत कार्य में रूचि नहीं लेने वाले वेंडर्स पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर पालिक निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, लीड बैंक अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगर पालिका अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभिंयता एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र बीजापुर में विश्व मृदा दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी

कृषि विज्ञान केन्द्र, बीजापुर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व मृदा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जिले के किसानों, नीति आयोग के अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री अरुण कुमार सकनी ने किया। उन्होंने केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, मिट्टी के स्वास्थ्य मापदंडों तथा मिट्टी को जीवित और उपजाऊ बनाए रखने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग और जैविक खाद जैसे वर्मी कम्पोस्ट, कम्पोस्ट एवं गोबर खाद के महत्व को रेखांकित किया जिससे मिट्टी की उर्वरक क्षमता बढ़ती है और फसल उत्पादन स्थिर रहता है।

कार्यक्रम में श्री संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही स्वस्थ भविष्य की आधारशिला है, मिट्टी को बचाना हर व्यक्ति का प्रमुख कर्तव्य है। आगे अपने उद्बोधन में श्री उग्रेश कुमार देवांगन, सहायक संचालक कृषि ने विभागीय योजनाओं तथा प्राकृतिक खेती के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। श्री अरविंद आयम, कार्यक्रम सहायक ने बताया कि अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी के स्वास्थ्य में निरंतर गिरावट आ रही है। उन्होंने किसानों को संतुलित एवं वैज्ञानिक पद्धतियों के उपयोग पर जोर देने की सलाह दी।

डॉ. दिनेश कुमार मरापी,ए प्रक्षेत्र प्रबंधक ने मृदा एवं जल संरक्षण की विभिन्न तकनीकों के बारे में उपयोगी जानकारी साझा की। कार्यक्रम में कुल 43 किसान सम्मिलित हुए। विश्व मृदा दिवस का यह आयोजन किसानों को वैज्ञानिक, टिकाऊ और मिट्टी,संरक्षण आधारित कृषि पद्धतियों की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

मैट्रेस (गद्दा) 30% से 50% लेस

चादरे 9x9 400 से 1000 तक	कर्म्फटर दोहड़	कम्बल रजाई
प्रोटेक्टर तकिया	सोफा कमबेड रजाई-गद्दा कव्हर	टावेल रुई गद्दा	सोफा कव्हर

पुराना गद्दा लाये नया ले जाये

संजय रुई भंडार

निराकांरी फर्नीचर के पीछे कांच घर गोडाउन के पास, पंडरी रायपुर

9827976266, 7987918262

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में

5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं) www.onlytds.com

GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस

संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप मो. 98267-01259, 62642-74844

ए.एस. एसोसिएट्स
प्रथम तल, आनंद भवन गुरुनानक चौक, रायपुर मो. 93020-77741, 98271-62101

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर मो. 9406200210

पर्ची नशीली दवाओं की बिक्री, अधिनियम उल्लंघन और रिकॉर्ड में भारी कमी

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में खरसिया क्षेत्र में संचालित विभिन्न मेडिकल स्टोरों की संयुक्त औचक जांच की गई, जिसमें नशीली दवाओं की अनियमित बिक्री को लेकर गंभीर तथ्य सामने आए। यह कार्रवाई खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, राजस्व विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा उस शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें बिना पर्ची नशीली दवाओं की बिक्री की जानकारी मिली थी।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में संबंधित विभाग को जिले के शहरी, कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मेडिकल स्टोर्स में प्रतिबंधात्मक दवाओं, नशीली दवाओं की बिक्री पर रोक लगाने और सतत् निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे। हाल ही में जिले के प्रभारी सचिव ने भी समीक्षा बैठक में आवश्यक चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। खाद्य एवं

दो मेडिकल स्टोरों को नोटिस

औषधि प्रशासन विभाग, राजस्व विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा राजेश मेडिकल, टी.आई.टी. कॉलोनी खरसिया, आशोक मेडिकल, अमरनाथ चैक, दीपक मेडिकल स्टोर, रेलवे स्टेशन रोड, तथा भागवत मेडिकल स्टोर, रेलवे स्टेशन रोड का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच के दौरान राजेश मेडिकल में दो नशीली दवाओं कोरेक्स, कोफ-विक्सकृका डॉक्टर के पर्ची के बिना बिक्री पाया गया, जिसके कारण स्टोर संचालक को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 एवं नियम 1945 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इसी प्रकार भागवत मेडिकल स्टोर में नशीली दवाओं का विक्रय रिकॉर्ड एवं डॉक्टर की पर्ची मौके पर उपलब्ध नहीं पाई गई। रिकॉर्ड में भारी कमी को गंभीर मानते हुए यहां भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। टीम ने सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देश दिए कि वे किसी भी प्रकार की नशीली दवा बिना डॉक्टर की वैध पर्ची के न बेचें तथा रिकॉर्ड संधारित करना अनिवार्य है। साथ ही सिरिंज जैसी चिकित्सीय वस्तुओं के बिल सहित विक्रय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस कार्रवाई में खाद्य एवं औषधि निरीक्षक अमित राजोरिया, विजय कुशवाहा, सुश्री साविता रानी, प्रवीण तिवारी एसडीएम खरसिया तथा प्रमात पटेल एसडीओपी खरसिया उपस्थित थे।

अल्ट्राटेक कुकुरदी सीमेंट संयंत्र द्वारा निर्मित सीसी रोड का उद्घाटन

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

अल्ट्राटेक कुकुरदी सीमेंट संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा इकाई प्रमुख पवन कुलकर्णी के दिशा निर्देश व एचआर प्रमुख प्रतीक भटनागर के मार्गदर्शन में आधारभूत संरचना निर्माण अंतर्गत ग्राम पंचायत सेम्हराडीह में लोगों को किचड़, धूल व जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए 350 मीटर सी.सी. रोड़ निर्माण किया है, जिसका उद्घाटन 3 दिसंबर को ग्राम पंचायत सरपंच प्रमीला वर्मा व अल्ट्राटेक कुकुरदी सीमेंट संयंत्र के अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में पंच कीर्ति गिरी, प्रमीला शर्मा व गोपाल यदु के अलावा ग्राम के सम्मान्नीय व्यक्ति डॉ. राधेश्याम वर्मा व ग्रामीणजन नारायण यदु, गिता यदु, छत्रपाल यदु एवं आजू राम ध्रुव की उपस्थिति रही।

ग्राम सेम्हराडीह में विगत दिनों पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत के प्रमुख गली भुखन दास मानिकपुरी के घर से सुखी राम यादव के घर तक एवं सहायक गलियों का (लगभग 350 मीटर) कांक्रीटीकरण करने के लिए अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र कुकुरदी से निवेदन किया था। इस रोड का उपयोग मुहल्ले वासियों के अलावा, विद्यार्थियों व राहगीरों द्वारा प्रतिदिन किया जाता है। इस रोड में जगह जगह गढ़ढे व टूट जाने के कारण जल भराव, धूल व कीचड़ हो जाने से जहां राहगीरो को परेशानी होती थी वही विद्यार्थियों का कपड़ा गंदा हो जाता था। इस रोड़ के बन जाने से इन सबको होने वाली परेशानी से निजात मिल गया है।

उद्घाटन के अवसर पर सरपंच ने अल्ट्राटेक कुक्रदी सीमेंट संयंत्र का आभार व्यक्त करते हुए इस तरह के जनहितैषी कार्य आगे भी करते रहने की अपील की। उपस्थित ग्रामीणों में अत्यंत हर्ष एव उत्साह देखा गया साथ ही साथ उन्होने अल्ट्राटेक प्रबंधन का आभार भी व्यक्त किया वहीं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इसे लोगों के हित में में किये गए महत्वपूर्ण कार्य बताया तथा अल्ट्राटेक प्रबंधन को धन्यवाद भी ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में सीविल विभाग से रविकांत वर्मा, भूमि एवं विधि विभाग से कार्तिकेश बघमार तथा सीएसआर प्रमुख राजेन्द्र कुशवाहा व दया वर्मा उपस्थित रहे।

रजत जयंती पर्व पर असनींद में वन हर्बल उत्सव

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

रजत जयंती पर्व पर वन परिक्षेत्र सोनाखान अंतर्गत ग्राम असनीद के बजरंग चौक में वन हर्बल उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र अधिकारी सोनाखान दीपक कौशिक एवं उनकी टीम की उपस्थिति में औषधीय पौधों की पहचान, उनके औषधीय उपयोग, तेंदूपत्ता एवं अन्य लघु वनोपज के संग्रहण-प्रक्रिया तथा समर्थन मूल्य पर खरीद से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही क्षेत्रवासियों को वन विभाग की जन-हितैषी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इसी क्रम में बलौदाबाजार स्थित कृष्ण कुंज में जन प्रतिनिधियों, स्कूली छात्राओं एवं शिक्षकों की सहभागिता से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपवनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार निश्चल चंद्र शुक्ला द्वारा वृक्षों के महत्व, किसान वृक्ष मित्र योजना, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु संतुलन के संबंध में जागरूकता संदेश दिया गया। रजत जयंती पर्व अंतर्गत स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यमिक स्कूल, बलौदाबाजार में रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा वन एवं पर्यावरण संतुलन, वनस्पति एवं जैव विविधता का संबंध, ग्लोबल वार्मिंग, एवं वन संरक्षण में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका जैसे विषयों पर आकर्षक रंगोलियाँ बनाई गईं। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षु वनक्षेत्रपाल श्री अनिरुद्ध कश्यप एवं वनरक्षक मनमोहन टंडन उपस्थित रहे।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डाढ़ाखार में 'एक पेड़ छत्तीसगढ़ महतारी के नाम ' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम वन परिक्षेत्र अधिकारी बल्दाकछार गीतेश कुमार बंजारे द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर खुड़मुड़ी की सरपंच विमला बाई चौहान, वन प्रबंधन समिति डाढ़ाखार के अध्यक्ष कुमार सिंह गोंड, शिक्षकगण एवं स्थानीय ग्रामीण सहभागिता के साथ उपस्थित रहे। वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के सम्मान का संदेश दिया गया। वन परिक्षेत्र बल्दाकछार के ही ग्राम बरबसपुर में पक्षी महोत्सव के तहत वहाँ के बाँध में पाई जाने वाली पक्षी प्रजातियों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। कार्यक्रम में गाँव के लोगों की सक्रिय उपस्थिति रही तथा वन प्रबंधन समिति बरबसपुर के अध्यक्ष श्री प्यारे लाल पटेल व अन्य ग्रामीणों को पक्षी संरक्षण के महत्व से अवगत कराया गया।

भाटापारा व्यवहार न्यायालय के 20वें स्थापना दिवस पर उपलब्धियों की गूंज

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

अधिवक्ता संघ भाटापारा द्वारा बुधवार को व्यवहार न्यायालय परिसर, भाटापारा में व्यवहार न्यायालय भाटापारा का 20वें स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष भव्यता एवं महत्व प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति राकेश मोहन पाण्डेय की उपस्थिति रही।

समारोह में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने अपने उद्बोधन में न्यायपालिका एवं अधिवक्ता समुदाय की भूमिका पर गहन और प्रेरक विचार व्यक्त किया। मुख्य न्यायाधीश ने इस अवसर को केवल औपचारिक आयोजन न बताते हुए कहा कि यह सामूहिक यात्रा, साझा मूल्यों और विधिक समुदाय की अटूट भावना का उत्सव है। उन्होंने बार एवं बेंच के संतुलित संबंध को न्याय व्यवस्था की आधारशिला बताते हुए कहा कि जब दोनों संस्थाएं सौहार्द और परस्पर सम्मान के साथ कार्य करती हैं, तभी न्याय प्रणाली विश्वास एवं स्पष्टता के साथ आगे बढ़ती है। उन्होंने भाटापारा बार एसोसिएशन की स्थापना से लेकर आज तक की प्रगति को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि एसोसिएशन ने अधिवक्ताओं के व्यावसायिक उत्थान, मार्गदर्शन, नैतिकता और अनुशासन को सदैव प्राथमिकता दी है। मुख्य न्यायाधीश ने विशेष रूप से युवा अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके तर्क मुकदमे तो जिता सकते हैं, लेकिन आपकी ईमानदारी ही न्याय व्यवस्था में स्थायी विश्वास अर्जित करती है। अनुशासन, विनम्रता और निरंतर सीखने की भावना ही आपको इस पवित्र पेशे में सफलता दिलाएगी।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अनुभव को उन्होंने प्रकाशस्तंभ की उपमा देते हुए कहा कि अगली पीढ़ी इन्हीं के मार्गदर्शन से अपने पेशेवर जीवन की दिशा तय करती है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी बार एसोसिएशन की वास्तविक शक्ति उसकी संख्या में नहीं, बल्कि उसकी एकता, पेशेवर आचरण और न्याय के प्रति उसकी निष्ठा में होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भाटापारा बार एसोसिएशन आगे भी समाज सेवा, निष्पक्षता और विधिक उत्कृष्टता का प्रतीक बनी रहेगी। मुख्य न्यायाधीश ने भाटापारा व्यवहार न्यायालय की न्यायिक प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि 3 दिसंबर 2005 को भाटापारा सिविल कोर्ट का उद्घाटन हुआ था, वर्तमान में भाटापारा बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं की संख्या 163 सदस्यों तक पहुँच चुकी है। प्रारंभ में सिविल जज जूनियर डिवीजन एवं एडीजे न्यायालय की स्थापना हुई, बाद में सिविल जज सीनियर डिवीजन और अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश न्यायालय की स्थापना की गई।

डॉ. अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा

ज्ञान केन्द्र में युवाओं ने संविधान शिल्पी को नमन किया

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. भीमराव आंबेडकर ज्ञान केन्द्र में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। यह केन्द्र निर्धन और जरूरतमंद बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी कराने के लिए जाना जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। उपस्थित पदाधिकारियों, अतिथियों और विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन धारण कर संविधान शिल्पी को नमन किया।

इस अवसर पर प्रो. जी. पी. रात्रे, कमल डहरिया, सी. एस. खांडे, जितेंद्र पाटले, विन्द्राप्रसाद सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। वक्ताओं ने डॉ. आंबेडकर के सामाजिक न्याय, बराबरी और बंधुता स्थापित करने के संघर्ष को याद करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की। ज्ञान केन्द्र में समय-समय पर डॉ. आंबेडकर के जीवन, विचार और सामाजिक परिवर्तन पर विशेष गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, जिनसे छात्रों को प्रेरणा मिलती है और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

जिले में पारदर्शी और सुगम धान खरीदी से सटीक तौल और समयबद्ध व्यवस्था से किसानों को बड़ी राहत ईश्वर राजपूत

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

शासन के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के कुशल मार्गदर्शन में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले में धान खरीदी कार्य पूर्णतः सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान-हितैषी तरीके से जारी है। जिले की 66 प्राथमिक समितियों के 105 उपार्जन केंद्रों में निर्धारित समय-सारणी के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। सभी केंद्रों में टोकन प्रणाली, स्पष्ट जांच व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनें, पेयजल, छाया एवं बैठने की सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिससे किसानों को कतारमुक्त, तनावमुक्त और सुगम वातावरण मिला है। इसके साथ ही सभी समितियों में माइक्रो एटीएम की व्यवस्था की गई है, जिससे किसान धान की राशि आसानी से निकाल सकते हैं। इसी तरह किसानों को एटीएम कार्ड व चेक बुक की सुविधा भी प्रदान की गई है।

धान विक्रय करने गीधा उपार्जन केंद्र पहुँचे ग्राम रोहरा के किसान श्री ईश्वर सिंह राजपूत ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 116 क्विंटल धान का विक्रय किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष खरीदी केंद्रों की व्यवस्था पहले से कहीं अधिक सरल, सुगम और पारदर्शी है। टोकन प्रणाली से अब किसानों को घंटों लाइन में नहीं लगना

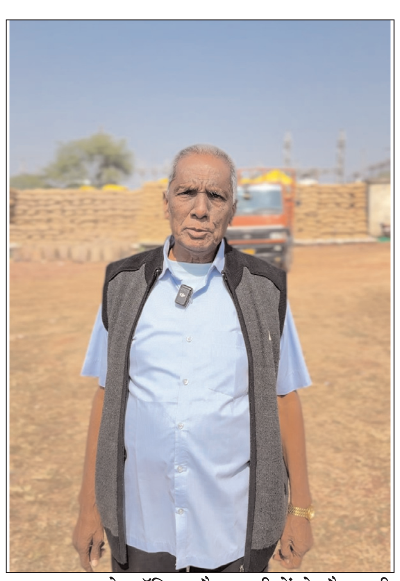

पड़ता तथा इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों से तौल पूरी तरह सटीक और निष्पक्ष हो रहा है। साथ भुगतान में किसी प्रकार की समस्या नहीं है। समिति में जाकर माइक्रो एटीएम के माध्यम से आसानी से भुगतान पा सकते हैं।

किसान श्री राजपूत ने शासन एवं प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि समितियों में धान की उठाव प्रक्रिया भी तेज़ी से शुरू हो चुकी है, जिससे खरीदी के बाद की पूरी व्यवस्था बेहतर और व्यवस्थित हो गई है। उन्होंने आगे बताया कि प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी और 3100 प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य से किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने जिले के समस्त किसानों की ओर से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया और कहा कि किसान-हितैषी नीतियों ने किसानों का प्रशासन पर विश्वास और भी मजबूत किया है।

मुंगेली में जेण्डर अभियान नई चेतना 4.0- जिला पंचायत में जागरूकता, सहभागिता और समानता का मजबूत संदेश

जेण्डर अभियान नई चेतना 4.0 के तहत जिला पंचायत सभाकक्ष, मुंगेली में जागरूकता एवं संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीकांत पांडेय, जिला पंचायत सभापति, अन्य जिला पंचायत सदस्य तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में जेंडर समानता को प्रोत्साहित करना एवं महिलाओं-बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण का निर्माण करना था। इस दौरान इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लेते हुए एक संवेदनशील और समान समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत परिसर में रंगोली, जेंडर आधारित लघु वीडियो क्लिप, जेंडर शपथ तथा अन्य गतिविधियों के माध्यम से लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण का संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। मंच से उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और बिहान की दीदियों ने लैंगिक समानता, समान अवसर और महिला सम्मान पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग से सीएमएचओ डा. शीला साहा, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजूला शर्मा, पशुधन विभाग से उपसंचालक डॉ. आर.एम.त्रिपाठी, साथ ही कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। साथ ही जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में बिहान की दीदियाँ और कैडर भी उपस्थित रहीं।

बिलासपुर के पास हाथियों का आतंक, महिला पर हमला

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

सीपत क्षेत्र में करीब दो वर्षों बाद फिर हाथियों ने दस्तक दे दी है। कटघोरा वनमंडल से भटककर आए चार हाथियों ने शुक्रवार देर रात ग्रामीण इलाकों में हलचल मचा दी। इनमें से एक हाथी भरुवाडीह बिट के बिल्कुल नजदीक पहुंच गया, जबकि बाकी तीन खोंदरा सर्किल की ओर बढ़ते देखे गए ।शनिवार सुबह लगभग 5:30 बजे भरुवाडीह की संतबाई ऊईके जंगल में जलाऊ लकड़ी लेने गई थीं, तभी भटके हुए हाथी ने उन पर अचानक हमला कर दिया। महिला की कमर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। 108 एंबुलेंस न मिलने पर वन विभाग को पुलिस की 112 गाड़ी की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाना पड़ा। बाद में उन्हें सिम्स, बिलासपुर रेफर किया गया।

डिप्टी रेंजर लक्ष्मीकांत गढ़ेवाल के अनुसार यह हाथी प्रजनन काल में झुंड से बिछड़ गया है। हाथी पर लगातार नजर रखी जा रही है और ठरकपुर-भरुवाडीह जंगल में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे जंगल की ओर न जाएं ।शनिवार सुबह लगभग 5:30 बजे भरुवाडीह की संतबाई ऊईके जंगल में जलाऊ लकड़ी लेने गई थीं, तभी भटके हुए हाथी ने उन पर अचानक हमला कर दिया। महिला की कमर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। 108 एंबुलेंस न मिलने पर वन विभाग को पुलिस की 112 गाड़ी की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाना पड़ा। बाद में उन्हें सिम्स, बिलासपुर रेफर किया गया।

डिप्टी रेंजर लक्ष्मीकांत गढ़ेवाल के अनुसार यह हाथी प्रजनन काल में झुंड से बिछड़ गया है। हाथी पर लगातार नजर रखी जा रही है और ठरकपुर-भरुवाडीह जंगल में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे जंगल की ओर न जाएं ।शनिवार सुबह लगभग 5:30 बजे भरुवाडीह की संतबाई ऊईके जंगल में जलाऊ लकड़ी लेने गई थीं, तभी भटके हुए हाथी ने उन पर अचानक हमला कर दिया। महिला की कमर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। 108 एंबुलेंस न मिलने पर वन विभाग को पुलिस की 112 गाड़ी की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाना पड़ा। बाद में उन्हें सिम्स, बिलासपुर रेफर किया गया।

डिप्टी रेंजर लक्ष्मीकांत गढ़ेवाल के अनुसार यह हाथी प्रजनन काल में झुंड से बिछड़ गया है। हाथी पर लगातार नजर रखी जा रही है और ठरकपुर-भरुवाडीह जंगल में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे जंगल की ओर न जाएं।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

कला संस्कृति की नगरी रायगढ़ में पंजरी प्लांट मोहल्ले की राधे महिला मंडल के नेतृत्व में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में कथा व्यास पंडित डा महेंद्र मिश्र राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता ज्योतिषचार्य देवभूमि हरिद्वार से शिक्षा प्राप्त है। उनके श्रीमुख से भागवतकथा का आयोजन के पहले दिन कलश यात्रा के साथ संगीत मय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ।

सार्वजनिक श्रीमद् भागवत कथा में दोपहर करीब 3 बजे से भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में पीत वस्त्रधारी महिला-पुरूष श्रद्धालु अपने सिर पर कलश रखकर चल रहीं थीं। शोभायात्रा में श्रद्धालु संकीर्तन पार्टी डीजे की धुन पर बज रहे भक्ति गीतों पर जमकर थिरके। कलश यात्रा समापन के बाद श्रीमद् भागवत जी की आरती हुई

एवं श्रद्धालु गण बड़े आनंद के साथ प्रसाद ग्रहण किए कलश यात्रा की विशेष आकर्षण यह रही कि कलश यात्रा का में कलश धारी तीन माताओं का चयन हुआ जिनको श्री धर्मचेतना मंच की ओर से व्यास मंच से विशेष सम्मानित किया जायेगा। इस यात्रा में देवी-देवताओं का आह्वान किया गया, और यह कथा के दिव्य माहौल की शुरुआत करती है। ततपश्चात पहले दिन भगवान श्री कृष्ण की आरती की गई।

दो बाइक की टक्कर, पांच युवक घायल, 2 रायगढ़ रेफर

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

रायगढ़ जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के प्रशासन के सारे प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। लगातार जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। बुधवार की शाम घरघोड़ा थाना क्षेत्र में एक और भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें पांच युवा घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम लगभग 7 बजे भेंगारी के पास दो मोटरसाइकिलों के आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। दोनों बाइकों में कुल पांच युवा सवार थे, जो सभी इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों में मोहित राम राठिया (20 वर्ष), पितारू हलधर राठिया, डंगनीनारा, महेद्र राठिया (18 वर्ष), पितारू स्वर्गीय रामकुमार राठिया, नवापारा, रवि यादव (19 वर्ष), पितारू सहनी यादव, डंगनीनारा, श्याम लाल (16 वर्ष), पितारू प्रकाश धनवार, नवापारा, के अलावा डमरुधर (18 वर्ष), पितारू श्याम लाल राठिया, नवापारा शामिल है।

स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने सभी घायलों को घरघोड़ा अस्पताल लाया, जहां बीएमओ डॉ. एस.आर. पैंकरा की देखरेख में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने त्वरित उपचार शुरू किया। मोहित राम और महेद्र राठिया की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

08 dec 25_Layout 1 12/7/2025 9:18 PM Page 1

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुरुग्राम के रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ किया

- भारत के संतों, ऋषियों और मुनियों की तपस्या और ध्यान राष्ट्र के शाश्वत ज्ञान का आध्यात्मिक आधार है: उपराष्ट्रपति
- तीव्र संसार में भावनात्मक संतुलन और विकसित भारत@2047 के लिए आंतरिक शांति के लिए ध्यान आवश्यक है: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज गुरुग्राम में ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर (ओएसआरसी) के रजत जयंती वर्ष समारोह का शुभारंभ किया।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने इस केंद्र के समारोह में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसकी स्थापना 24 वर्ष पहले ब्रह्म कुमारी के आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हुई थी और अब यह अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने केंद्र के शांति और ध्यान के संदेश की ओर आकर्षित होने वाले वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, प्रशासकों, राजनेताओं जैसे पेशेवरों की विविधता की सराहना की। उन्होंने ब्रह्म कुमारी को दुनिया के सबसे बड़े महिला-नेतृत्व वाले आध्यात्मिक संगठन के रूप में उभरने के लिए बधाई दी।

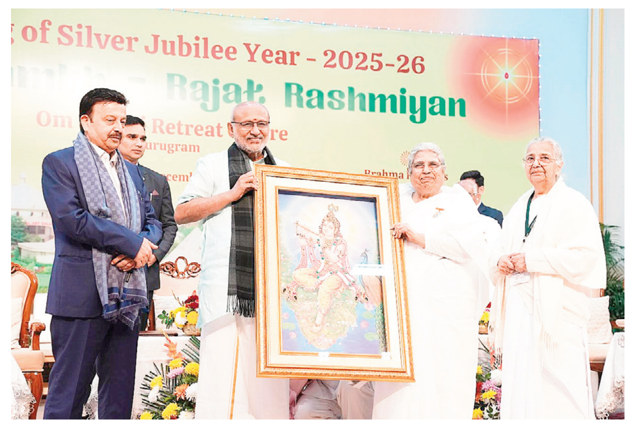

उपराष्ट्रपति ने आध्यात्म, ध्यान और ंतः जागरण में निहित भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत पर जोर दिया। उन्होंने संतों, ऋषियों और मुनियों के गहन योगदान को याद किया जिनकी तपस्या और ध्यान साधना ने भारत के शाश्वत ज्ञान को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि राजयोग और विपश्यना जैसी परंपराएं इस बात के महत्व को इंगित करती है कि सच्ची शक्ति और स्पष्टता भीतर से ही उभरती है।

सी.पी. राधाकृष्णन ने इस आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने और भारत तथा विदेशों में लाखों लोगों को मन की शांति और पवित्रता की ओर मार्गदर्शन करने के लिए ब्रह्म कुमारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमृत काल में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक विकसित भारत @2047 की कल्पना की है, जहां आर्थिक विकास, आंतरिक स्थिरता, प्रसन्नता और शांति पूरक हो। उन्होंने कहा कि आज के तीव्र संसार में ध्यान को एक आवश्यक जीवन कौशल के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति ओम शांति रिट्रीट सेंटर की दृढ़ प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल मिशन लाइफ के साथ तालमेल की भी सराहना की। यह मिशन लोगों को सचेतन जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने केंद्र की हरित पहलों की भी सराहना की जिनमें 1 मेगावाट का हाइब्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणालियां, बायोगैस और सीवेज शोधन संयंत्र, हरित रसोई, निःशुल्क पौध नर्सरी और कल्प तरु परियोजना के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान तथा सभी क्षेत्रों में कर्मयोग को बढ़ावा देने वाली अन्य सामाजिक पहलों में ब्रह्म कुमारी के योगदान की सराहना की।

हाल ही में लखनऊ में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा ब्रह्म कुमारी के वार्षिक अभियान ''विश्व एकता और विश्वास के लिए राजयोग ध्यान'' के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए, श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने विश्वास व्यक्त किया कि रजत जयंती वर्ष सेवा के नए मार्ग खोलेगा, सामाजिक साझेदारी को और गहरा करेगा और आध्यात्मिक पहुंच को बढ़ाएगा।

भारतीय नौसेना अकादमी प्रतिष्ठित एडमिरल कप-2025 की मेजबानी करेगी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), एझिमाला—नौसेना अधिकारी प्रशिक्षण के लिए भारत का प्रमुख संस्थान—एडमिरल्स कप 2025 की मेजबानी करने पर गर्व है। इसका आयोजन 8 से 13 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित नौसेना नौकायन चैंपियनशिप में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त, इस वर्ष के 14वें संस्करण में 35 अंतर्राष्ट्रीय देश भाग लेंगे, जो विश्वस्तरीय प्रतिनिधित्व में विकास को दर्शाता है और अंतरराष्ट्रीय समुद्री समुदाय में इस आयोजन की बढ़ती प्रमुखता की पुष्टि करता है।

2010 में स्थापित, एडमिरल कप का उद्देश्य मित्र विदेशी नौसेनाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच सौहार्द, समुद्री सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में, यह चैंपियनशिप एक प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन के रूप में विकसित हुई है, जो दुनिया भर की नौसेना अकादमियों से शीर्ष नौकायन प्रतिभाओं को आकर्षित करती है। यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित आईएलसीए-6 श्रेणी की सेलबोट्स का उपयोग करके मैच रेसिंग प्रारूप में आयोजित की जाती है, जो अपनी सामरिक कुशाग्रता, शारीरिक मजबूती और सटीक नाविक कौशल के लिए जानी जाती हैं।

इस वर्ष के आयोजन में एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ओशिनिया और अमेरिका सहित एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र की टीमें भाग लेंगी, जो विविध समुद्री संस्कृतियों को एक ही प्रतिस्पर्धी मंच पर लाएंगी। यह आयोजन न केवल स्वस्थ खेल प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा देता है, बल्कि विश्व की नौसेनाओं के भावी नेतृत्व के बीच पेशेवर संबंधों को भी मज़बूत करता है।

आईएनए का असाधारण प्रशिक्षण इको-सिस्टम, आधुनिक आउटडोर नौकायन परिसर और एझिमाला के तटीय जल की अनुकूल नौकायन परिस्थितियां इस स्तर की प्रतियोगिता के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं। दौड़ के अलावा, मेहमान टीमें सांस्कृतिक आदान-प्रदान, संवाद और आउटरीच गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से अकादमी की परंपराओं, बुनियादी ढांचे और भारतीय नौसेना के लोकाचार का भी अनुभव करेंगी।

9 दिसंबर 2025 को उद्घाटन समारोह के साथ चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन होगा, जिसके बाद चुनौतीपूर्ण समुद्री और तेज़ हवाओं के बीच चार दिनों तक कड़ी प्रतिस्पर्धा होगी। यह आयोजन 13 दिसंबर 2025 को समापन समारोह के साथ समाप्त होगा, जहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों और उत्कृष्ट व्यक्तिगत नाविकों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

समुद्री साझेदारी की भावना को उजागर करते हुए, एडमिरल कप 2025 वैश्विक नौसैनिक सहयोग, अधिकारी प्रशिक्षुओं के व्यावसायिक विकास और टीम वर्क, अनुशासन और खेल कौशल के साझा मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाता है।

रक्षा मंत्री ने लद्दाख से जुड़ी एक ही बार में सबसे अधिक – 125 सीमावर्ती बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की

- रक्षा मंत्री ने लद्दाख से जुड़ी एक ही बार में सबसे अधिक – 125 सीमावर्ती बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की
- ये परियोजनाएं विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं: रक्षामंत्री
- "यह पारस्परिकता भारत की पहचान है जो हमें दुनिया में विशिष्ट बनाती है"

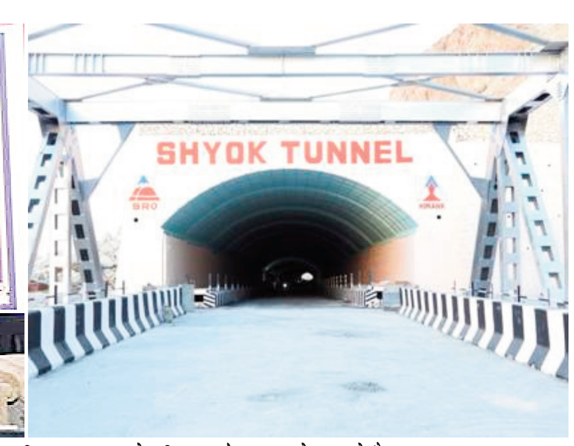

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 7 दिसंबर, 2025 को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 125 रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया - जो लद्दाख से एक साथ उद्घाटन की गई अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। 2 केंद्र शासित प्रदेशों - लद्दाख और जम्मू-कश्मीर तथा 7 राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम - में फैली ये परियोजनाएं - 28 सड़कें, 93 पुल और 4 विविध - लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई हैं, जो बीआरओ के इतिहास में सबसे अधिक लागत वाली उद्घाटन परियोजनाएं हैं।

इन उन्नत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से दुरस्थ गांवों और अग्रिम सैन्य ठिकानों तक अंतिम चरण तक कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे ये क्षेत्र राष्ट्रीय मुख्यधारा के और करीब आएंगे। रक्षा मंत्री ने इन परियोजनाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।

यह कार्यक्रम दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर श्योक सुरंग पर आयोजित किया गया, जो श्री राजनाथ सिंह द्वारा उद्घाटन की गई प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। रक्षामंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण भूभागों में से एक में निर्मित यह इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना, इस रणनीतिक क्षेत्र में हर मौसम में विश्वसनीय संपर्क सुनिश्चित करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 920 मीटर लंबी यह कट एंड कवर सुरंग, विशेष रूप से कठोर सर्दियों के दौरान, सुरक्षा, गतिशीलता और त्वरित तैनाती क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, क्योंकि यह क्षेत्र भारी बर्फबारी, हिमस्खलन और अत्यधिक तापमान के लिए अनुकूल है।

रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों के जवानों की अद्वितीय बहादुरी, प्रतिबद्धता और बलिदान को सम्मानित करने के लिए अरुणाचल प्रदेश में गलवान युद्ध स्मारक का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

रक्षा मंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के प्रति सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि ये संपर्क साधन सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन के लिए जीवन रेखाएं हैं। उन्होंने कहा, 'सीमावर्ती क्षेत्रों में मज़बूत बुनियादी ढांचे के अनेक लाभ हैं। यह सैन्य गतिशीलता, रसद का सुचारू परिवहन, पर्यटन और रोज़गार के अवसरों में वृद्धि और सबसे महत्वपूर्ण, विकास, लोकतंत्र और सरकार में मज़बूत विश्वास सुनिश्चित करता है।'

श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जिस तेज़ी से भारत सड़कों, सुरंगों, स्मार्ट बाड़, एकीकृत कमांड सेंटर और निगरानी प्रणालियों के साथ अपनी सीमाओं को मज़बूत कर रहा है, वह इस बात का प्रमाण है कि कनेक्टिविटी सुरक्षा की रीढ़ है, न कि कोई अलग इकाई। उन्होंने जटिल परियोजनाओं को गति और दक्षता के साथ और स्वदेशी समाधानों के माध्यम से पूरा करके राष्ट्रीय विकास में उल्लेखनीय तेज़ी लाने के लिए बीआरओ की सराहना की। उन्होंने कहा कि बीआरओ 'संचार' और 'कनेक्टिविटी' का पर्याय बन गया है, और सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास के इन दो महत्वपूर्ण पहलुओं को मज़बूत करने के सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ₹हमारी सरकार, सशस्त्र बल और बीआरओ जैसे संगठन हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए लगन से काम कर रहे हैं। हमें सीमावर्ती क्षेत्रों और राष्ट्रीय मुख्यधारा के बीच के बंधन को मज़बूत करते रहना चाहिए ताकि ये रिश्ते किसी भी बाहरी कारक से प्रभावित न हों।'

ऑपरेशन सिंदूर पर रक्षा मंत्री ने कहा, ₹पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के जवाब में हमारे सशस्त्र बलों ने यह अभियान चलाया। सभी जानते हैं कि उन आतंकवादियों के साथ क्या हुआ। हम और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने साहस और धैर्य का परिचय देते हुए केवल वही किया जो आवश्यक था। इतना बड़ा अभियान हमारी मज़बूत कनेक्टिविटी के कारण ही संभव हो पाया। सशस्त्र बलों तक रसद समय पर पहुँचाई गई। सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ हमारा संपर्क बना रहा, जिससे यह अभियान ऐतिहासिक रूप से सफल रहा।'

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन के दौरान सशस्त्र बलों और नागरिक प्रशासन के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के बीच समन्वय को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों के प्रति हमारे सशस्त्र बलों के प्रति उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, ₹यह समन्वय, यह पारस्परिकता ही हमारी पहचान है। यही हमें दुनिया में विशिष्ट बनाती है।

2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत तक पहुंचने का उल्लेख करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी और संचार न केवल सुरक्षा, बल्कि आर्थिक समृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ₹यह वृद्धि सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों और सुधारों के साथ-साथ प्रत्येक भारतीय की कड़ी मेहनत का परिणाम है। आज हम कई युद्ध और संघर्ष देख रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, हमने एक बड़ा संघर्ष भी देखा। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद, हमारी अर्थव्यवस्था निरंतर बढ़ रही है, हम आगे बढ़ रहे हैं।'

राजनाथ सिंह ने इस वर्ष बीआरओ द्वारा किए गए मानवीय सहायता प्रयासों की प्रशंसा की, जिसमें उत्तराखंड में माना हिमस्खलन, जहां 46 श्रमिकों को बचाया गया; उत्तरी सिक्किम में 1,600 से अधिक फंसे हुए पर्यटकों को निकालना, जहां भारी वर्षा के कारण भूस्खलन हुआ, तथा जम्मू-कश्मीर के चसोती में बादल फटना, जहां रिकॉर्ड समय में लगभग 5,000 तीर्थयात्रियों को निकाला गया, शामिल हैं।

तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के लिए बीआरओ की सराहना करते हुए, रक्षा मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि उन्नत इंजीनियरिंग पद्धतियाँ बुनियादी ढांचे के निर्माण और वितरण में तेज़ी ला रही हैं। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के तहत गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स के साथ साझेदारी में बीआरओ द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित क्लास-70 मॉड्यूलर पुलों को अपनाने का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'कई अग्रिम स्थानों पर इन मॉड्यूलर पुलों का सफल निर्माण इस बात का एक सशक्त उदाहरण है कि कैसे स्वदेशी तकनीक सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे में बदलाव ला रही है। पूर्ण रूप से भारत में तैयार ये पुल, भारत की इंजीनियरिंग आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं।'

श्री राजनाथ सिंह ने यह भी बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में, बीआरओ ने अब तक का सर्वाधिक 16,690 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड व्यय किया है और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 18,700 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह बीआरओ की क्षमताओं में सरकार के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने रक्षा निर्माण में देश को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराया और इस बात पर बल दिया कि भारत, जो कभी आयात पर निर्भर था, आज एक बड़े बदलाव का गवाह बन रहा है। उन्होंने कहा, 'एक समय था जब हमारे पास देश में हथियार और उपकरण बनाने के लिए एक ठोस व्यवस्था की कमी थी। रक्षा क्षेत्र में हम आयात पर निर्भर थे। लेकिन पिछले 10 वर्षों में हमारी कड़ी मेहनत के कारण, हमारा रक्षा उत्पादन, जो 2014 में लगभग 46,000 करोड़ रुपये था, अब बढ़कर रिकॉर्ड 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हमारा रक्षा निर्यात, जो दस साल पहले 1,000 करोड़ रुपये से भी कम था, अब लगभग 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।'

सीमा सड़क संगठन (डीजीबीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने इस अवसर पर रक्षा मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और सरकार की प्रगतिशील नीतियों तथा बढ़े हुए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे बीआरओ अपनी परिचालन क्षमताओं का विस्तार कर पाया। उन्होंने कहा कि बीआरओ देश के सबसे चुनौतीपूर्ण और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाकों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सहित प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों की पसंदीदा एजेंसी के रूप में उभरा है।

डीजीबीआर ने सभी बीआरओ कार्मिकों के अमूल्य योगदान को स्वीकार किया, जिनका समर्पण, व्यावसायिकता और अथक प्रयास संगठन की बढ़ती ताकत और उपलब्धियों की रीढ़ रहे हैं।

राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, लद्दाख के उपराज्यपाल श्री कविन्द्र गुप्ता, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री श्री उमर अब्दुल्ला, मिजोरम के मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, पीपी/डीओपीटी, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री किरेन रिजिजू, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह, उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा, 14 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बीआरओ के कार्मिक इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

रक्षा मंत्री ने वीर नारियों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने की अपील की

नई दिल्ली। राष्ट्र 7 दिसंबर, 2025 को सशस्त्र सेना झंडा दिवस (एएफएफडी) मना रहा है जो सशस्त्र बलों की बहादुरी, समर्पण, बलिदान और अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान करने का एक पवित्र अवसर है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने बाहरी और आंतरिक, दोनों ही चुनौतियों से राष्ट्र की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और एएफएफडी कोष में उदारतापूर्वक योगदान के माध्यम से पूर्व सैनिकों, विकलांग कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याणकारी कार्यक्रमों का समर्थन करने वाले नागरिकों और संगठनों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने लोगों से इस कोष में दान देना जारी रखने और भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों और शहीद नायकों के आश्रितों के सम्मानजनक पुनर्वास और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया।

रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा, ''सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, मैं हमारे सशस्त्र बलों के पराक्रम और बलिदान को नमन करता हूं। उनका साहस हमारे राष्ट्र की रक्षा करता है और उनकी निस्वार्थ सेवा हमें उस ऋण की याद दिलाती है जिसे हम कभी चुका नहीं सकते। मैं सभी से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह करता हूं। आपका समर्थन उनके समर्पण का सम्मान करता है और हमारी रक्षा करने वालों को मजबूती प्रदान करता है।''

रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका और रक्षा तथा मानवीय कार्यों में उनकी असाधारण प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों को उनकी कुशलता और साहस का प्रमाण बताया।

सचिव (सैन्य मामलों के विभाग) और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भारत की रक्षा तैयारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा में सेवारत कर्मियों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की दृढ़ सेवा, अदम्य साहस और निरंतर योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, ''हम अपने सैनिकों, नौसैनिकों और वायु योद्धाओं की अटूट प्रतिबद्धता, असाधारण वीरता और सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने सभी सीमाओं और क्षेत्रों में राष्ट्र की संप्रभुता की दृढ़ता से रक्षा की है।''

रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्र सशस्त्र बलों के साहस, वीरता और कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण के लिए उनका ऋणी है। उन्होंने आगे कहा, ''सशस्त्र बल न केवल हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं, बल्कि आतंकवाद और उग्रवाद का भी मुकाबला करते हैं। इस कर्तव्य का पालन करते हुए, अनेक सैनिक मातृभूमि की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देते हैं।''

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और सचिव (रक्षा उत्पादन) श्री संजीव कुमार ने भी सशस्त्र बलों के कर्मियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं तथा राष्ट्रीय हितों की रक्षा में उनके साहस और देशभक्ति को नमन किया। सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण विभाग) श्रीमती सुकृति लिखी ने विभिन्न खतरों से राष्ट्र की रक्षा करने तथा प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सहायता प्रदान करने के लिए बहादुर सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग, वीर नारियों, शहीद सैनिकों के आश्रितों और पूर्व सैनिकों, जिनमें विकलांग भी शामिल हैं उनके कल्याण और पुनर्वास के लिए उनकी पहचान की गई व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कार्यरत है। एएफएफडी कोष के माध्यम से एकत्रित धनराशि का उपयोग विवाह, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के लिए सहायता और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किया जाता है।

बेंगलुरु में उद्योगपतियों संग सांसद बृजमोहन की महत्त्वपूर्ण बैठक

छत्तीसगढ़ में बड़े निवेश की तैयारियाँ तेज़

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रविवार को बेंगलुरु प्रवास के दौरान रायपुर लोकसभा के लोकप्रिय सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कर्नाटक के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ विस्तृत और सार्थक बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन और बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापना को बढ़ावा देना रहा।

इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रमुख उद्योगपति अशोक हिसारिया, जय प्रकाश गुप्ता, चंदू भाई, राम सारिया, प्रभात किशनपुरीया, सुभाष अग्रवाल तथा मुरारीलाल सरावगी विशेष रूप से उपस्थित रहे और छत्तीसगढ़ में निवेश संभावनाओं पर गहन चर्चा की।

सांसद अग्रवाल ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ देश के सबसे तेज़ी से उभरते औद्योगिक राज्यों में से एक है। यहाँ उद्योग लगाने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ, नीतिगत समर्थन, अधोसंरचना और निवेशकों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि, उद्योग स्थापना हेतु सिंगल विंडो सिस्टम के तहत सरल और तेज़ स्वीकृतियाँ, सस्ती एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति, उत्तम लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी,उद्योगों के लिए भूमि उपलब्धता, कौशलयुक्त मानव संसाधन तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की औद्योगिक विकास समर्थक नीतियाँ छत्तीसगढ़ को निवेश के लिए एक आदर्श राज्य बनाती हैं।

उद्योगपतियों ने छत्तीसगढ़ की संभावनाओं को अत्यंत उत्साहजनक बताते हुए मैन्युफैक्चरिंग, स्टील–प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और अन्य सेक्टरों में निवेश करने की इच्छा जताई। सांसद अग्रवाल ने सभी उद्योगपतियों को छत्तीसगढ़ आमंत्रित करते हुए आश्वस्त किया कि जो भी उद्योगपति छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें सरकार की ओर से हर आवश्यक सुविधा, सहयोग और सुरक्षा प्रदान की जाएगी। हमारा लक्ष्य है, उद्योग बढ़ें, रोजगार बढ़े और प्रदेश आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बने।

बैठक सफल, सकारात्मक और अत्यंत प्रेरणादायी रही तथा आगामी समय में इसके ठोस परिणाम सामने आने की पूर्ण उम्मीद है।

उप मुख्यमंत्री अरूण साव राज्य स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री अरूण साव साहू सदन राजनांदगांव में आयोजित साहू समाज के छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय युवक–युवती परिचय सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने साहू सदन परिसर में मां कर्मा मंदिर जीर्णोद्धार और डोम शेड का लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने युवक–युवती परिचय सम्मेलन में शामिल होने वाले युवक–युवतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, कसडोल विधायक संदीप साहू, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड जितेन्द्र साहू, उपाध्यक्ष जिला पंचायत किरण साहू, अध्यक्ष प्रदेश साहू संघ डॉ. नीरेन्द्र साहू, अध्यक्ष जिला साहू संघ भागवत साहू सहित जनप्रतिनिधि व साहू समाज के पदाधिकारीगण, बड़ी संख्या में साहू समाज के युवक–युवती व समाज के सदस्य उपस्थित थे।

सीएम साय ने मध्यप्रदेश में नई सिंचाई तकनीक 'प्रेशर इरिगेशन नेटवर्क' की प्रस्तुति का किया अवलोकन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने रविवार को भोपाल में सिंचाई की नवीनतम तकनीक PIN (Pressure Irrigation Network) के संबंध में विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि पारंपरिक सिंचाई पद्धतियों की तुलना में यह प्रणाली कहीं अधिक कुशल, आधुनिक और जल संरक्षण के अनुरूप है।

अपर मुख्य सचिव श्री राजौरा ने प्रस्तुति के दौरान बताया कि जहाँ पारंपरिक नहर आधारित सिंचाई में लगभग 35 प्रतिशत एफिशिएंसी प्राप्त होती है, वहीं प्रेशर इरिगेशन प्रणाली में दक्षता बढ़कर 65 प्रतिशत तक पहुँच जाती है। इस तकनीक में प्रेशर आधारित पाइपलाइनों से सिंचाई की जाती है, जिससे पानी का रिसाव और अपव्यय कम होता है तथा बिजली की उल्लेखनीय बचत होती है। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रणाली में भू–अधिग्रहण की आवश्यकता न्यूनतम होती है, जिससे परियोजनाएं समय पर और लागत प्रभावी तरीके से पूरी की जा सकती है।

प्रस्तुति में उल्लेख किया गया कि मध्यप्रदेश में 13 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में इस तकनीक से सिंचाई की जा रही है और आगामी वर्षों में इसे 40 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करने का लक्ष्य है। इस मॉडल से न केवल जल उपयोग दक्षता बढ़ी है, बल्कि किसानों की उत्पादकता और सिंचाई सुविधा में भी महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला है।

जिला कोषालय रायपुर में कार्य विभाजन आदेश में कोषालयीन लिपिकों के अधिकारों के हनन का आरोप

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ प्रदेश कोषालयीन शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय प्रवक्ता रूपेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि जिला कोषालय रायपुर में कार्य विभाजन आदेश में कोषालयीन लिपिकों के अधिकारों का हनन किया गया है जिसके लिए संगठन द्वारा कोषालय अधिकारी गजानन पटेल को पत्र के माध्यम से कार्य विभाजन आदेश में वित्त विभाग के पत्र अनुसार कार्य विभाजन आदेष जारी करने का निवेदन किया गया था । वित्त विभाग के आदेष अनुसार लिपिकों का कार्य मुख्य रूप से नस्तियों का प्रस्तुतीकरण, नस्तियों का संधारण, रख रखाव, पत्राचार करना तथा नियमों के अनुरोप वरिष्ठ कार्यालयों को अवगत करना है । डाटा एन्टी आपरेटर का कार्य डाटा एन्ट्री करना, डाटा का विष्लेषण करना, मुख्यतः तकनीकी स्वरूप कार्य होता है । (छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के पत्र क्रमांक 839/472/वि/नि/चार/2024 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 01.11.2024 की छायाप्रति संलग्न) कोषालय अधिकारी द्वारा डाटा एन्ट्री आपरेटर को देयक पारित शाखा, सीपीएस ओपीएस शाखा, ई–पेमेन्ट शाखा एंव भण्डार शाखा में सहायक के रूप में कार्य करने हेतु आदेष आंबटित किया गया है, कोषालय अधिकारी के द्वारा पारित देयकों को पारित करने का कार्य भी किया जाता है डाटाएन्ट्री आपरेटर द्वारा संपादित कार्यो का किसी भी सहायक कोषालय अधिकारी द्वारा परीक्षण नही कराया जा रहा है । और सीधे कोषालय अधिकारी ही पारित किया जा रहा है । वित्त विभाग के पत्र के कंडिका क्रमांक 05 में ई पेमेन्ट करने हेतु सहायक कोषालय अधिकारी को दिये जाने उल्लेख किया गया है उक्त आदेष का कोषालय अधिकारी द्वारा पालन न करते हुए उल्लधन किया जा रहा है (छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर के पत्र क्र 1737/वित्त/ब–4/संसा./ 2024 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 07.06.2024 की छायाप्रति संलग्न) छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता में तीन स्तरीय परीक्षण का उल्लेख है जिसमें वित्त निर्देशों एवं कोषालय संहिता के नियमों की धज्जिया उड़ाई जा रही है एवं लिपिकों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है ।

वरिष्ठ कोषालय अधिकारी द्वारा जारी पत्र में तथ्य रहित जानकारी संगठन को उपलब्ध कराया गया जिसके उपरान्त संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंषन को संगठन द्वारा अवगत कराया जिसकों संज्ञान में लेते हुए वित्त विभाग के पत्र अनुरूप कार्य आंबटित करने का पत्र जारी किया गया । परन्तु आज दिनांक तक डाटाएन्ट्री आपरेटर को लिपिकीय कार्य से पृथक नही किया गया है । (संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंषन के पत्र क्र/शिकायत शाखा/2025/1422 रायपुर दिनांक 30.09.2025 की छायप्रति संलग्न)

साथ ही प्रदेश के अन्य कई कोषालयों में डाटाएन्ट्री आपरेटरों को भी देयक पारित एवं पेंषन शाख जैसे महत्वपूर्ण शाखा का कार्य करने का आदेश जारी किया जा रहा है । जबकि कई बार डाटाएन्ट्री आपरेटरों के कार्य प्रणाली पर समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा चुका है जिस पर आज दिनांक तक कार्यवाही अपेक्षित है ।

जिसके लिए संगठन द्वारा सचिव वित्त विभाग विशेष सचिव वित्त विभाग तथा संचालक कोष लेखा को भी कई बार पत्र प्रेषित किया जा चुका है । उक्त संबंध में कार्यवाही नही किया गया तो प्रदेश के समस्त कोषालयीन कर्मचारी जिला कोषालय रायपुर का घेराव कर प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगें ।

अरपोरा में आग की भीषण दुर्घटना पर मुख्यमंत्री साय ने व्यक्त की गहरी संवेदना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। अरपोरा, गोवा में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत हृदयविदारक है और जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति वे अपनी संवेदनाएँ प्रकट करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ दे।

सुहिणी सोच में पल्लवी चिमनानी अध्यक्ष, रेनु कृष्णानी बनीं सचिव

जतिन नचरानी

शपथ ग्रहण 18 दिसम्बर को

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सिंधी समाज की महिलाओं की प्रमुख संगठन सुहिणी सोच में वर्ष 2026 के लिए पल्लवी चिमनानी अध्यक्ष रेनु कृष्णानी सचिव सर्वसमति से निर्वाचित हुई इसकी घोषणा फाउंडर मनीषा तारवानी द्वारा की गई। यह एक वर्ष का कार्यकाल होता है। शपथ ग्रहण समारोह 18 दिसम्बर को आयोजित होने जा रहा है। इस समारोह में निवर्तमान अध्यक्ष दीक्षा बुधवानी और सचिव पूनम बजाज की जगह नई टीम पदभार ग्रहण करेगी।

सुहिणी सोच की ओर से आयोजित होने वाला यह गरिमापूर्ण समारोह रायपुर के विमतारा हॉल शांतिनगर में संपन्न होगा। इस अवसर पर संगठन की सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन की शपथ लेंगी। संगठन का लक्ष्य सामाजिक कार्यों और महिला सशक्तिकरण की दिशा में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना है। नई कार्यकारिणी अपने कार्यकाल में महिलाओं के मार्गदर्शन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। फाऊंडर मनिशा तारवानी ने बताया कि यह आयोजन सुहिणी सोच परिवार में नेतृत्व परिवर्तन और नई शुरुआत का प्रतीक है। मीडिया प्रभारी कविता नारा ने बताया कि सामाजिक क्षेत्र में संगठन की सक्रियता और अधिक बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में मनीशा तारवानी, दीक्षा , बुधवानी , ईशानी, तोतलानी, आरती, मयानी, करिश्मा, कमलानी, ज्योति, बुधवानी,

माही, बुलानी, मुस्कान लालवानी, विधा गंगवानी, जूही दरयानी, खुशी सोनी, महक होतवानी, पूनम बजाज आदि अपस्थित थीं।

शिक्षा ही सामाजिक विकास का मूलमंत्र : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री साय सर्व रविदास समाज के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सामाजिक विकास का वास्तविक आधार शिक्षा है। चाहे जीवन जीने की कला हो, व्यापार हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र – हर क्षेत्र में सफलता का पहला कदम शिक्षा ही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश सर्व रविदास समाज के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने मंच पर सभी नव–निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रारंभ से ही शिक्षा के स्तर को उन्नत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य गठन के समय जहाँ मात्र एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में आईआईटी, ट्रिपल–आईटी, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स, सिपेट जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना से स्थानीय युवाओं को बड़े अवसर प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि समाज को मजबूत और संगठित होना समय की आवश्यकता है, क्योंकि संगठित समाज ही राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मूलमंत्र – सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास – का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार राज्य सरकार 23 महीनों से सभी वर्गों के हित में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हाल के महीनों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिसमें अन्नदाताओं के लिए कृषक उन्नति योजना, प्रत्येक परिवार को पक्का मकान देने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना, माताओं और बहनों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महतारी वंदन योजना, दूरस्थ अंचलों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु शिक्षक युक्तियुक्तकरण जैसे कदम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अब तक विभिन्न विभागों में 10 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं पूर्ण निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई गई हैं, जिससे युवाओं में नया विश्वास उत्पन्न हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने नई उद्योग नीति लागू की है, जिससे स्थानीय लोगों को अधिक अवसर, रोज़गार और स्वरोजगार प्राप्त हो सकेगा।

शिशु मंदिर के मेधावी युवाओं ने भरी प्रशासनिक सेवा की उड़ान, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने दिया आशीर्वाद

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश के विभिन्न शिशु मंदिर विद्यालयों में अध्ययन कर क्स्ष्ट 2025 में सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों ने आज शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव से उनके रायपुर स्थित शासकीय निवास में सौजन्य भेंट की। मंत्री श्री यादव ने सभी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा प्रशासनिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु प्रेरित किया।

नवा रायपुर स्थित आवास में आयोजित इस मुलाकात के दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिशु मंदिर संस्थान विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ संस्कार, राष्ट्रप्रेम और अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफलता ही नहीं दिलाती, बल्कि उन्हें भविष्य में सशक्त समाज एवं राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाने योग्य भी बनाती है।

मंत्री श्री यादव ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध कराने निरंतर प्रयासरत है। प्रशासनिक सेवाओं में युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल वृद्धि के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहलें कर रही है।

कार्यक्रम में विद्या भारती प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. देव नारायण साहू एवं विद्या भारती क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्री जुड़ावन सिंह ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों वरिष्ठ पदाधिकारियों ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए राष्ट्रहित में सेवाभाव से कार्य करने का आग्रह किया।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444